संकट जारी रहा तो उर्वरक उत्पादन 10-15 प्रतिशत घटेगा : क्रिसिल - 10

पश्चिम एशिया संकट : 80 प्रतिशत तक महंगी हुई माल ढुलाई, पूर्वी भारत से आधा हुआ निर्यात - 10

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस बोले-भीषण युद्ध की कगार पर खड़ी है दुनिया - 11

आईपीएल के दूसरे चरण का कार्यक्रम जारी - 12



आज का मौसम

31.0° अधिकतम तापमान

19.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.12 | सूर्यास्त 06.29

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

# अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष नवमी 10:07 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 27 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 48, पृष्ठ 12+4 ▪ मूल्य 6 रुपये


# भारत को होर्मुज से गुजरने की अनुमति

## ईरान ने चार अन्य देशों को भी दी इजाजत, कहा- अमेरिका से समझौते पर कोई बातचीत नहीं

तेहरान/नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान ने भारत समेत पाचं मित्र देशों को वाणिज्यिक नौवहन के लिए होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने यह जानकारी दी। ईरान द्वारा होर्मुज को अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है। होर्मुज फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा नौवहन मार्ग है जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और एलएनजी का परिवहन होता है। पश्चिम एशिया, भारत की ऊर्जा खरीद का एक प्रमुख स्रोत रहा है।

अराघची ने कहा, हमने कुछ ऐसे देशों को (होर्मुज से) गुजरने की अनुमति दी है जिन्हें हम मित्र मानते हैं। हमने चीन, रूस, भारत, इराक और पाकिस्तान को आवागमन की अनुमति दी है। ईरानी विदेश मंत्री ने साथ ही स्पष्ट किया कि ईरान के शत्रुओं से जुड़े पोतों को इस जलमार्ग से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, हम युद्ध की स्थिति में हैं। यह क्षेत्र युद्ध क्षेत्र बना हुआ है और हमारे दुश्मनों एवं उनके सहयोगियों के पोतों को इससे गुजरने देने का कोई कारण नहीं है लेकिन यह अन्य देशों के लिए खुला है। संघर्ष समाप्त करने के लिए अन्य देशों द्वारा मध्यस्थता करने के प्रयासों से जुड़े सवाल पर अराघची ने कहा, अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं चल रही है।

कतर से कर्नाटक के न्यू मंगलुरु बंदरगाह पर पहुंचा एलपीजी पोत अपोलो ओशन।

### यूएई में मिसाइलों के मलबे की चपेट में आने से भारतीय समेत दो की मौत

**दुबई।** संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की हवाई रक्षा प्रणाली द्वारा रोकी गई मिसाइलों का मलबा अबू धाबी की एक सड़क पर गिरा, जिसकी चपेट में आने से एक भारतीय समेत दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए, जिनमें एक भारतीय शामिल है। अबू धाबी में हुई ताजा घटना के बाद मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 11 हो गई है।

### ट्रंप बोले- ईरान ने 10 तेल टैंकर गिफ्ट किए, युद्ध समाप्ति को दिखाए गंभीरता

**वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि ईरान ने उन्हें 10 ऑयल टैंकर गिफ्ट किए हैं। आठ टैंकर होर्मुज को पार चुके हैं और सभी पर पाकिस्तान के झंडे लगे हैं। ईरान ने युद्ध समाप्त करने की गंभीरता को दिखाते हुए ऐसा किया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान को होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से टोल नहीं लेना चाहिए, लेकिन वह ऐसा कर रहा है। साथ ही ईरानी नेताओं को बहुत देर होने से पहले बातचीत शुरू कर देनी चाहिए, क्योंकि एक बार ऐसा हो जाने पर, पीछे मुड़ने का कोई रास्ता नहीं होगा। अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 15 सूत्री युद्धविराम योजना को ईरान द्वारा अस्वीकार किए जाने के बाद तेहरान हमसे समझौता करने की भीख मांग रहा है।

### इजराइल ने ईरानी नौसेना के प्रमुख तंगसिरी को मार गिराने का किया दावा

**यरूशलम।** इजराइल ने गुरुवार को ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना के प्रमुख कमांडर अलीरजा तंगसिरी को मार गिराने का दावा किया। तंगसिरी होर्मुज को बंद करने की रणनीति की अगुवाई कर रहे थे। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक संक्षिप्त वीडियो संदेश में कहा कि इजराइल ईरान पर पूरी ताकत से हमला करना जारी रखे हुए है, जबकि इस्लामी गणराज्य और उसके लेबनानी सहयोगी हिज्बुल्ला ने इजराइल भर में कई हमले किए, जिससे लोगों को जान बचाने के लिए भागना पड़ा। नेतन्याहू ने कहा, रात हमने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर की नौसेना के कमांडर को मार गिराया। इस व्यक्ति के हाथ खून से सने थे।

### भारत के पास 60 दिन का तेल और 30 दिन का गैस भंडार

**नई दिल्ली।** सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश में लगभग 60 दिन का तेल भंडार है और एक महीने की एलपीजी आपूर्ति की व्यवस्था कर ली गई है। पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार ने कमी की खबरों को जानबूझकर फैलाया गया गलत सूचना अभियान बताया, जिसका उद्देश्य लोगों में घबराहट पैदा करना और खरीदारी को बढ़ावा देना है। पेट्रोल पंप और एलपीजी वितरकों के यहां घबराहट में खरीदारी और लंबी कतारों की खबरों के बीच, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार कच्चे तेल, ईंधन और एलपीजी के भंडार का विवरण जारी किया। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बयान में कहा कि देश भर के सभी पेट्रोल पंप पर पर्याप्त भंडार है और वे सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। पेट्रोल या डीजल की कोई राशनिंग नहीं की जा रही है। विशेषकर छोटे शहरों में कुछ पेट्रोल पंप को पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा 'कैश-एंड-कैरी' यानी नकद भुगतान प्रणाली लागू किए जाने के बाद ईंधन की आपूर्ति में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

- सरकार ने कहा- ईंधन कमी की खबर 'गलत सूचना अभियान'

### नायरा ने पेट्रोल 5 और डीजल 3 रुपये लीटर किया महंगा

**नई दिल्ली।** देश की सबसे बड़ी निजी ईंधन कंपनी नायरा एनर्जी ने गरुवार को पेट्रोल की कीमतों में पांच व डीजल में तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। जारी युद्ध से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के बाद कंपनी ने यह कदम उठाया है। कंपनी के देश में 6,967 पेट्रोल पंप हैं।

# लाइन लगाने की जरूरत नहीं, घर आएगा सिलेंडर

- मुख्यमंत्री ने कहा, अफवाहों से बचें, जरूरत पर ही लें पेट्रोल-डीजल
- वैश्विक हालात के बीच लोगों से संयम और सहयोग की अपील दोहराई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल को लेकर फैल रही अफवाहों पर सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि प्रदेश में किसी प्रकार की कमी नहीं है। कहा कि गैस सिलेंडर के लिए एजेंसी पर लाइन लगाने की जरूरत नहीं है, निर्धारित प्रक्रिया के तहत बुकिंग करें, सिलेंडर घर तक पहुंचेगा। उन्होंने वैश्विक हालात के बीच लोगों से संयम और सहयोग की अपील दोहराई।

गोरखपुर के गीडा में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग साजिश के तहत अफवाहें फैलाकर माहौल बिगाड़ना चाहते हैं। ऐसे में लोगों को संयम बरतते हुए केवल आवश्यकता होने पर ही पेट्रोल-डीजल लेना चाहिए। अनावश्यक भीड़ और जमाखोरी जैसी स्थिति से बचना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अफवाहों और दुष्प्रचार के कारण घबराहट पैदा होती है, जो व्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। यदि लोग अफवाहों पर भरोसा करेंगे तो यह उनके लिए भी उपयुक्त नहीं होगा। सरकार ने सभी जिलों में प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि गैस की होम डिलीवरी व्यवस्था पूर्व की तरह सुचारु रूप से जारी रहे।

### वैश्विक परिस्थितियों का असर, लेकिन देश सुरक्षित

मुख्यमंत्री योगी ने वैश्विक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान-अमेरिका/इजराइल जैसे अंतर्राष्ट्रीय तनाव का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सुरक्षित और स्थिर स्थिति में है। कहा कि यदि वैश्विक संकट लंबा खिंचता है तो उसका प्रभाव सभी पर पड़ सकता है, इसलिए हर नागरिक को मानसिक रूप से तैयार रहना होगा।

### सरकार के साथ सहयोग को बताया राष्ट्रभक्ति

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी चुनौती के समय सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे शांति, संयम और सहयोग के साथ त्योहार मनाएं और अफवाहों से दूर रहें।

## ब्रीफ न्यूज

### बंगाल में भाजपा और टीएमसी समर्थक भिड़े पुलिसकर्मियों पर हमला

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों के बीच झड़पें हुईं तथा स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास कर रहे कई पुलिसकर्मियों पर हमला भी किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि घटना के संबंध में आठ लोगों को हिरासत में लिया गया और इलाके में छापेमारी जारी है। दोनों पक्षों ने झड़प के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया, वहीं मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है।

### अंतर्राज्यीय अवैध हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, दो पकड़े

**चंडीगढ़।** पंजाब पुलिस ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के दो व्यक्तियों की गिरफ्तारी के साथ ही अंतर्राज्यीय अवैध हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 10 देसी पिस्तौल और 20 मैगजीन बरामद कीं। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान अलीगढ़ निवासी दलेश कुमार और आगरा निवासी अमित चाहर के रूप में हुई है। यह घटनाक्रम बीकेआई के दो गुर्गों सुखविंदर उर्फ सनी और रावल की गिरफ्तारी के लगभग एक महीने बाद सामने आया है।

# आंध्र प्रदेश : भीषण हादसे के बाद बस में लगी आग, 14 जिंदा जले

रायवरम (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम में गुरुवार को एक निजी बस की एक ट्रक से टक्कर होने के बाद उसमें आग लग जाने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई तथा 22 अन्य लोग घायल हो गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे में लोगों की मौत होने पर शोक जताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस हादसे में लोगों के मारे जाने पर दुख जताया।

हादसे के समय बस में कुल 35 यात्री सवार थे। तीन घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। बस ट्रक के डीजल टैंक से टकरा गई जिससे उसमें भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान जारी है और परिजनों की सहायता के लिए मार्कापुरम उपजिलाधिकारी कार्यालय में एक कमान एवं नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यह निजी बस तेलंगाना के जगतियाल से नेल्लोर जिले के कालीगिरि जा रही थी तभी सुबह साढ़े पांच बजे से छह बजे के बीच यह हादसा हुआ। जोरदार टक्कर के कारण ट्रक पलट गया और बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों के अनुसार, बस चालक ने कहा कि स्टीयरिंग व्हील अटक गया था, प्राधिकारी इस दावे की पुष्टि कर रहे हैं। प्राथमिक आकलन से संकेत मिला कि टक्कर लगने से पहले बस दूसरी लेन में चली गई थी।

आंध्र प्रदेश के रायवरम में आग लगने के बाद जलती बस।

- स्टीयरिंग व्हील अटकने से ट्रक से टकराई थी बस
- राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने शोक जताया

### मप्र : बस-पिकअप की टक्कर में 10 की मौत

**छिंदवाड़ा।** मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में गुरुवार शाम को एक सार्वजनिक कार्यक्रम से लौट रही एक बस और एक पिकअप वाहन के बीच आमने-सामने की टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई और 31 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये और घायलों को एक-एक लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की। यह घटना जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर नागपुर रोड पर सिमरिया के पास हुई। हादसे में छह पुरुष, तीन महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि घायलों में तीन की हालत गंभीर है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हादसे के समय बस में 40 से ज्यादा यात्री सवार थे।

# लंदन में नीरव मोदी को झटका, भारत लाने का रास्ता साफ

नई दिल्ली, एजेंसी

- हाईकोर्ट ने कहा- भारत के आश्वासन पर भरोसा
- 13,000 करोड़ के धोखाधड़ी मामले में है भगोड़ा

लंदन उच्च न्यायालय ने भारत सरकार द्वारा अपने 'नोट वर्बल' में दिए गए आश्वासनों की गुणवत्ता पर भरोसा करते हुए भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी की प्रत्यर्पण के खिलाफ मामले को फिर से खोलने की याचिका को खारिज कर दिया। 'नोट वर्बल'' एक औपचारिक, बिना हस्ताक्षर वाला राजनयिक संदेश होता है जो आमतौर पर दूतावासों और विदेश मंत्रालयों के बीच सूचना, अनुरोध या विरोध व्यक्त करने के लिए उपयोग किया जाता है।

पंजाब नेशनल बैंक से 13,000 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में वांछित मोदी ने भगोड़े आर्थिक अपराधी संजय भंडारी के मामले में आए फैसले के आधार पर अपने मामले को फिर से खोलने के लिए लंदन की अदालत से संपर्क किया था। भारतीय एजेंसियों द्वारा यातना दिए जाने की आशंका के मद्देनजर भंडारी के प्रत्यर्पण को रद्द कर दिया गया था। लंदन उच्च न्यायालय ने मानवाधिकार के आधार पर भंडारी को प्रत्यर्पण आदेश से मुक्त कर दिया था। मोदी के मामले को दोबारा खोलने की अनुमति देने से इनकार करते हुए लंदन उच्च न्यायालय के किंग्स बेंच डिवीजन में लॉर्ड जस्टिस स्टुअर्ट स्मिथ और जस्टिस जे की पीठ ने कहा कि वे भारत सरकार द्वारा अपने ''नोट वर्बल'' में दिए गए आश्वासनों की गुणवत्ता पर भरोसा करते हैं। ब्रिटेन की अदालत ने अपने फैसले में कहा, जब मोदी का मामला 2022 में हमारे सामने आया तो भंडारी मामले में दिए गए फैसले के आधारभूत तथ्य या तो उपलब्ध नहीं थे या हमारी जानकारी में नहीं लाए गए थे। भंडारी मामले में इस अदालत का फैसला प्रतिबंधित उपचारों के इस्तेमाल से इकबालिया बयान हासिल करने की एक चिंताजनक तस्वीर पेश करता है।

### सीबीआई का एक दल सुनवाई के लिए गया था लंदन

जांच अधिकारियों समेत सीबीआई के अधिकारियों का एक दल सुनवाई के लिए लंदन गया था। सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, भंडारी के मामले में फैसले के आधार पर पुन: सुनवाई के लिए आवेदन दायर किया गया था। हालांकि, सीबीआई के निरंतर और समन्वित प्रयासों से इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर लिया गया। उन्होंने कहा, सीबीआई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी से जुड़े पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के संबंध में नीरव मोदी के प्रत्यर्पण की मांग कर रही है, जिसकी कार्यवाही 2018 से जारी है।

### पिता-पुत्र ने रंजिशन परिवार को कुचला सॉफ्टवेयर इंजीनियर महिला की मौत

**इंदौर।** इंदौर में बुधवार रात दिल दहलाने वाली वारदात हुई है। यहं एक पिता-पुत्र ने रहवासियों पर कार चढ़ा दी। जिसमें एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर महिला की मौके पर ही मौत हो गई और उसके दो छोटे बच्चे और पति घायल हो गए। जानबूझकर लोगों को रौंदने वाली वारदात का वीडियो भी सामने आया है।

महिला शंपा पाठक (पांडे) इंफोसिस में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थी। मृतका शंपा अपने पति सौरभ और दो नन्हे बच्चों के साथ इसी महीने 13 मार्च को इस बिल्डिंग में रहने आई थीं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

### पश्चिम एशिया संकट पर मुख्यमंत्रियों संग आज बैठक करेंगे मोदी, तैयारियों की करेंगे समीक्षा

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को चुनाव वाले राज्यों को छोड़कर बाकी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर उनकी तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा के लिए बैठक करेंगे।

यह पहली बार है जब प्रधानमंत्री संघर्ष को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। यह संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के साथ शुरू हुआ था। ईरान ने भी खाड़ी के अपने पड़ोसी देशों और इजराइल पर हमले कर जवाबी कार्रवाई की है। सूत्रों ने बताया, प्रधानमंत्री कल शाम वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये मुख्यमंत्रियों के साथ पश्चिम एशिया संघर्ष पर बातचीत करेंगे, ताकि राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की जा सके।

# प्रधानमंत्री, चुनाव आयोग के खिलाफ एआई वीडियो को लेकर एक्स पर केस

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- केरल पुलिस ने की कार्रवाई, एक यूजर अकाउंट के खिलाफ भी मामला दर्ज

केरल पुलिस की साइबर शाखा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' और उसके एक हैंडल के खिलाफ एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) निर्मित एक वीडियो प्रसारित करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। इस वीडियो में प्रधानमंत्री और निर्वाचन आयोग को भ्रामक एवं मानहानिकारक तरीके से चित्रित किया गया है।

पुलिस ने कहा कि मानहानिकारक सामग्री की जानकारी उन्हें भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) सहित आधिकारिक माध्यमों से मिली। जांच में यह पाया गया कि यह सामग्री जनता को गुमराह कर सकती है, संवैधानिक निकायों की विश्वसनीयता कम कर सकती है और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। पुलिस ने कहा कि बुधवार देर रात तिरुवनंतपुरम शहर के साइबर अपराध थाने में मामला दर्ज किया गया तथा दोषी का पता लगाने और कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

प्राथमिकी के अनुसार, एक मिनट 17 सेकंड का वीडियो समाज में दंगे भड़काने के इरादे से सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट किया गया था और 'एक्स' ने सामग्री को हटाने के संबंध में अधिकारियों के निर्देशों के बावजूद उसे प्रसारित होने दिया था।

एडीआर रिपोर्ट | वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को मिलने वाले 20,000 रुपये से अधिक के चंदे का विश्लेषण जारी किया

# राष्ट्रीय दलों को 6648 करोड़ का मिला चंदा, भाजपा को 10 गुना ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी

- 11,343 दानदाताओं ने दिया दान

राष्ट्रीय दलों को मिलने वाले चंदे में 2024-25 में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 161 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा का हिस्सा सबसे अधिक रहा। भाजपा को इस अवधि में अन्य सभी राष्ट्रीय दलों द्वारा प्राप्त कुल चंदे से दस गुना से भी अधिक चंदा मिला। एसोसिएशन फोर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

गुरुवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 में राष्ट्रीय दलों द्वारा घोषित 20,000 रुपये से अधिक के कुल दान 11,343 दानदाताओं से मिले जो 6,648.56 करोड़ रुपये रहे। इनमें से भाजपा को 6,074.01 करोड़ रुपये, जबकि कांग्रेस को 2,501 चंदे से 517.39 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। भाजपा द्वारा घोषित चंदा कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और नेशनल पीपुल्स पार्टी के उसी अवधि के संयुक्त चंदे से दस गुना से अधिक था। इस बीच, बसपा ने घोषणा की कि उसे 20,000 रुपये से अधिक का कोई चंदा प्राप्त नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रीय दलों को मिलने वाले कुल चंदे में 2023-24 की तुलना में 2024-25 में 4,104.28 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई।

- **कॉरपोरेट सेक्टर :** कुल चंदे का 92.18% हिस्सा यानी 6128.787 करोड़ रुपए का चंदा व्यापारिक घरानों से आया है।
- **व्यक्तिगत चंदा :** केवल 7.61% (505.66 करोड़ रुपए) चंदा व्यक्तिगत दाताओं द्वारा दिया गया।

### भाजपा के चंदे में पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 171% वृद्धि

अकेले भाजपा के चंदे में पिछले वित्त वर्ष के 2,243.94 करोड़ रुपये से 171 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके मुताबिक, कांग्रेस को मिलने वाले चंदे में 84 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 2023-24 के 281.48 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 517.39 करोड़ रुपये हो गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अन्य दलों में, आप को 27.04 करोड़ रुपये मिले, जो 244 प्रतिशत की वृद्धि है जबकि एनपीईपी को 1.94 करोड़ रुपये मिले, जो 1,313 प्रतिशत की वृद्धि है।

### क्या हैं एडीआर की चिंताएं

एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कई दलों ने पैन विवरण और चेक/डीडी की पूरी जानकारी नहीं दी है। भाजपा और कांग्रेस सहित कई दलों ने 3.468 करोड़ रुपए के चंदे के लिए पैन विवरण नहीं दिया है। एडीआर का मानना है कि राजनीतिक दलों को सूचना के अधिकार (आरटीआई) के दायरे में लाया जाना चाहिए। साथ ही चुनाव आयोग को उन दलों की रिपोर्ट वापस कर देनी चाहिए जो अधूरी जानकारी देते हैं। सीबीडीटी द्वारा चंदा रिपोर्ट की वार्षिक जांच की जानी चाहिए ताकि शेल कंपनियों पर लगाम कसी जा सके।

## न्यूज ब्रीफ

### टोल-फ्री नंबर 14447 पर फसल नुकसान की दें जानकारी

**अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश में बारिश, आंधी या फिर अन्य किसी आपदा से फसल को नुकसान होता है तो किसान टोल-फ्री नंबर 14447 पर जानकारी दे सकते हैं। इसके अलावा क्राप-इन्श्योरेन्स एप और वाट्सएप नंबर 7065514447 के माध्यम से भी नुकसान की सूचना दी जा सकती है। जरूरत पड़ने पर मंडल और जिला स्तर पर तैनात उप कृषि निदेशक या जिला कृषि अधिकारी से भी संपर्क करके नुकसान के बारे में बता सकते हैं। राज्य कृषि विभाग के प्रवक्ता के मुताबिक, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत किसानों के लिए डिजिटल माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं। इसके साथ ही किसान योजनाओं से संबंधित आधिकारिक जानकारी के लिए फसल बीमा पोर्टल पर भी लॉग-इन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जिले में कृषि बीमा कंपनी के प्रतिनिधि भी तैनात हैं। किसान उनसे भी सीधे संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

### छह जिलों में ईपीएफओ आज लगाएगा कैंप

**अमृत विचार, लखनऊ :** लखनऊ मंडल के छह जिलों में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की ओर से 27 मार्च दिन शुक्रवार को निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम के तहत विशेष कैंप लगाए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य निजी, संगठित और असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों, कर्मचारियों, पेंशनरों और नियोक्ताओं की पीएफ से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना है। लखनऊ में तालकटोरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित एन्कोर्डियोराइट इलेक्ट्रॉनिक प्रा. लि. में कैंप लगेगा। सीतापुर में सिविल लाइंस स्थित सीतापुर आई हॉस्पिटल ट्रस्ट में, लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी स्थित दून पब्लिक स्कूल में, बाराबंकी के नवाबगंज में भारत एल्युमिनियम एक्सट्रूजन प्रा. लि. में, हरदोई के विकास भवन स्थित मनरेगा सेल में और रायबरेली के बछरावां क्षेत्र में विसाका इंडस्ट्रीज में कैंप लगाया जाएगा।

### पंचायतीराज संगठन की नई कार्यकारिणी

**अमृत विचार, लखनऊ :** पंचायत चुनाव 2026 को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण सत्ता पंचायतीराज संगठन, उप्र. ने अपनी नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की है। संगठन के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष विवेक चन्द्र अवस्थी ने बताया कि नवगठित कार्यकारिणी में विभिन्न जिलों के सक्रिय ग्राम प्रधान प्रतिनिधियों को प्रमुख जिम्मेदारियां दी गई हैं। अमरोहा की मनु यादव को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, भदोही के राजमणि पांडेय को महासचिव, कानपुर के विद्यासागर यादव और आजमगढ़ के मो. असलम खान को उपाध्यक्ष तथा राजेश कुमार निषाद को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा मो. इकबाल, अनिल कुमार जोशी, सपना चतुर्वेदी और दिनकर तिवारी को क्षेत्रीय सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन ने ज्योति यादव, अखिलेश कुमार, धनराज यादव, नीलमणि राजे, अमरून निशा और गीता वर्मा सहित अन्य पदों पर भी नियुक्तियां की हैं।

### केएमसी मेडिकल कॉलेज को मिले 9.75 करोड़

**अमृत विचार, लखनऊ :** असेवित जिला महराजगंज में पीपीपी मोड पर स्थापित केएमसी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल को 9 करोड़ 75 लाख रुपये का भुगतान करने की स्वीकृति मिल गई है। संयुक्त सचिव चंद्र शेखर मिश्र द्वारा आदेश 25 मार्च 2026 को जारी कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यह प्रावधानित बजट, वर्ष 2025 के प्रथम बैच और दूसरे बैच के कुल 350 छात्र-छात्राओं के लिए कुल आठ करोड़ 75 लाख दिया जाएगा। इंटरेस्ट सब्सिडी एक लाख रुपये दी गई है।

# सीसीटीवी से गोआश्रय स्थलों की निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 5446 आश्रय स्थल 7592 कैमरों से जुड़े, 56 जिलों में कंट्रोल रूम सक्रिय

**अमृत विचार:** प्रदेश में गोवंश संरक्षण को तकनीक से जोड़ते हुए बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के 5446 गो-आश्रय स्थलों को सीसीटीवी निगरानी से जोड़ा गया है, जहां अब तक 7592 कैमरे स्थापित किए जा चुके हैं। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक आश्रय स्थल पर न्यूनतम पांच कैमरे लगाने का है।

सीसीटीवी व्यवस्था के माध्यम से अब गो-आश्रय स्थलों में खान-पान, स्वास्थ्य, साफ-सफाई और सुरक्षा की 24 घंटे निगरानी संभव हो गई है। इससे किसी भी प्रकार की लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित हो रही है और प्रशासनिक जवाबदेही भी मजबूत हुई है।

सरकार ने सभी जिलों को निर्देश दिए हैं कि सीसीटीवी कैमरों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए और खराबी होने पर तत्काल सुधार कराया जाए। साथ ही अधिकारियों को समय-समय पर स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने को कहा गया है।

### एकीकृत निगरानी तंत्र की दिशा में पहल

पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम के अनुसार, वर्तमान में 56 जनपदों में कमांड एवं कंट्रोल रूम सक्रिय हैं, जहां से कैमरों की मॉनिटरिंग की जा रही है। शेष 19 जनपदों में सीएसआर के माध्यम से जल्द कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएंगे, जिससे पूरे प्रदेश में एक मजबूत और एकीकृत निगरानी तंत्र विकसित होगा।

### सम्राट अशोक को केशव मौर्य ने दी श्रद्धांजलि

**अमृत विचार, लखनऊ :** उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान की जयंती के अवसर पर उन्हें विनम्र नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक महान ने अपने "धम्म" के दिव्य प्रकाश से पूरे युग को आलोकित किया। उनका जीवन त्याग, करुणा और लोककल्याण की भावना का अनुपम उदाहरण है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कलिंग युद्ध के उपरांत सम्राट अशोक का आत्मपरिवर्तन मानवता के इतिहास की एक अद्वितीय घटना है, जहां एक विजेता ने हिंसा का मार्ग त्यागकर करुणा, शांति और सेवा का पथ अपनाया।

# प्रोजेक्ट प्रवीण' में एआई की एंट्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दो लाख छात्र-छात्राओं को मिलेगा तकनीकी प्रशिक्षण

**अमृत विचार :** प्रदेश में स्कूली शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। योगी सरकार ने 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के तहत अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को शामिल करते हुए कक्षा 9 से 12 तक के वोकेशनल प्रशिक्षण में 'एआई फॉर ऑल' कोर्स अनिवार्य कर दिया है। यह व्यवस्था आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 से लागू होगी।

राज्य के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग की इस पहल के तहत 1200 से अधिक सरकारी व सहायता प्राप्त विद्यालयों के करीब दो लाख छात्र-छात्राओं को लाभ मिलेगा। अब तक 210 घंटे के इस निःशुल्क कौशल कार्यक्रम में आईटी, हेल्थकेयर, ब्यूटी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाता था, जिसमें अब 4 घंटे का एआई कोर्स भी जोड़ा गया है।

इस कोर्स के माध्यम से छात्रों को समस्या समाधान, रचनात्मक सोच, डेटा विश्लेषण और डिजिटल दक्षता जैसे आधुनिक कौशल सिखाए जाएंगे। साथ ही आईटी कस्टमर केयर, टेलरिंग, हेल्थकेयर और डिजिटल मित्र जैसे जॉब रोल्स के लिए एआई के कस्टमाइज्ड मॉड्यूल भी तैयार किए गए हैं, जिससे छात्र अपने क्षेत्र में इसके व्यावहारिक उपयोग को समझ सकें।

गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षकों के लिए भी 'एआई फॉर ऑल' कोर्स पूरा करना अनिवार्य किया गया है। 28 मार्च को इस संबंध में एक ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित होगी, जिसमें विशेषज्ञ प्रशिक्षकों को तकनीकी जानकारी देंगे।

# तकनीक कई गुना बढ़ाती है विकास की गति

## मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क का किया उद्घाटन, युवाओं को मिलेंगे अवसर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- मुख्यमंत्री बोले-प्लग एंड प्ले मॉडल से स्टार्टअप को मिलेगा मजबूत प्लेटफॉर्म

**अमृत विचार:** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के गोरखपुर सेंटर का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी विकास की गति को कई गुना बढ़ाकर उसे प्रगति में बदलने की क्षमता रखती है, इसलिए तकनीक से परहेज नहीं, बल्कि उसे अपनाना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के युवाओं में अपार प्रतिभा है, जिसे तकनीक और प्लेटफॉर्म से जोड़ने की जरूरत थी। पहले की सरकारों ने इस "स्केल" को "स्किल" में बदलने पर ध्यान नहीं दिया, जिससे युवा पलायन और निराशा का शिकार हुआ। अब सरकार युवाओं को टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप संस्कृति से जोड़कर उन्हें इंडस्ट्री रेडी बना रही है। योगी ने बताया कि यह सेंटर पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं को बड़ा अवसर देगा। यहां प्लग एंड प्ले मॉडल के तहत स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं को जगह, बिजली और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि यह सेंटर युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगा और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएगा।

गोरखपुर : गीडा में निर्मित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के उद्घाटन के बाद हाईटेक ड्रोन का संचालन समझते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में अन्य। अमृत विचार

### ग्रीन हाइड्रोजन और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पर फोकस

मुख्यमंत्री ने बताया कि मदन मोहन मालवीय यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलाजी में ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जा रहा है, जिसके लिए 50 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा आईआईटी कानपुर, एसजीपीजीआई लखनऊ और अन्य संस्थानों के साथ मेडिटेक, एग्रीटेक और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में भी कार्य हो रहा है।

योगी ने कहा कि बीते नौ वर्षों में गोरखपुर में करीब एक लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। गीडा क्षेत्र में 350 से अधिक उद्योग स्थापित हुए हैं, जिससे 50 हजार से अधिक रोजगार के अवसर बने हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्टार्टअप और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा हब बनकर उभर रहा है और गोरखपुर का यह सॉफ्टवेयर पार्क इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

### जनता की हर समस्या का त्वरित समाधान करें अधिकारी : योगी

जनता दर्शन

**अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखपुर प्रवास के दौरान गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता की हर शिकायत का त्वरित, निष्पक्ष और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर शिकायत का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना होगा। जमीन कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि गरीबों को उजाड़ने वालों को किसी भी हालत में बख्शा न जाए और उनकी संपत्ति पर उनका ही अधिकार सुनिश्चित किया जाए। पारिवारिक विवाद से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री ने पहले आपसी संवाद से समाधान निकालने और जरूरत पड़ने पर विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे। इस पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जरूरतमंदों के इलाज का एस्टीमेट शीघ्र तैयार कर उपलब्ध कराया जाए, ताकि सरकार तुरंत सहायता दे सके। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना के बाद गोशाला जाकर गोवंश को दुलारा और अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

# लापरवाह इंजीनियरों पर अप्रैल में गिरेगी गाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बिजली कनेक्शन काटने से पहले बिल भरने के लिए उपभोक्ताओं से की जाएगी बात

**अमृत विचार:** पावर कारपोरेशन ने कुछ अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं के प्रति अब तक चली आ रही लापरवाही की परिपाटी को दूर करने के लिए सख्त कदम उठाने का फैसला लिया है। अब बिजली कनेक्शन काटने से पहले सक्षम अधिकारी को उपभोक्ता से बात करनी होगी। उसे बताना होगा कि कनेक्शन क्यों काटा जा रहा है। जितनी बिजली उपभोक्ता को देंगे, उतनी ही धनराशि का बिल लिया जाएगा। विभाग के लापरवाह अफसरों का डाटा तैयार किया जा रहा है। अप्रैल के पहले सप्ताह में प्रदेश भर के लापरवाह अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी।

मुताबिक, पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने अब सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने वीसी के माध्यम से सभी विद्युत वितरण निगमों के आला अफसरों से सख्त हिदायत दी है। कहा है कि ऐसे अधिकारी जिनका कार्य विभाग के नियमों के खिलाफ है, राजस्व वसूली के मापदंडों पर जो अत्यंत पीछे हैं, साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतें हैं। ऐसे अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता और अवर अभियन्ताओं को चिन्हित किया जा रहा है। अप्रैल के प्रथम सप्ताह में समीक्षा के बाद उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### प्रीपेड मीटर उपभोक्ता का करें सहयोग

उन्होंने कहा कि बिजली बिल राहत योजना में पंजीकरण के बाद भी जो उपभोक्ता अपनी किस्तें जमा नहीं कर रहे हैं, उनसे सम्पर्क करके पैसा जमा कराया जाये। स्मार्ट मीटर के ऐसे कनेक्शन जो निगेटिव बैलेन्स के कारण स्वतः कट गये हैं। उपभोक्ता ने रिचार्ज करा लिया है, वह तुरन्त जुड़ जायें। यदि कोई परेशानी है तो उनका पूरा सहयोग करके उनकी समस्याओं का निराकरण हो।

### अपंजीकृत परियोजनाओं के खरीदारों को मिलेगी राहत

**अमृत विचार, लखनऊ :** उप्र भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने सामान्य विनियम 2019 में 10वां संशोधन करके नये नियम 25 मार्च 2026 से लागू कर दिए हैं। इससे अपंजीकृत परियोजनाओं के घर खरीदारों को बड़ी राहत मिलेगी। प्रदेश में लंबे समय से यह संदेह बना हुआ था कि जो परियोजनाएं रेरा में पंजीकृत नहीं हैं, उनके आवंटी क्या रेरा प्राधिकरण से राहत मांग सकते हैं और उन्हें रेरा अधिनियम के अंतर्गत कौन-सी राहत मिल सकती है। अब संशोधन के माध्यम से प्रावधानों को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया गया है। जो घर खरीदारों को बड़ी राहत देंगे। नए विनियमों में अपंजीकृत परियोजनाओं के आवंटियों की शिकायतें प्राधिकरण की पीठों द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुनीं जाएंगी। संबंधित परियोजना को अधिनियम की धारा-3 और यूपी रेरा नियमावली के नियम-2(1)(h) के तहत पंजीकरण से छूट प्राप्त है या नहीं, इस प्रश्न पर निर्णय लेने के बाद, यदि कोई राहत देय होगी तो वह प्रदान की जाएगी।

# 200 करोड़ की जीएसटी चोरी का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- फर्जी फर्मों के जरिये जीएसटी चोरी का है आरोप
- अलीगढ़ के सिविल लाइंस थाने में दर्ज है रिपोर्ट, गुजरात से दबोचा

आरोपी मो. अल्ताफ

**अमृत विचार:** एसटीएफ ने फर्जी फर्मों के जरिए बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा करते हुए उसके एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरोह पर करीब 200 करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी चोरी का आरोप है। इस संबंध में अलीगढ़ के सिविल लाइन्स थाने में पहले से मुकदमा दर्ज है।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद अल्ताफ सोजतवाला अहमदाबाद (गुजरात) का निवासी है, जिसे गुजरात के गायकवाड़ हवेली थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। उसके पास से लैपटॉप, दो मोबाइल फोन, पेन ड्राइव और नकदी बरामद हुई है। जांच में सामने आया कि आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कंपनियां पंजीकृत कराता था। इन फर्मों के जरिए फर्जी इनवॉइस और ई-वे बिल बनाकर व्यापारियों को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दिलाया जाता था, जिससे सरकार को भारी राजस्व नुकसान होता था।

गिरोह कमीशन के लालच में लोगों के दस्तावेज जुटाकर फर्जी कंपनियां खोलता और बैंक खातों के जरिए लेनदेन दिखाकर रकम वापस कर देता था। गिरोह कई राज्यों में सक्रिय था। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

### विद्युत विभाग के संविदा कर्मियों की छंटनी रोकने की मांग, सीएम को भेजा पत्र

**अमृत विचार, लखनऊ :** विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पावर कॉरपोरेशन में संविदा कर्मियों की छंटनी रोकने की मांग की है। समिति का कहना है कि संविदा कर्मी इन दिनों असुरक्षा के माहौल में काम कर रहे हैं, जबकि उन्होंने ईद और नवरात्र जैसे त्योहारों में भी बिजली आपूर्ति बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई।

समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर बताया कि प्रदेशभर में हजारों कर्मियों को हटाया जा चुका है। लखनऊ में हाल ही में 647 कर्मियों की सेवाएं समाप्त की गईं, जबकि 1 अप्रैल से 326 और कर्मियों को हटाने का नोटिस जारी हुआ है।

समिति ने आरोप लगाया कि सरकार आउटसोर्स निगम के जरिए बेहतर मानदेय की बात कर रही है, लेकिन पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन इसके विपरीत कदम उठा रहा है और खुद को इससे अलग रखने की कोशिश कर रहा है।

साथ ही, रामनवमी पर घोषित अवकाश को रद्द कर कर्मियों को ड्यूटी पर बुलाने से भी असंतोष बढ़ा है। समिति ने छंटनी पर तत्काल रोक और सेवा सुरक्षा की मांग की है।

# ट्रक चोरी कर बेचने वाले गिरोह का खुलासा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एसटीएफ ने कौशांबी से एक आरोपी को दबोचा, ट्रक बरामद

आरोपी कासिम

**अमृत विचार:** यूपी एसटीएफ ने ट्रकों को चोरी कर उनके चेचिस नंबर व नंबर प्लेट बदलकर जाली कागज तैयार कर बेचने वाले गिरोह का खुलासा किया है। इस गिरोह के एक सदस्य को बुधवार देर शाम को कौशांबी से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी गिरोह का सरगना बताया जा रहा है। आरोपी के पास से 12 फर्जी नंबर प्लेट, दो मोबाइल, एक 16 चक्का ट्रक, एक बिना नंबर का महिंद्रा 6 चक्का वाहन व छह फर्जी रजिस्ट्रेशन पेपर बरामद हुआ है।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी शैलेश प्रताप सिंह के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी कासिम अहमद प्रयागराज के पुरामुफ्ती स्थित मरियाडीह का रहने वाला है। उसे कोखराज इलाके से गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया कि यह गिरोह अन्य राज्यों से कबाड़ हो चुके ट्रकों के कागजात तैयार कर चोरी की ट्रकों का चेचिस नम्बर बदल देता था। इसके बाद फर्जी रजिस्ट्रेशन बनवाकर वाहनों को दूसरे राज्यों में बेच दिया जाता था। इस काम में गिरोह के अन्य सदस्य मो. तारिक और आरटीओ एजेंट अनिल तिवारी की भूमिका भी सामने आई है।

### शारदा बैराज में बनेगी 'टेंट सिटी'

**अमृत विचार, लखनऊ :** लखीमपुर खीरी स्थित शारदा बैराज को पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। उप्र. ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड यहां 2.67 एकड़ क्षेत्र में निजी सहभागिता से 'टेंट सिटी' विकसित करेगा, जिसके लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ग्राम कोठिया के पास बनने वाली यह टेंट सिटी 'एकोमोडेशन एंड वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन' के रूप में विकसित की जाएगी। इसका उद्देश्य पर्यटकों को प्राकृतिक वातावरण में ठहरने के साथ वेलनेस सुविधाएं उपलब्ध कराना है। यह क्षेत्र दुधवा नेशनल पार्क और कतर्नियाघाट वन्यजीव अभ्यारण्य के बीच स्थित है।

बढ़ते कदम

## कृषि से उद्योग तक होगा व्यापक असर, एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी को मिलेगी रफ्तार

# यूपी की अर्थव्यवस्था का गेमचेंजर बनेगा जेवर एयरपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनेगा रोजगार, निवेश व वैश्विक कनेक्टिविटी का बड़ा केंद्र

**अमृत विचार:** नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए एक निर्णायक परियोजना के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 28 मार्च को इसके शुभारंभ के साथ ही यह परियोजना राज्य को एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य को नई गति देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप विकसित यह एयरपोर्ट प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजार से सीधे जोड़ने का माध्यम बनेगा।

करीब 7 करोड़ यात्रियों की वार्षिक क्षमता और 10 लाख टन कार्गो हैंडलिंग के साथ यह एयरपोर्ट कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे किसानों की आय में 20-30% तक वृद्धि संभव है। "फार्म-टू-ग्लोबल मार्केट" मॉडल को बढ़ावा मिलेगा, जिससे फल, सब्जी और डेयरी उत्पादों का निर्यात आसान होगा।

एयरपोर्ट से शुरुआती वर्षों में 50 हजार से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार और लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। एमएसएमई, लॉजिस्टिक्स, होटल, पर्यटन और एविएशन सेक्टर में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होगा, जिससे आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। बेहतर मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के कारण लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी और निर्यात बढ़ेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, फूड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल जैसे सेक्टर तेजी से विकसित होंगे। यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र एक बड़े इंडस्ट्रियल और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में उभरेगा।

### जीडीपी और वैश्विक पहचान को मजबूती

विशेषज्ञों का मानना है कि पूर्ण क्षमता पर संचालन के बाद यह एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश की जीडीपी में 1% से अधिक वृद्धि में योगदान दे सकता है। साथ ही, यह परियोजना प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मानचित्र पर एक मजबूत पहचान दिलाएगी।

### एविएशन हब बनने की दिशा में कदम

पांच रनवे की प्रस्तावित क्षमता के साथ जेवर एयरपोर्ट भविष्य में देश का सबसे बड़ा मल्टी-मोडल एविएशन हब बन सकता है। यह दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर दबाव कम करते हुए एशिया-यूरोप के बीच एक अहम ट्रांजिट केंद्र बनने की क्षमता रखता है। यह मेगा प्रोजेक्ट न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर, बल्कि उत्तर प्रदेश के आर्थिक भविष्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला स्ट्रैटेजिक गेमचेंजर साबित हो सकता है।

### रिवरफ्रंट पर लगाएंगे सम्राट अशोक की प्रतिमा : अखिलेश

**अमृत विचार, लखनऊ :** सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा सम्राट अशोक मौर्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए जयंती मनाई गई। पार्टी मुख्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उन्होंने घोषणा की कि 2027 में सरकार बनने पर गोमती रिवरफ्रंट पर सम्राट अशोक की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। सपा प्रमुख ने सम्राट अशोक को महान शासक बताते हुए कहा कि उन्होंने विश्व को शांति और सद्भाव का संदेश दिया। इस मौके पर पार्टी के राजेन्द्र चौधरी, श्याम लाल पाल सहित कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की।

# कांग्रेस पार्टी तीन सूत्रीय फार्मूले पर देगी टिकट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिशन-2027 के लिए शुरू की बूथ स्तर तक तैयारी

**अमृत विचार:** कांग्रेस ने मिशन-2027 के लिए गंभीरता से तैयारियां शुरू कर दी हैं। एक ओर जहां बूथ स्तर पर संविधान सेनानियों को तैनात किया जा रहा है, वहीं गांव से शहर तक संगठन को मजबूत करने के कार्य ने तेजी पकड़ ली है। कांग्रेस ने टिकट वितरण के लिए तीन सूत्रीय फार्मूला बना दिया है। इसके तहत जो भी कार्यकर्ता सक्रियता, सहभागिता और संपर्क के फार्मूले पर सफल रहेंगे, उन्हें ही टिकट देने को हरी झंडी दी जाएगी। पार्टी ने इसी फार्मूले पर अंदरखाने दावेदारों की तलाश भी शुरू कर दी है।

कांग्रेस के प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने बताया कि तैयारी के तौर पर प्रदेश भर में सृजन अभियान के तहत कमेटियां बनाई गई हैं। साथ ही पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ताओं को संविधान सेनानी बनााया गया है। यह लोग बूथ स्तर पर संविधान के तहत लोगों को न्याय और विकास योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि फिलहाल पार्टी प्रदेश की सभी 403 विधान सभा सीटों पर तैयारी कर रही है। लेकिन यदि गठबंधन हुआ तो उसका पार्टी गंभीरता से पालन करेगी।

चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक शुभकामनाएं
मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज
कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

# 25-30 लाख में तय करते थे नौकरी का सौदा

## तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की नौकरी के लिए अलग-अलग रेट कार्ड, गिरोह के नेटवर्क को खंगालने में जुटी एसटीएफ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

**अमृत विचार:** सीबीएसई की जूनियर सेक्रेटेरियट असिस्टेंट समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सॉल्वर बैठाने वाले सरगना समेत नौ सदस्यों को एसटीएफ ने बुधवार को गिरफ्तार किया। एसटीएफ की अब तक की जांच में सामने आया कि सॉल्वर बैठाने और नौकरी दिलाने के नाम पर 25-30 लाख रुपये में ठेका लिया गया था। गिरोह का नेटवर्क पूरे देश में फैला है। यह गिरोह कई प्रतियोगी परीक्षाओं में सॉल्वर बैठाने के साथ ही फर्जी प्रमाण पत्र बनवाने का काम किया है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी विमल कुमार सिंह की टीम ने बुधवार को सीबीएसई की जूनियर सेक्रेटेरियट असिस्टेंट की प्रतियोगी परीक्षा में सॉल्वर गिरोह का खुलासा किया। इस गिरोह के नौ सदस्य गिरफ्तार किये गये। आठ लखनऊ के विकासनगर और एक गोरखपुर से दबोचा गया। शुरूआती जांच में सामने आया कि गिरोह ने विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाने के साथ नौकरी दिलाने का ठेका लिया था। इस गिरोह ने इसके पहले भी कई परीक्षाओं में इस तरह का काम किया है।

एसटीएफ के मुताबिक आरोपियों से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए। आरोपी राज किशोर ने कबूल किया कि उसने बेरोजगारी के चलते खेत बेचकर 1 लाख रुपये देकर फर्जी लो-विजन दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाया था। नीरज झा पेशेवर स्क्राइब निकला, जो कई परीक्षाओं में पैसे लेकर बैठ चुका है। उसने बताया कि थर्ड क्लास नौकरी के लिए 18-20 लाख और फोर्थ क्लास के लिए 4 लाख रुपये तक लिए जाते हैं। राम मिलन और अभिषेक यादव ने भी फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाकर परीक्षाएं देने की बात स्वीकार की। सत्यम कुमार जैसे स्क्राइब लाखों रुपये लेकर परीक्षाएं दिलाने का काम करते थे। गिरोह ने रेट कार्ड बना रखा था। जिसके अनुसार प्री परीक्षाः 15-25 हजार रुपये, तृतीय श्रेणी की नौकरी के लिए 18-20 लाख, बैंक क्लर्क व पीओ जैसी नौकरियों के लिए 20-30 लाख रुपये रेट तय था।

एसटीएफ की गिरफ्त में साल्वर गैंग के सदस्य। अमृत विचार

### 14 वर्ष से चला रहा गिरोह

- गिरोह का सरगना मनीष मिश्रा गोरखपुर से पकड़ा गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह पिछले 14 वर्ष से इस गिरोह को चला रहा है। उसके साथ आकाश अग्रवाल, सौरभ सोनी भी प्रमुख सदस्य हैं। तीनों ने मिलकर बुंदेलखंड इलाके में फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाकर सैकड़ों अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में पास कराने और नौकरी दिलाने का काला कारोबार खड़ा किया है। उसने बताया कि प्रतियोगी परीक्षा और नौकरी के हिसाब से रेट तय किया जाता था।

### बनवाए थे फर्जी प्रमाण पत्र

- आरोपियों ने पूछताछ में कुबूल किया कि जो भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाया है। वह सारे फर्जी हैं। 50 हजार से डेढ़ लाख रुपये एक प्रमाण पत्र के नाम पर वसूलते थे। जिसमें सीएमओ कार्यालय से लेकर गिरोह के सदस्य व दलालों तक का दाम तय होता था। शुरूआती जांच में सामने आया कि आरोपियों ने ज्यादातर प्रमाण पत्र झांसी, जालौन व ललितपुर जिले से बनवा रखे हैं। यहीं पर इनके गिरोह का पूरा नेटवर्क फैला है। इसमें सीएमओ कार्यालय से लेकर तहसील तक के कर्मचारी भी सहयोग करते हैं। गिरोह के सदस्यों के बारे में पूरी जानकारी हासिल करने के लिए एसटीएफ की टीम आरोपियों से पूछताछ की है। जो जानकारी मिली है उसका सत्यापन कराया जा रहा है। जल्द ही आरोपियों को रिमांड पर लिया जाएगा। ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों व पूरे नेटवर्क के बारे में साक्ष्य जुटाए जा सकें।

## सम्राट अशोक जन्मोत्सव पर मेधावी पुरस्कृत

- **अमृत विचार, काकोरी :** सम्राट अशोक महान जन सेवा ट्रस्ट काकोरी ने सम्राट अशोक महान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। ट्रस्ट के अध्यक्ष महेश प्रसाद मौर्य, सर्वेश मौर्य की देखरेख में शोभायात्रा निकाली गई। वक्ताओं ने सम्राट अशोक के जीवन पर प्रकाश डाला। इस दौरान हाई स्कूल एवं इंटर मीडिएट प्रथम श्रेणी में पास बच्चों को पुरस्कृत किया। डॉक्टर उमाशंकर वर्मा, डॉ. पुष्पा यादव, विजय मौर्य, डॉ उमेश प्रसाद कुशवाहा, सोनिश मौर्य, डॉ. राहुल मौर्य, रणजीत मौर्य, वीरेंद्र मौर्य, राघवेंद्र मौर्य, अंशु मौर्य, संतोष मौर्य, अनुज मौर्य अनूप मौर्य, मनोज मौर्य, सुशील कुमार मौर्य, भगवत प्रसाद मौर्य, सचिन कुमार मौर्य, प्रवीण कुमार मौर्य, पंकज मौर्य, राजेंद्र मौर्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी व अन्य।

## बच्चों की कृतियों की प्रदर्शनी लगाई

- **अमृत विचार, गोसाईगंज :** सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल में वार्षिक कला प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें स्कूल के बच्चों के बनाए कथकली मास्क, जनजातीय कला, वारली चित्र, प्राकृतिक दृश्य, अमूर्त पेंटिंग्स और भावनात्मक पोर्ट्रेट्स देखने को मिल रहे हैं। कक्षा 8 की छात्रा शैला की बड़ा भित्ति चित्र को सहराहना मिली। छात्रा शैला ने खुशी ने कहा कि सराहना से मनोबल बढ़ता है। प्रधानाचार्या पूनम कोचित्ती ने बताया कि प्रदर्शनी आज दोपहर एक बजे तक संचालित होगी।

प्रदर्शनी में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

## नवम सिद्धिदात्री

मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री हैं। ये सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली हैं। नवरात्र पूजन के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। इस दिन शास्त्रीय विधि-विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ साधना करने वाले साधक को सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है। सृष्टि में कुछ भी उसके लिए अगम्य नहीं रह जाता है। देवी सिद्धिदात्री की पूजा से केतु का असर कम होता है।

बीज मंत्र...

**माँ सिद्धिदात्री: ह्रीं क्लीं ऐं सिद्धये नमः**

## रास्ते से कंसाइनमेंट गायब, मैनेजर ने दर्ज कराई एफआईआर

- **अमृत विचार सरोजनीनगर :** सरोजनी नगर स्थित एक वेयरहाउस से कूरियर के जरिये महंगा कंसाइनमेंट भेजा गया। जो रास्ते में खो गया। जानकारी होने पर कंपनी के ऑपरेशन मैनेजर ने सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। नोएडा के सर्फाबाद, डायमंड रेजिडेंसी निवासी विनय पांचाल नोयडा सेक्टर-62 स्थित न्यू स्पाइस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में ऑपरेशन मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। विनय के मुताबिक उनकी कंपनी का एक वेयरहाउस सरोजनी नगर के ट्रांसपोर्ट नगर में पार्किंग नंबर 5 के पास स्थित है। विनय के मुताबिक यहां से 23 फरवरी 2026 को स्पीडेक्स कोरियर एंड कार्गो के माध्यम से एक कंसाइनमेंट मछलीशहर (उत्तर प्रदेश) भेजा गया था। जिसे 12 मार्च 2026 को रास्ते में खो जाने की जानकारी मिली। आरोप है कि कई बार कूरियर कंपनी से संपर्क किया, लेकिन सामान का कोई पता नहीं चल सका। बाद में कूरियर कंपनी ने इसे खोया हुआ घोषित कर दिया। कंसाइनमेंट में वीवो, सैमसंग, मोटोरोला, रियलमी और पोको कंपनियों के विभिन्न मोबाइल फोन और एक्सेसरीज जैसे स्मार्टवॉच, टी डब्ल्यूएस, केबल और ट्रैवल एडेप्टर शामिल थे। जिसकी कुल बिल राशि लगभग 2.30 लाख रुपये है। सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# हादसों में घायल अधिवक्ता समेत दो की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- काकोरी व रहीमाबाद इलाके में हुई थी दुर्घटनाएं

**अमृत विचार:** काकोरी के किसान पथ स्थित उदित खेड़ा के पास रविवार देर रात हुए हादसे में घायल अधिवक्ता की इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, रहीमाबाद थानाक्षेत्र के ग्राम भतोईया में सड़क हादसे में घायल कंटेनर चालक की बुधवार देर रात इलाज के दौरान ट्रॉमा सेंटर में मौत हो गई।

ठाकुरगंज के बालागंज निवासी जीशान अधिवक्ता थे। जीशान अपने दोस्तों के साथ कार से आगरा घूमने गए थे। 22 मार्च को वापस आते वक्त किसान पथ पर देर रात सड़क किनारे खड़ी डीसीएम में पीछे से कार जा टकराई। हादसे में कार सवार आठ लोग घायल हुए थे। हादसे में फैसल की मौत हुई थी। अस्पताल में भर्ती जीशान की गुरुवार तड़के मौत हो गयी। वहीं, इंस्पेक्टर रहीमाबाद अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि जनपद फतेहपुर के मकदूमपुर गांव निवासी कंटेनर चालक धर्मेंद्र (43) की बुधवार देर रात ट्रॉमा सेंटर में मौत हो गई।

चालक मंगलवार को कंटेनर में सामान लादकर बनारस जा रहा था। तभी रहीमाबाद थानाक्षेत्र के भतोईया के सामने देर रात कंटेनर बेकाबू होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसा था। जिससे कंटेनर चालक धर्मेंद्र स्टेयरिंग में फंस गया था। पुलिस और फायर टीम ने कंटेनर में फंसे चालक को गैस कटर से काटकर बाहर निकाला और ट्रामा में भर्ती कराया था।

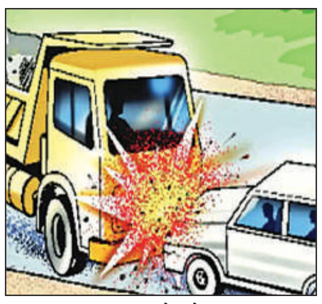

## विहिप व बजरंग दल ने निकाली शोभायात्रा

- **अमृत विचार, माल :** नबी पनाह में गुरुवार को रामनवमी के उपलक्ष्य में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने शोभायात्रा निकाली गई। जिला सह मंत्री सुशील कुमार के नेतृत्व में ऊंचा खेड़ा के बजरंग चौराहा से शुरू हुई शोभायात्रा रामनगर गांव स्थित महाकालेश्वर मंदिर पर संपन्न हुई। रास्ते में लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। जिला सह मंत्री सुशील कुमार ने भगवान राम के जीवन मूल्यों और आदर्शों पर प्रकाश डाला। सभा में शांतिपूर्ण आयोजन के लिए कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। यातायात और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात था। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने भी अनुशासन बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाई।

शोभायात्रा में शामिल भक्त।

## न्यूज ब्रीफ

### खुदकुशी के लिए उकसाने वाला गिरफ्तार

**अमृत विचार, सरोजनीनगर :** बंथरा पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में राकेश कुमार को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक लतीफनगर निवासी पीड़ित महिला की शिकायत पर कोर्ट ने रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता के मुताबिक राकेश कुमार उसके पति बबलू (32) को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था।

### समिति की रिपोर्ट से पहले छंटनी पर विवाद

**अमृत विचार, लखनऊ :** लखनऊ में बिजली विभाग में आउटसोर्स कर्मचारियों की छंटनी का विवाद थम नहीं रहा है। निविदा संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बुधवार को मानक समिति की रिपोर्ट आने से पहले ही कर्मचारियों को हटाने का आरोप लगाया। छंटनी पर रोक लगाने की मांग करते हुए कॉरपोरेशन अध्यक्ष को पत्र भेजा है। महामंत्री ने कहा कि अक्टूबर-24 में मध्यांचल प्रबंधन ने 33 केवी बिजली उपकेंद्रों के संचालन और अनुरक्षण के लिए आउटसोर्स कर्मचारियों की तैनाती को एलओआई जारी किया था। 22 अक्टूबर-24 को ही अमौसी जोन से 171 कर्मचारियों को हटा दिया गया और उनका बकाया वेतन भी नहीं दिया गया। विरोध प्रदर्शन के बाद हुए कर्मचारियों को न हटाने का आश्वासन मिला, लेकिन हटाए कर्मियों की वापसी नहीं हुई। जनवरी-25 में भी ऐसा ही आदेश हुआ। विरोध पर 6 फरवरी-25 को प्रबंधन ने किसी भी कर्मचारी को न हटाने का आदेश दिया, लेकिन इसके बावजूद एक मई-25 को लगभग 9000 कर्मचारियों को कार्य से हटा दिया गया।

# जून में शुरू हो जाएगा मेट्रो फेज दो का निर्माण कार्य

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

**अमृत विचार:** लखनऊ मेट्रो के दूसरे चरण (फेज-2) का निर्माण कार्य जून में शुरू हो जाएगा। मेट्रो कॉरपोरेशन के जन संपर्क अधिकारी पंचानन मिश्रा ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया अप्रैल मध्य तक पूरी कर ली जाएगी।

पुराने लखनऊ में मेट्रो का रूट अमीनाबाद जैसे व्यस्त इलाके से होकर गुजरेगा। तय रूट के अनुसार, फेज-2 में चारबाग से वसंत कुंज तक कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिससे शहर के बीचों-बीच बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। फिलहाल मेट्रो का संचालन एयरपोर्ट से मुंशीपुलिया तक 22.87 किमी लंबे रूट पर हो रहा है। दूसरे चरण में 11.165 किमी का नया कॉरिडोर जुड़ने के बाद कुल नेटवर्क लगभग 34 किमी तक पहुंच जाएगा। इससे यात्रियों को एक छोर से दूसरे छोर तक बिना बदले सफर करने की सुविधा मिलेगी। फेज-2 पूरा होते ही लखनऊ देश के प्रमुख मेट्रो नेटवर्क वाले शहरों में शामिल हो जाएगा। लगभग 34 किमी नेटवर्क के साथ शहर का स्थान देश में 9वें नंबर पर पहुंचने की संभावना है। साथ ही प्रदेश में यह सबसे लंबा मेट्रो नेटवर्क बन जाएगा, जो कानपुर और आगरा से काफी आगे होगा।

### ट्रैफिक दबाव में आएगी कमी

- हमले में मेट्रो विस्तार से शहर के सड़क यातायात पर सकारात्मक असर पड़ेगा। एयरपोर्ट, चारबाग और वसंत कुंज के जुड़ने से बड़ी आबादी को राहत मिलेगी। रोजाना लंबी दूरी तय करने वाले यात्रियों का समय बचेगा और जाम की समस्या में भी कमी आएगी। अधिकारियों के अनुसार, फेज-2 के पूरा होने के बाद फेज-3 की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। बढ़ते नेटवर्क के साथ ऑपरेशन, मेंटेनेंस और सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा मिल सके।

## वेंटिलेटर यूनिट में प्रोटोकॉल की उड़ रहीं धज्जियां

**अमृत विचार, लखनऊ :** केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर के इमरजेंसी में बनी वेंटीलेटर यूनिट को डॉक्टरों ने जनरल वार्ड बना दिया है। यहां पर वेंटिलेटर यूनिट में प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ रही हैं। कर्मचारी और तीमारदार जूते पहनकर वेंटिलेटर यूनिट में घूम रहे हैं। इन लोगों को यूनिट में दाखिल होने से पहले शू-कवर तक मुहैया कराने की जहमत कोई नहीं उठा रहा है। इसकी वजह से गंभीर मरीजों में संक्रमण की आशंका बढ़ गई है।

केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में 400 से अधिक बेड हैं। यहां पर हर दिन करीब 200 से अधिक मरीज इलाज के लिए आते हैं। अति गंभीर मरीजों को वेंटीलेटर मुहैया कराने के लिए प्रशासन ने पांच बेड की वेंटीलेटर यूनिट इमरजेंसी में स्थापित किया था ताकि गंभीर मरीजों को इलाज मिल सके। प्रशासन की लापरवाही से यह यूनिट जनरल वार्ड में बदल गई है। यहां पर तीमारदार बेधड़क होकर जूते-चप्पल पहनकर अंदर घुस रहे हैं। डॉक्टर व स्टाफ इन्हें रोक तक नहीं रहे हैं। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. केके सिंह के मुताबिक, वेंटीलेटर यूनिट में प्रोटोकाल का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

सुनवाई

ग्राम सभा की जमीन पर बनी मस्जिद के मामले में हाईकोर्ट ने तहसील के आदेश को सही माना

# मस्जिद से बेदखली का आदेश बरकरार

विधि संवाददाता, लखनऊ

- बीकेटी तहसील के अस्ति गांव में स्थित है मस्जिद
- हाईकोर्ट ने कहा, प्रशासन के निर्णय में नहीं है कोई त्रुटि

**अमृत विचार:** हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने ग्राम सभा की जमीन पर बनी मस्जिद के संबंध में तहसीलदार द्वारा पारित बेदखली के आदेश को बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा है कि न तो तहसीलदार के आदेश में और न ही अपर जिलाधिकारी द्वारा अपील खारिज किए जाने के आदेश में कोई भी त्रुटि है।

हालांकि कोर्ट ने कहा कि खलिहान के तौर पर दर्ज प्रश्नगत जमीन पर मस्जिद का निर्माण करने में याचियों की कोई भूमिका नहीं पाई गई लिहाजा उन पर लगा 36 हजार रुपये का जुर्माना निरस्त कर दिया है। यह निर्णय न्यायमूर्ति आलोक माथुर की एकल पीठ ने शाहबान व अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर पारित किया। याचियों ने तहसीलदार और अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) द्वारा पारित आदेशों को चुनौती दी थी। मामला लखनऊ के बख्शी का तालाब तहसील अंतर्गत ग्राम अस्ति स्थित गाटा संख्या 648 की भूमि राजस्व अभिलेखों में खलिहान के तौर पर दर्ज है, जो ग्राम सभा की संपत्ति है। प्रशासन का आरोप था कि इसी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर मस्जिद का निर्माण कर लिया गया है। वहीं याचियों का कहना था कि मस्जिद का निर्माण करीब 60 वर्ष पूर्व स्थानीय मुस्लिम समुदाय द्वारा किया गया था और यह कोई नया अतिक्रमण नहीं है। उन्होंने यह भी दलील दी कि वे सिर्फ नमाज पढ़ने के लिए वहां जाते हैं और मस्जिद के प्रबंधन से उनका कोई संबंध नहीं है। साथ ही याचियों ने सुनवाई की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें गवाहों से जिरह का अवसर नहीं दिया गया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यूपी राजस्व संहिता की धारा 67 के तहत इस प्रकार के मामलों में कार्यवाही संक्षिप्त प्रक्रिया के द्वारा होती है, जिसमें शपथ पत्रों के आधार पर निर्णय लिया जा सकता है, हर मामले में गवाहों की जिरह अनिवार्य नहीं है। न्यायालय ने पाया कि प्रश्नगत भूमि ग्राम सभा की है और याची उस पर कोई वैध अधिकार, स्वामित्व या हित सिद्ध नहीं कर सके। इस आधार पर बेदखली का आदेश सही माना गया।

अपनी शिकायत सचेत पोर्टल पर दर्ज करें

- यह पोर्टल, वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत दर्ज करने से संबंधित जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- सचेत पोर्टल में दर्ज की गई शिकायतों को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए संबंधित प्राधिकारियों को भेजा जाता है।
- उपयोगकर्ता पोर्टल पर अपनी शिकायतों को ट्रैक कर सकते हैं।

अपनी शिकायतें
https://sachet.rbi.org.in पर दर्ज करें

आरबीआई कहता है...
सचेत रहिए, सुरक्षित रहिए!

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/sachet पर विज़िट करें
फीडबैक देने के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

## न्यूज ब्रीफ

### छह सहायक आयुक्तों को मिली नई तैनाती

**अमृत विचार, लखनऊ :** उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों पर ग्राम्य विकास विभाग में कई अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। शासन द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, आयुक्त ग्राम्य विकास कार्यालय से सम्बद्ध छह सहायक आयुक्तों को तत्काल प्रभाव से विभिन्न जिलों में रिक्त खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) के पदों पर तैनात किया गया है। विशेष सचिव रजनीश चंद्र की ओर से जारी आदेशों में नई जिम्मेदारी पाने वाले सहायक आयुक्तों में सौरभ सिंह को खंड विकास अधिकारी, इटावा में तैनात किया गया है। इसी प्रकार राम खेलावन को झांसी, ज्ञानेंद्र सिंह यादव को उन्नाव, मारकंडेय पांडेय को सिद्धार्थनगर, विवेक कुमार कटियार को सुल्तानपुर एवं महेश चंद्र गौड़ को बागपत भेजा गया है। सभी नवनियुक्त अधिकारियों को तत्काल कार्यभार ग्रहण करने को निर्देशित किया गया है।

### मिशन वात्सल्य योजना से मिला नया सहारा

**अमृत विचार, लखनऊ :** मिशन वात्सल्य योजना के तहत योगी सरकार प्रदेश में बच्चों के संरक्षण, देखभाल और पुनर्वास को नई दिशा दे रही है। योजना के अंतर्गत सभी 75 जिलों में दत्तक ग्रहण व्यवस्था को सशक्त किया गया है। वर्ष 2017-18 से अब तक 1,962 बच्चों को नया परिवार मिला, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 306 बच्चों को गोद लेकर उनका पुनर्वास किया गया है। स्पांसरशिप और फॉस्टर केयर के माध्यम से भी बच्चों को सहारा मिल रहा है। गत वर्ष से अब तक 42,776 बच्चों को आर्थिक सहायता दी गई है, वहीं पिछले पांच वर्षों में 1,03,350 से अधिक बच्चों को उनके परिवारों से पुन: जोड़ा गया है। प्रदेश में 60 राजकीय बाल देखरेख संस्थाओं के जरिए बच्चों को सुरक्षित वातावरण, शिक्षा और कौशल विकास के अवसर दिए जा रहे हैं। साथ ही 5,000 से अधिक किशोर-किशोरियों को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया गया है।

### पंपिंग सेट में फंस कर छात्रा की मौत

**अमृत विचार, हरदोई :** खेत पर सिंचाई के दौरान छात्रा वहां गई हुई थी, उसी बीच वह पंपिंग सेट पर पानी पीने पहुंची, उसी बीच वह उसमें फंस गई, जिससे उसके काफी चोटें पहुंची, घर वाले उसे उठा कर मेडिकल कालेज पहुंचे, जहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि लोनार थाने के बिजकुरिया निवासी कैलाश के खेत की पम्पिंग सेट से सिंचाई हो रही थी, कैलाश की 18 वर्षीय पुत्री रिंकी, जोकि 12 वीं छात्रा थी, गुरुवार को वह भी खेत पर गई हुई थी। पिता कैलाश ने बताया कि रिंकी पम्पिंग सेट पर पानी पीने गई हुई थी, उसी बीच वह उसमें फंस गई, जब तक उसे बचाया जाता, लेकिन तब तक वह बुरी तरह ज़ख्मी हो चुकी थी।

### पेड़ से लटका मिला लापता युवक का शव

**अमृत विचार, हरदोई :** बाजार के लिए निकला युवक अचानक गायब हो गया, उसे नाते-रिश्तेदारों के घर ढूंढा जा रहा था, उसी बीच गुरुवार की सुबह तीसरे दिन उसका शव पेड़ से लटका देखा गया। पुलिस आत्महत्या बता रही है, जबकि घर वाले फिलहाल इससे इंकार कर रहें हैं। सवायजपुर कोतवाली के कौड़िया दाना निवासी 48 वर्षीय सुशील कुमार पुत्र राम नारायण खेती-बाड़ी करता था। छोटे भाई अनिल कुमार ने बताया कि सुशील मंगलवार को घर से सवायजपुर की बाज़ार के लिए निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। उसे नाते-रिश्तेदारों के घरों में ढूंढा जा रहा था। सुशील के भतीजे गोलू ने बताया कि गुरुवार की सुबह वह गांव के दक्षिण पहुंचा, जहां सुशील का शव पेड़ में रस्सी से लटका देखा।

# दरोगा के पैन कार्ड से बनाई फर्म, 10.5 करोड़ का लेनदेन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **आयकर विभाग की नोटिस मिलने के बाद दरोगा के उड़े होश**

**अमृत विचार:** जालसाजों ने दरोगा के पैन कार्ड का इस्तेमाल कर एक फर्म रजिस्टर्ड करायी। उसके बाद 10.5 करोड़ से अधिक की लेनदेन की। करोड़ों के ट्रांजेक्शन देख आयकर विभाग ने दरोगा को नोटिस भेजी तो उनके होश उड़ गए। आयकर विभाग के सामने पेश होकर पीड़ित ने उक्त फर्म से अनभिज्ञता जतायी। उसके बाद दरोगा ने बीबीडी थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मूल रूप से मुजफ्फरनगर निवासी उपनिरीक्षक धर्मेंद्र कुमार बीबीडी थाने में तैनात हैं। उन्होंने बताया कि 17 फरवरी को आयकर विभाग की एक नोटिस मिली। जिससे पता चला कि उनके पैन कार्ड का वर्ष 2017-2018 में इस्तेमाल कर जालसाज ने दिल्ली में वीर ट्रेडर्स के नाम से एक फर्म रजिस्टर्ड करायी। उसके बाद 10.5 करोड़ से अधिक की लेन-देन की। नोटिस देख दरोगा के होश उड़ गए। उन्होंने आयकर विभाग में संपर्क किया। बताया कि पीड़ित व उनके परिवार को उक्त फर्म के संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

उपनिरीक्षक धर्मेंद्र कुमार ने मामले की शिकायत बीबीडी थाने में की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

# महागौरी की पूजा कर मुख्यमंत्री योगी ने किया हवन-पूजन

गोरखनाथ मंदिर स्थित शक्तिपीठ में विधि विधान से मां महागौरी की पूजा-अर्चना व हवन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

**अमृत विचार, गोरखपुर/लखनऊ :** चैत्र नवरात्र की अष्टमी तिथि पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार रात गोरखनाथ मंदिर स्थित शक्तिपीठ में विधि विधान से मां महागौरी की पूजा अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार हवन व आरती के साथ मुख्यमंत्री ने अनुष्ठान पूर्ण किया और मां आदिशक्ति जगतजननी से प्रदेशवासियों के मंगल की प्रार्थना की।

वासंतिक नवरात्र के पहले ही दिन से गोरखनाथ मंदिर में देवी आदिशक्ति भगवती के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा अर्चना का क्रम जारी है। बुधवार को गोरखपुर आए गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री ने नवरात्र की अष्टमी तिथि पर गुरुवार रात मां महागौरी की विधि विधान से आराधना की। इसके बाद उन्होंने गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार अष्टमी का हवन किया। आरती व प्रसाद वितरण के साथ यह आराधना पूर्ण हुई। आनुष्ठानिक कार्य गोरक्षपीठ के पुरोहितों व आचार्यों के साथ वेदपाठी विद्यार्थियों ने सम्पन्न कराया।

# नए रूट से शोभायात्रा निकालने पर विवाद, नहीं मिली अनुमति

## सख्ती : अलीगढ़ में मंदिर कमेटी और पुलिस आई आमने-सामने

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **दुर्गा अष्टमी पर पुलिस ने रखी चप्पे-चप्पे पर नजर, डीजीपी लेते रहे अपडेट, ड्रोन से हुई निगरानी**

**अमृत विचार:** दुर्गा अष्टमी को लेकर गुरुवार को प्रदेश भर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही, वहीं बड़े शहरों में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए पुलिस अधिकारी जुटे रहे। धार्मिक स्थलों की ड्रोन से निगरानी की गई। उधर डीजीपी राजीव कृष्ण लगातार प्रदेश की कानून व्यवस्था की अपडेट लेते रहे। पूरे प्रदेश से कहीं से भी कोई अप्रिय घटना की खबर नहीं हैं। हालांकि अलीगढ़ में काफी अरसे से निकलती रही शोभायात्रा के बदले रूट को लेकर मंदिर कमेटी और पुलिस आमने-सामने आ गई।

राम नवमी को लेकर पुलिस खासी अलर्ट है। बाकायदा इसके लिए सुरक्षा प्लान लागू किया गया है। पूरे प्रदेश में ड्रोन से निगरानी करने के आदेश दिए गए हैं। गुरुवार को दुर्गा अष्टमी का पर्व रहा। वेस्ट यूपी के अधिकांश जिलों में दुर्गा अष्टमी काफी श्रद्धाभाव और जोरशोर से मनाई जाती है। इसे लेकर बीती रात से ही मंदिरों के साथ ही सभी धार्मिक स्थलों पर पुलिस फोर्स को तैनात करने के साथ ही खुफिया टीमों को भी अलर्ट कर दिया गया था। अब शुक्रवार को राम नवमी पर भी फुलप्रूफ सुरक्षा व्यवस्था करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

**मंदिर कमेटी के लोग भीड़ के साथ धरने बैठे :** डीजीपी ने पहले ही सख्त निर्देश दे रखे हैं कि रामनवमी पर निकलने वाली शोभायात्रा पुराने रूट से ही निकलेंगी। अलीगढ़ महानगर के मोहल्ला कनवरीगंज में श्रीदुर्गा महारानी मंदिर है। बताया जाता है कि पिछले 90 साल से मंदिर कमेटी द्वारा शोभायात्रा निकाली जाती रही है। इस बार कमेटी ने नए रूट से शोभा यात्रा निकालने के लिए प्रशासन को सूचना दी। कमेटी का तर्क है कि अतिक्रमण के चलते पुराने रूट के रास्ते संकरे हैं और जर्जर बिजली के तार लटक रहे हैं। उधर पुलिस-प्रशासन ने नए रूट से शोभायात्रा को निकालने की इजाजत नहीं दी। इसके बाद मंदिर कमेटी के लोग भीड़ के साथ धरने बैठ गए। मंदिर कमेटी के अखिल मांगलिक ने बताया कि शोभायात्रा निकालना निरस्त किया जा रहा है। साथ ही धरना भी समाप्त कर दिया गया।

# सपा ने माफिया को बनाया माननीय : चौधरी

**अमृत विचार, लखनऊ :** भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि एफआईआर उस रक्त रंजित इतिहास पर होनी चाहिए, जिसमें पाल समाज के नेता राजू पाल की सरेआम हत्या के आरोपियों को संरक्षण दिया गया। पंकज चौधरी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी ने अपराधियों को संरक्षण देकर "माफिया से माननीय" बनाने का काम किया। उन्होंने कहा कि आज सपा गुमराह करने की बात कर रही है, जबकि उसका अतीत हिंसा और अपराध से जुड़ा रहा है।

पंकज चौधरी

- **भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने ट्वीट किया- राजू पाल की सरेआम हत्या के आरोपियों के संरक्षण पर होनी चाहिए एफआईआर**

उन्होंने दावा किया कि पाल समाज अब नकली समाजवाद को पहचान चुका है और विकास व राष्ट्रवाद की मुख्यधारा से जुड़ रहा है। चौधरी ने यह भी कहा कि स्वर्गीय राजू पाल की पत्नी स्वयं सपा सरकार के समय अपनी सुरक्षा को लेकर बयान दे चुकी हैं, जो उस दौर के जंगलराज को दर्शाता है।

# बीज उत्पादन से 57 हजार महिलाएं बनीं उद्यमी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **37 जिलों में 3,163 स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला किसानों को प्राथमिकता**

**अमृत विचार:** प्रदेश में गन्ना खेती के क्षेत्र में महिलाओं ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 57 हजार से अधिक ग्रामीण महिलाएं गन्ना बीज उत्पादन से जुड़कर सफल उद्यमी बनी हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है।

वर्ष 2020-21 में शुरू किए गए "उन्नत गन्ना बीज वितरण कार्यक्रम" के तहत प्रदेश के 37 जिलों में 3,163 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया, जिससे 57,322 महिलाओं को रोजगार मिला। इस पहल से अब तक 4.5 लाख से अधिक कार्यदिवस सृजित हुए हैं। गन्ना विभाग के अनुसार, पहली बार महिला किसानों को पर्ची निर्गमन में प्राथमिकता दी गई, जिससे करीब 1.5 लाख महिला लघु किसान सीधे लाभान्वित हुई हैं। इससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा और खेती में उनकी भागीदारी मजबूत हुई।

### सामाजिक समावेशन और आर्थिक मजबूती

इस योजना में 10 हजार से अधिक अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाओं को शामिल कर सामाजिक समावेशन पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। महिला समूहों ने अब तक 60 करोड़ से अधिक गन्ना बीज उत्पादन कर 77 करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक लाभ अर्जित किया है। गन्ना विभाग ने ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ मिलकर महिलाओं को ऋण, प्रशिक्षण और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना बनाई है।

# 'विद्युत सखी' राजश्री शुक्ला बनीं बदलाव की मिसाल

## स्वयं सहायता समूह से जुड़कर गांव में बनाई नई पहचान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** बाराबंकी की राजश्री शुक्ला 'विद्युत सखी' के रूप में महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल से जुड़कर उन्होंने न केवल रोजगार पाया, बल्कि पूरे गांव में भरोसेमंद पहचान भी बनाई।

राजश्री घर-घर जाकर बिजली बिल संग्रह करती हैं, जिससे ग्रामीणों को लंबी कतारों से राहत मिली है। अब तक वे 81 हजार से अधिक बिलों का भुगतान सुनिश्चित कर लगभग 18 करोड़ से ज्यादा राशि जमा करा चुकी हैं। उनकी वार्षिक आय भी 10 लाख रुपये से अधिक पहुंच गई है, जो ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। वर्ष 2021 में 'राधा स्वयं सहायता समूह' से जुड़कर उन्होंने मात्र 30 हजार रुपये से शुरुआत की थी। शुरुआती चुनौतियों के बावजूद उन्होंने गांवों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाओं से जोड़ा। आज गांव के लोग स्वयं उन्हें बुलाकर बिल भुगतान में मदद लेते हैं। राज्य स्तर पर भी उनकी सराहना हो चुकी है और उन्हें कई अवसरों पर सम्मानित किया गया है।

# लखीमपुर के अब्दुल बने युवा उद्यमिता के रोल मॉडल

**अमृत विचार, लखनऊ :** प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के तहत प्रदेश में युवाओं को स्वरोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। लखीमपुर खीरी के ग्राम श्रीनगर निवासी अब्दुल माबूद ने 10 लाख रुपये के ऋण से रेडीमेड गारमेंट यूनिट स्थापित कर सफलता की मिसाल पेश की है।

साल 2021 में योजना के अंतर्गत मिले वित्तीय सहयोग से उन्होंने आधुनिक मशीनें खरीदीं और अपने व्यवसाय को संगठित रूप दिया। आज उनके यूनिट में हर महीने 5 से 6 हजार ट्रैक पैंट तैयार होते हैं। इस उद्यम से 24 लोगों को रोजगार मिला है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। अब्दुल की मासिक शुद्ध आय 50 हजार रुपये से अधिक है। यह योजना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त कर रही है। इच्छुक युवा केवीआईसी के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर इसका लाभ उठा सकते हैं।

# दुग्ध कारोबार से महिला सशक्तिकरण को रफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** प्रदेश में महिला स्वयं सहायता समूहों ने दुग्ध उत्पादन के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश की है। 'दूध से दौलत' मॉडल के तहत 31 जिलों में महिलाओं द्वारा करीब 5000 करोड़ रुपये का दुग्ध कारोबार किया जा चुका है, जबकि प्रतिदिन लगभग 10 लाख लीटर दूध का संग्रहण हो रहा है।

उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) के माध्यम से 3.25 लाख से अधिक महिलाएं इस अभियान से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। इनमें से करीब 50 हजार महिलाएं 'लखपति दीदी' की श्रेणी में पहुंच चुकी हैं। मिशन के तहत

महिला संचालित मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियां इस बदलाव की मुख्य धुरी बनी हैं। बुंदेलखंड, पूर्वांचल, मध्य क्षेत्र, गोरखपुर मंडल और तराई क्षेत्र में सक्रिय कंपनियां रोजाना लाखों लीटर दूध का संग्रहण कर रही हैं और करोड़ों रुपये का कारोबार कर रही हैं। इस पहल के तहत महिलाओं को उनके उत्पाद का भुगतान सीधे बैंक खातों में डीबीटी के जरिए किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता और विश्वास बढ़ा है।

## अधिवक्ता बन कॉल पर फंसाया, ऐंठे 75 हजार

**अमृत विचार, लखनऊ :** आशियाना में दिल्ली हाईकोर्ट का अधिवक्ता बनकर जालसाज ने रिटायर्ड सैन्यकर्मी के बेटे से 75 हजार रुपये ऐंठ लिए। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच की जा रही है। रतन खंड प्रियम क्रासिंग प्लाजा के पास रहने वाले रिटायर्ड सूबेदार रामकुमार ने बताया कि 3 मार्च की शाम उनके पास एक कॉल आयी। कॉल बेटे ने रिसीव की तो फोन करने वाले व्यक्ति ने अपने आप को दिल्ली हाईकोर्ट का अधिवक्ता अनिल सिंह बताया। कहा कि दिल्ली में आपके पिता का केस देख रहा हूं। रुपये की जरूरत है बारकोड भेज रहा हूं। 75 हजार रुपये ट्रांसफर कर दो। यही नहीं जालसाज ने पिता से बात करने की बात कही। उसके बाद पिता की आवाज में बात कर फंसाया और 75 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए।

## यौन शोषण का आरोपी पकड़ा गया

**अमृत विचार, लखनऊः** शादी का झांसा देकर युवती का यौन शोषण करने वाले आरोपी को ठाकुरगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह चौहान ने बताया कि सीतापुर के रामपुर कला निवासी आरोपी देव कुमार शुक्ल गोमतीनगर के विराजखंड में रहता है। पीड़िता ने 25 जनवरी को आरोपी देव कुमार व एक अन्य के खिलाफ ठाकुरगंज थाने में दुष्कर्म, धोखाधड़ी व धमकी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। आरोप था कि आरोपी ने शादी का झांसा दिया। पत्नी बनाकर साथ में रखकर लाखों रुपये ऐंठ लिए। शादी का दबाव बनाने पर आरोपी ने धमकी देकर भगा दिया था।

## रंगदारी मांगने वाला दो वर्ष बाद गिरफ्तार

**अमृत विचार, लखनऊः** फूड कंपनी के मालिक से दो लाख की रंगदारी मांगने वाले एक और आरोपी को ठाकुरगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सोनू नाका के राजेंद्रनगर का रहने वाला है। इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह चौहान ने बताया कि सआदतगंज निवासी हर्षित गुप्ता की फूड प्रोडेक्ट्स कंपनी ठाकुरगंज में करीब 11 साल से है। 5 अगस्त 2024 को उन्होंने शान महरी, गौरव कुमार, रितेश रस्तोगी और एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेजा था। जांच में चौथे आरोपी सोनू का नाम सामने आया। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी छिपकर रह रहा था।

## चोरी के जेवर खरीदने वाला गिरफ्तार

**अमृत विचार, लखनऊः** मोहनलालगंज पुलिस ने गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। मड़ियांव निवासी आरोपी सतीश सोनी वर्तमान में जानकीपुरम सेक्टर-एफ में रहता है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 8 मार्च को निगोहां थाने में कमलेश, अभिलाष, बाबूराम, रामचंदर, झब्बू, बुचऊ प्रधान, शिब्बू उर्फ विकास व सतीश सोनी पर गैंगस्टर एक्ट की रिपोर्ट दर्ज की गयी थी। जांच इंस्पेक्टर मोहनलालगंज कर रहे हैं। 18 मार्च को पुलिस ने चार आरोपियों को जेल भेजा था, जबकि अन्य फरार थे। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी सतीश सोनी गिरोह के अन्य सदस्यों से चोरी का सामान खरीदने का काम करता है।

# प्रदेश में हुए सभी एमओयू की जांच होनी चाहिए : अखिलेश यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा झूठे प्रचार और इवेंट पर चलने वाली पार्टी है। कंपनियों से फर्जी एमओयू करती है। सपा प्रदेश में हुए सभी एमओयू की पोल खोलने के लिए पुरजोर तरीके से जांच की मांग करती है।

गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार जिन कंपनियों से एमओयू कर रही है, उनका कोई फाइनेंसियल बैकग्राउंड नहीं था। उन्होंने कहा कि हिटलर के जमाने में जर्मनी में केवल एक प्रोपेगेंडा मिनिस्टर होता था, लेकिन भाजपा सरकार में केंद्र और प्रदेश में सभी मंत्री प्रोपेगेंडा मिनिस्टर हैं। सब अपने आपको पीएम (प्रोपेगेंडा मिनिस्टर) समझते हैं। सब झूठ बोलने में नंबर एक हैं। एक सवाल के जवाब में सपा प्रमुख ने रुक्मिणी देवी निषाद को समाजवादी महिला सभा का प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने पर कहा कि उनके परिवार ने बहुत कठिनाइयों और परेशानियों का सामना किया है। वे उस समाज से है, जिसने दुःख और तकलीफ को महसूस किया है।

### मिट्टी के दो चूल्हे मंगवा लिए हैं

अमृत विचार : गैस की दिक्कत को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि मैंने तो अपने घर में मिट्टी के दो चूल्हे मंगवा लिए हैं, क्योंकि गैस की दिक्कत तो सबको आएगी। हमें भी दिक्कत आएगी, आपको भी दिक्कत आएगी। हमने तो अपने यहां लकड़ी से, कोयले से खाना बनाने का इंतजाम कर लिया है, हम सबको इसी तरीके से खाना बनाना पड़ेगा।

### सभी को लगवा दिया लाइन में

रसोई गैस, पेट्रोल की किल्लत को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में जनता को लाइन के सिवा कुछ नहीं मिला। जनता को जो दिक्कत और परेशानी आ रही है, उसको दूर करने के लिए भाजपा सरकार ने कोई तैयारी नहीं की। सरकार की सिर्फ इतनी तैयारी है कि 14 .2 किलो का सिलेंडर 10 किलो का कर दिया। सरकार ने इस परेशानी से निपटने की तैयारी करने के बजाय कोरोना काल की परेशानियों की याद दिला दी। भाजपा के हर फैसले ने लोगों को लाइन में लगवा दिया है।

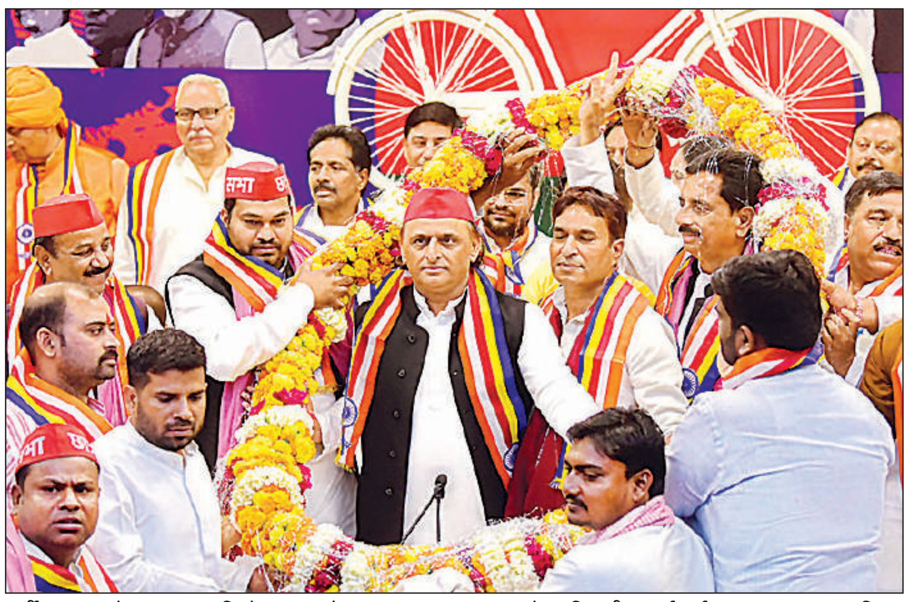

पार्टी मुख्यालय में सपा प्रमुख अखिलेश यादव को माला पहनाकर स्वागत करते पदाधिकारी व कार्यकर्ता। अमृत विचार

# कैटर्स ने रुपये मांगे तो कर दिया हमला, जांच शुरू

संवाददाता, काकोरी

**अमृत विचार:** पारा में कैटरिंग के बकाया भुगतान को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पैसे मांगने पर गालियां व जान से मारने की धमकी देने व हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पारा थाने में तहरीर दी। पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच की जा रही है।

फतेहगंज निवासी गणेश लोधी पेशे से कैटरिंग का कार्य करते हैं। उन्होंने अपने दूर के रिश्तेदार बंथरा स्थित गढ़ी चुनौटी दरियापुर निवासी बृजेश लोधी के यहां जनवरी 2024 में एक कार्यक्रम में कैटरिंग का कार्य किया था। 1000 लोगों के खाना बनाने का काम किया। जिसमें कुल खर्च 1,93,000 रुपये आया। इसमें 36,000 रुपये कैटरिंग, 70,000 रुपये एलईडी काउंटर तथा 87,000 रुपये राशन पर खर्च हुए। आरोप है कि कार्यक्रम के बाद आरोपी ने केवल 50,000 रुपये का भुगतान किया और शेष 1,43,000 रुपये शादी के बाद देने का आश्वासन दिया। समय बीतने के बावजूद जब भुगतान नहीं किया गया तो फरवरी 2026 में गणेश लोधी अपने एक कारीगर के साथ आरोपी के घर पैसे मांगने पहुंचे। बृजेश लोधी भड़क गया और गाली-गलौज करते हुए पैसे देने से साफ इनकार कर दिया। इतना ही नहीं, उसने मारपीट के लिए दौड़ा भी लिया, जिससे पीड़ित और उसका कारीगर किसी तरह वहां से जान बचाकर भागे।

# रामनवमी आज, बाहरी वाहनों के आवाजाही पर रहेगी रोक

## रामपथ पर दो पहिया वाहन भी प्रतिबंधित, गलियों में लगे बैरियर गिरे

अयोध्या कार्यालय

रंग बिरंगी झालरों से सजा श्रीराम जन्मभूमि पथ का प्रवेश द्वार। (फाइल फोटो)

**अमृत विचार :** रामनवमी के पावन पर्व पर अयोध्या सुरक्षा के अभेद किले में तब्दील हो गई है। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को भव्य रूप से मनाने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया है। स्नान घाटों, प्रमुख मठ-मंदिरों और राम मंदिर परिसर सहित पूरे शहर को बहुस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। हाईवे पर भारी वाहनों का, अयोध्या धाम में बाहरी वाहनों का व रामपथ पर टेढ़ी बाजार से लता चौक तक दो पहिया वाहनों के प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है।

> श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोपरि है। सुरक्षा व यातायात को लेकर मेला क्षेत्र को जोन व सेक्टरों में बांटकर मजिस्ट्रेट व सुरक्षा अधिकारियों को तैनात कर दिया गया है। बाहर से आ रहे वाहनों को स्थायी व अस्थायी पार्किंग में रोका जा रहा है। यलो जोन में बने कंट्रोल रूम से मेला क्षेत्र में लगे सीसीटीवी के माध्यम से व ड्रोन से निगरानी की जा रही है। -डॉ. गौरव ग्रोवर, एसएसपी।

रामनवमी पर्व को लेकर लाखों श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके है, रातभर आने का क्रम भी जारी रहा। इसको देखते हुए सरयू नदी के स्नान घाटों पर सुरक्षा सख्त कर दी गई है। अर्धसैनिक बलों के जवान तैनात हैं, जबकि जल पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की बाढ़ राहत दल भी अलर्ट मोड पर हैं। घाट क्षेत्र में भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग की गई है। हनुमानगढ़ी, नागेश्वरनाथ, कनक भवन समेत अन्य प्रमुख मंदिरों पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई है। रामपथ पर भी चप्पे-चप्पे पर अर्धसैनिक बल व पुलिस के जवानों के साथ यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई है। भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने गुरुवार से ही अयोध्या धाम में बाहरी वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण रोक लगा दी है। रामपथ पर टेढ़ी बाजार से लता चौक होते हुए धर्मपथ पर साकेत पेट्रोल पंप बैरियर तक दो पहिया वाहनों के चलने पर भी प्रतिबंध है। रामपथ से जुड़ने वाले गलियों के मार्ग पर लगे बैरिकेडिंग गिरा दिए गए हैं।

## हत्या व जानलेवा हमले के केस में 7 दोषी करार

**अयोध्या कार्यालय :** बीकापुर कोतवाली में जमीन के विवाद में लाठी-डंडा से हमला कर युवक की हत्या के मामले में कोर्ट ने 7 आरोपियों को दोषी पाते हुए न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जेल भेज दिया। सजा पर सुनवाई 30 मार्च को होगी। फैसला अपर जिला जज फास्ट ट्रैक कोर्ट रवि कुमार गुप्ता की कोर्ट से गुरुवार को हुआ। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता श्रीधर मिश्रा व वादी के अधिवक्ता सईद खान ने बताया घटना 2 अगस्त 2022 की है। हैबतपुर कोतवाली अयोध्या के राजकुमार वर्मा बीकापुर कोतवाली के सेमरा स्थित अपने खेत की जुताई करने गए थे। विपक्षी अजय, अरविंद कुमार वर्मा, अनिल, मायाराम, सोनू, भारत, रवि शंकर, मुकेश व रीता वर्मा तथा गीता वर्मा लाठी-डंडा से लैस होकर पहुंचे और राजकुमार पर हमला कर दिया। तब तक मारते रहे जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। इसकी रिपोर्ट मृतक के लड़के उदयभान ने लिखाई थी। विवेचना के बाद पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ आरोप पत्र अदालत में प्रस्तुत किया। दौरान मुकदमा आरोपी मायाराम की मौत हो गई। इसलिए उसके खिलाफ मुकदमा समाप्त कर दिया गया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने सभी सात आरोपियों को हत्या बलवा जानलेवा हमला का दोषी पाते हुए जेल भेज दिया जबकि दो महिलाओं रीता और गीता को दोष मुक्त कर दिया।

## गोहत्या प्रकरण में छह को जेल

**बाराबंकी, अमृत विचार :** मसौली थाना क्षेत्र में नौ दिन पहले दो गोवंशियों की नृशंस हत्या के मामले में पुलिस ने चार और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बताते चलें कि गत 16 मार्च की रात में थाना क्षेत्र के ग्राम सुल्तानपुर निवासी राकेश यादव की दो गायों के अवशेष दूसरे दिन खेत में पड़े मिले थे। पुलिस बाकी साथियों की तलाश में ही थी कि गुरुवार को सगे भाई अनीश उर्फ कालिया, अब्दुल हसीम उर्फ बौनिया पुत्र हजारी निवासी ग्राम जमालपुर, सलमान पुत्र नूर मोहम्मद निवासी मझुआ बनकट मजरे धरौली थाना मसौली, गुलाम शाकिर उर्फ सलमान पुत्र मो0 अख्तर निवासी बूचड़ मोहाल सदर थाना कैन्ट लखनऊ को नर्सरी चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष अजय त्रिपाठी ने बताया कि कुल छह अभियुक्त जेल भेजे जा चुके हैं।

## सीएसजेएमयू व रूस की कंपनी में होगा समझौता

**कानपुर, अमृत विचार :** छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में भारत-रूस तकनीकी सहयोग के तहत एक पहल की जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा रूस की कंपनी जियोस्केन रशिया के साथ ड्रोन टेक्नोलॉजी एवं यूएवी फ्लाइट एरीना के क्षेत्र में एक समझौता ज्ञापन पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए जाएंगे। यूआईईटी परिसर में होने वाले इस एमओयू के तहत विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक, यूएवी डिजाइन, फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम, मैपिंग एवं सर्वेक्षण जैसी उन्नत तकनीकों पर कार्य किया जाएगा। कंपनी के साथ सहयोग से छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की तकनीकी जानकारी एवं प्रशिक्षण प्राप्त होगा।

## राजेश मसाला की पत्नी को जेल

**विधि संवाददाता, सुलतानपुर:** धोखाधड़ी के चर्चित मामले में अमेठी की पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्रमा देवी को गुरुवार को बड़ा झटका लगा। प्रभारी सेशन जज राकेश पांडेय की अदालत ने उनकी अंतरिम जमानत अर्जी खारिज करते हुए उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया है। साथ ही नियमित जमानत अर्जी पर सुनवाई के लिए 30 मार्च की तारीख नियत की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले चंद्रमा देवी ने एसीजेएम कोर्ट मजिस्ट्रेट भव्या श्रीवास्तव की अदालत में सरेंडर कर जमानत की मांग की थी, जहां आरोपों को गंभीर मानते हुए उनकी अर्जी खारिज कर दी गई थी। इसके बाद उनके अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा ने सेशन कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी। मामले में परिवादी की ओर से अजीजुर्रहमान तथा डीजीसी क्रिमिनल रामअचल मिश्र ने जमानत का विरोध किया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अंतरिम जमानत देने से इनकार करते हुए उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। अमेठी के उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष घनश्याम सोनी ने आरोप लगाया है कि नगर पंचायत अध्यक्ष रहते हुए चंद्रमा देवी ने धोखाधड़ी कर उनका मकान अन्य लोगों लल्लू प्रसाद सोनी, लालजी सोनी, पुजारी लाल सोनी व संगम लाल सोनी के नाम दर्ज करा दिया।

चंद्रमा देवी।

प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर मौजूद लोग। अमृत विचार

## राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में जलवा बिखेर रहे हस्तशिल्प एवं हाथकरघा से निर्मित उत्पाद

**लखनऊ, अमृत विचार :** निरालानगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के निकट माधव सभागार में गुरुवार को संत रविदास मध्य प्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम भोपाल की ओर से राज्य स्तरीय प्रदर्शनी लगाई गई। इसका उद्घाटन ऋतु सुहास निदेशक स्थानीय निकाय लखनऊ ने किया। प्रदर्शनी में 35 से 40 बुनकर शिल्पी अपनी स्वनिर्मित कलाकृतियों का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनी में 1930 के दशक की रेशन, किनार, चंदेरी, मसलिन, कॉटन साड़ियां आदि लोगों को आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इसके अलावा पंच धातु, बेल मेटल की मूर्तियां एवं शिफान, मलबरी, क्रेप तथा कोसा एवं इंडिगो प्रिंट की साड़ियां भी इसकी शोभा बढ़ा रही हैं।

## वर्ष 2017 में 1.78 तो 2025 में 30 करोड़ लोग आए रामनगरी

**अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार :** श्रीराम जन्मभूमि नौ वर्षों में धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र बनकर उभरी है। आंकड़ों के अनुसार योगी सरकार के नेतृत्व में वर्ष 2017 में करीब 1.78 करोड़ श्रद्धालु आए थे। वहीं 2025 में करीब 30 करोड़ श्रद्धालु व पर्यटक अयोध्या पहुंचे हैं। अयोध्या विश्व के सबसे बड़े धार्मिक पर्यटन स्थलों में शुमार हो गई। जहां विदेशी पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। अमेरिका, जापान, रूस आदि देशों से पर्यटक आ रहे है। अयोध्या नगरी आधुनिक सुविधाओं से लैस हो रही है। बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छ पेयजल, डिजिटल पेमेंट सिस्टम और ऑनलाइन दर्शन बुकिंग जैसी सुविधाएं श्रद्धालुओं को सहज अनुभव दे रही हैं। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के अलावा हनुमान गढ़ी, कनक भवन, नया घाट, राम की पैड़ी आदि धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया गया है। वहीं आधुनिक सुविधाओं से लैस रोशनी, साफ-सफाई, सीसीटीवी निगरानी और बेहतर यातायात व्यवस्था ने श्रद्धालुओं के अनुभव को और बेहतर बनाया है।

# धार्मिक यात्रा पर हूं, राजनीति की कोई बात नहीं

अयोध्या कार्यालय

हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन के बाद स्मृति चिह्न प्राप्त करते दिग्विजय सिंह।

**अमृत विचार:** मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने राम मंदिर में राम लला के साथ अन्य मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। इससे पहले महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्रा पर हूं आज राजनीति की कोई बात नहीं।

कहा कि रामनवमी पर अयोध्या आना उनका सौभाग्य है। राम मंदिर विरोध के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण में उन्होंने 1.11 लाख रुपये का सहयोग दिया। एयरपोर्ट से वह श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे, यहां पूजन अर्चन किया। श्री हनुमानगढ़ी पर जाकर बजरंगबली का दर्शन किया। महंतजी से आशीर्वाद लिया। उन्हें वहां का चित्र प्रदान किया गया। अयोध्या में दर्शन पूजन के बाद सांसद ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद डॉक्टर निर्मल खत्री से मिलने फैजाबाद बजाजा स्थित उनके आवास पर पहुंचे। श्री खत्री इन दिनों बीमार चल रहे हैं। उनका हाल-चाल लिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने कहा कि पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह से यूपी में पार्टी की नीतियों और पार्टी को मजबूत बनाने की दिशा में भी विचार विमर्श हुआ। पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील कि गांव गरीब की सेवा करके आम लोगों को कांग्रेस से जोड़कर राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे के नेतृत्व में पार्टी को मजबूत करना होगा।


## कार्यालय : कलेक्टर, लखनऊ।

पत्रांक : 2277/अ.जि.अ.(भू.अ.)न.म.पा.-1, लखनऊ। दिनांक : 25 मार्च, 2026

**सामाजिक समाघात आकलन करने हेतु आवेदन**

लखनऊ विकास प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा संचालित गोमती नदी सौन्दरीकरण हेतु निम्नवत् भूमि का अर्जन किया जाना प्रस्तावित है :-

| क्रमांक | जनपद का नाम | तहसील | ग्राम | प्रस्तावित भूमि ( हे0 में0) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | लखनऊ | सदर | भीखमपुर | 0.0135 |

उक्त भूमि के अर्जन से पूर्व "भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013" एवं भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार (उत्तर प्रदेश) नियमावली 2016" के अनुसार सामाजिक समाघात आकलन (Social Impact Assessment) करने हेतु प्रतिष्ठित केन्द्रीय/राज्य सरकार/अर्द्ध सरकारी/अन्य संस्थान/गैरसरकारी संस्थान/ विश्वविद्यालयों आदि से, उक्त परियोजना हेतु प्रस्तावित भूमि के सम्बन्ध में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता के अधिकार के प्रावधानों के अनुसार अध्ययन करने के लिये तकनीकी एवं वित्तीय आवेदन पत्र आमन्त्रित किये जाते है।

1- पात्रता :-

अ- सामाजिक समाघात आकलन (Social Impact Assessment) करने हेतु प्रतिष्ठित केन्द्रीय/राज्य सरकार/अर्द्ध सरकारी संस्थान/विश्वविद्यालयों द्वारा आवेदन किया जा सकता है।

ब- इच्छुक गैर सरकारी संस्थान प्रश्नगत अधिनियम में कम्पनी/सोसायटी के रूप में पंजीकृत हो अथवा कम से कम पिछले पांच वर्ष पूर्व से किसी अन्य सुसंगत अधिनियम में पंजीकृत हों।

स- संस्थान के पास पर्याप्त मानव संसाधन जिसमें योग्य स्तर के प्रबंधन के लिये उपयुक्त व्यक्ति, जो शीर्ष और मध्यम स्तर के प्रबंधन स्तर पर कुशल कार्य कर रहे हों।

द- संस्थान के पास पेशेवर प्रबंधन, अर्थशास्त्री, समाज शास्त्री/मानव वैज्ञानिक आदि होने चाहिए, जिसका विवरण आवेदन पत्र के साथ देना अनिवार्य होगा।

य- पूर्व में जिन्होने सामाजिक समाघात अध्ययन किया हो, ऐसे संस्थान को वरीयता दी जायेगी।

2- आवेदन का प्रारूप :- संस्थान द्वारा किये गये आवेदन में संस्थान की संरचना का विवरण शामिल होना चाहिए। संस्थान सामाजिक प्रभाव अध्ययन/मूल्यांकन करने के लिये जिम्मेदार होगा। आवेदन के साथ सामाजिक प्रभाव अध्ययन या इसी तरह के जुडे पूर्व में किये गये अध्ययनों का विवरण दिया जाय जिसमें परियोजना के सम्बन्ध में अध्ययन किये जाने सम्बन्धी समय और स्वरूप का विवरण विस्तार से हो।

3- पात्रता का चयन :- प्राप्त कुल आवेदनों का मूल्यांकन संस्थान द्वारा दिये गये विवरण के आधार पर किया जायेगा। इस कार्य हेतु उपलब्ध स्टाफ, कार्यरत विशेषज्ञों तथा प्रस्तावित कार्यक्षेत्र अथवा अन्य प्रकार की परियोजनाओं हेतु किये गये पूर्व अध्ययन को शामिल किया जायेगा। अतः संस्थान द्वारा इसका विवंरण अवश्य अंकित किया जाय।

4- संस्थान के चयन को निरस्त के लिये किसी भी कारण का बताया जाना अनिवार्य नहीं होगा।

5- इच्छुक संस्थानों के आवेदन पूर्ण विवरण के साथ कार्यालय में अथवा पंजीकृत डाक से दिनांक 02-04-2026 सायं 3.00 बजे तक निम्न पते पर स्वीकार किये जायेंगे।
"कार्यालय जिलाधिकारी लखनऊ/अपर जिलाधिकारी (भू0अ0),
नगर महापालिका-प्रथम,
6, जगदीश चन्द्र बोस मार्ग, लालबाग, लखनऊ।

6- आवेदक द्वारा तकनीकी मूल्यांकन किया जायेगा। वित्तीय मूल्यांकन हेतु सामाजिक समाघात (Social Impact Assessment) अध्ययन किये जाने के लिए संस्थान द्वारा लिये जाने वाले शुल्क का विवरण (कर सहित) अलग सीलबन्द लिफाफे में दिया जाना होगा। इसके अभाव में आवेदन पर विचार नही किया जायेगा।

नोट : प्रस्तावित भूमि का पूर्ण विवरण यथा खसरा/क्षेत्रफल/प्रभावित व्यक्ति/मानचित्र आदि अपर जिलाधिकारी (भू0अ0), नगर महापालिका-प्रथम, 6, जगदीश चन्द्र बोस मार्ग, लालबाग, लखनऊ के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है।

**कलेक्टर, लखनऊ।**
**(भूमि अर्जन प्रयोजनार्थ)**

आवेदन का प्रारूप

1: संस्थान का नाम :
2: संस्थान का प्रकार : कम्पनी/समिति/विश्वविद्यालय/अन्य (निर्दिष्ट)
3: शासकीय नियंत्रण की स्थिति:
4: संस्थान के पंजीकरण का विवरण:
(प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न की जाय)
5: कार्मिकों का विवरण :
नियमित कर्मचारीगण
संविदा के आधार पर कार्यरत कर्मचारी
6: शीर्ष/मध्यम प्रबंधन के प्रमुख कार्मिकों, कार्यरत विशेषज्ञ और समूह के सदस्यों का विवरण, जिन्हे प्रस्तावित कार्य हेतु लगाया जायेगा:-

| नाम | पदनाम | योग्यता | कार्यानुभव |
|---|---|---|---|
| | | | |

7: विगत पांच वर्ष में किये गये अध्ययन का विवरण :-

| अध्ययन का प्रकार | अध्ययन की अवधि | परियोजना का नाम | परियोजना का प्रकार | क्षेत्र | नाम (जिसके लिये अध्ययन किया गया) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | |

8: संस्थान के सम्पर्क का विवरण :
दूरभाष नम्बर : मोबाईल नम्बर : ई-मेल का पता :
दिनांक : हस्ताक्षर
पदनाम सहित

**UP-248953 दिनांक 25.03.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।**



अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

**सूचना**

मैने अपना नाम ASHISH KUMAR से बदलकर ASHISH KUMAR MODI रख लिया है। भविष्य मे मुझे ASHISH KUMAR MODI के नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-HARIHAR PRASAD MODI ADD-KH NO-65 H-NO-135 GOLMOHAR COLONY, BHAISORA, KHARGAPUR PO-CHINHAT DIST-LUCKNOW-226028(U.P.)

**सूचना**

मेरा इंटरमीडिएट प्रमाण पत्र वर्ष 2019 अनुक्रमांक 1105133 वास्तव में कहीं खो गया है। **सुशील कुमार पुत्र शिवकुमार नि0 ग्रा0 खुदियापुर मौजा रामपुर मझिला, तिर्वा, कन्नौज।**

**सूचना**

मैं सिद्धार्थ वर्मा पुत्र श्री विक्रमादित्य वर्मा निवासी- C- 163/5 हरिहर नगर इंदिरा नगर लखनऊ, अपने पुत्र नैमिष वर्मा जिसका आधार संख्या 829801021688 है का नाम नैमिष वर्मा से बदल कर विवान वर्मा करने की घोषणा करता हूँ। भविष्य में इनके सभी स्कूल और सरकारी दस्तावेजों में इनका नाम नैमिष वर्मा से बदलकर विवान वर्मा रहेगा।

**सूचना**

सूचित हो कि मेरे दादा (पिता के भाई) रामलौट सुत महाबीर की मृत्यु दिनांक 29.01.2013 को घर पर ही ग्राम रवनिया पूरब (पूरे गजाधर), पोस्ट अलीगंज बाजार, वि0ख0 कुडवार, तहसील सदर जिला सुलतानपुर में हुई थी, जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र अभी तक नहीं बनवाया गया है। मुझे अपने उपरोक्त दादा के मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। अतः मुझे मेरे दादा जी का मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदान किया जाये। **प्रदीप कुमार पुत्र राम अवध ग्राम रवनिया पूरब (पूरे गजाधर) पोस्ट अलीगंज बाजार, वि0ख0 कुडवार, तहसील सदर, जिला सुलतानपुर।**

**सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र सूरज का व्यवहार, घरेलू एवं सामाजिक व पारिवारिक प्रतिष्ठा के विपरीत है। वह न तो कहना मानता है और न ही मेरी देखभाल में सहयोग करता है। हमेशा घर से बाहर जाना, और अपने अन्य आवारा किस्म के लोगो के साथ उठना-बैठना है वह शारीरिक मानसिक व आर्थिक रूप से भी प्रताड़ित करता है जिससे तंग आकर मैने अपने पुत्र सूरज को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा अपने समस्त सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है, अब उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य से मेरा व परिवार वालों से कोई वास्ता व सरोकार नहीं है, उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। **राम आधार पुत्र पललू निवासी- मानपुर लाला, जगदीशपुर, जनपद- लखनऊ उ0प्र0- 227202**

**सूचना**

मैंने अपना नाम RAMIZ से बदल कर MOHAMMAD RAMIZ रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: AATIF IQBAL R/O: 656/24, SUSHMA NAGAR UNITY CITY BHADURPUR KURSI ROAD VIKAS NAGAR LUCKNOW UTTAR PRADESH 226022

**सूचना**

मैं **रीद्धि बरेजा पत्नी श्री ब्रजेश बरेजा निवासिनी- 561/15, सिंधु नगर, कृष्णा नगर, बिहाईड लखनऊ हॉस्पिटल, मानस नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226023**, विवाह से पूर्व मेरा नाम जिम्मी सहगल पुत्री श्री सतीश सहगल था। विवाह पश्चात मेरा नाम रीद्धि बरेजा पत्नी श्री ब्रजेश बरेजा हो गया है। उक्त दोनो नाम जिम्मी सहगल व रीद्धि बरेजा मेरे ही है, जिसे रीद्धि बरेजा के नाम से ही जाना जाये और माना जाये, जो कि सत्य व सही है।

**सूचना**

मैं **राम सांवरे पुत्र बुद्धू, निवासी-ग्राम विशुनपुर खुर्द पो0 बकसैला तह0 कर्नलगंज थाना उमरीबेगमगंज जिला गोण्डा,** मेरे आधार कार्ड व पहचान पत्र में राम संवारे है तथा पुत्र के पासपोर्ट में राम संवारी यादव अंकित हो गया है।, यहकि राम संवारे तथा राम संवारी यादव दोनो नाम मेरे ही है इस नाम का और कोई व्यक्ति पूरे ग्राम सभा में नहीं है। अतः मेरे पुत्र के पासपोर्ट में राम संवारी यादव के स्थान पर राम सांवरे अंकित किया जाय।

**सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र मिथुन व पुत्रवधू माया व उनकी पुत्रिया का व्यवहार, घरेलू एवं सामाजिक व पारिवारिक प्रतिष्ठा के विपरीत है। पुत्र व पुत्रवधू न तो मेरा कहना मानते है और न ही मेरी देखभाल में सहयोग करते है तथा मेरा व परिवार वालों के प्रति अत्यधिक क्रूरतापूर्वक, असामाजिक तरीके से पेश आते है शारीरिक मानसिक व आर्थिक रूप से भी प्रताड़ित कर रहे है जिससे तंग आकर मैने अपने पुत्र मिथुन व पुत्रवधू माया व उनकी तीनो पुत्रियों को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और मैने अपने समस्त सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है, अब उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य से मेरा व परिवार वालों से कोई वास्ता व सरोकार नहीं है, उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। **राम आधार पुत्र पललू निवासी- मानपुर लाला, जगदीशपुर, जनपद- लखनऊ उ0प्र0- 227202**



## कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, सुलतानपुर

पत्रांकः- /2ए/2025-26 दिनांकः- .03.2026

**अतिअल्पकालिक ई-निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)**

राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में मार्ग कार्य हेतु रजिस्टर्ड श्रेणी ए, बी, सी एवं डी के अर्ह एवं अनुमोदित ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि यह न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में निविदादाता निर्देश पुस्तिका में वर्णित ठेका प्राप्त करने के नियमों से अवगत हो लें।

| क्र0 सं0 | कार्य का नाम | आंकलित धनराशि (रु0 लाख में) | धरोहर धनराशि (रु0 लाख में) | निविदा शुल्क | कार्य पूर्ण कराने की अवधि | अधिशासी अभियन्ता का पता | अधीक्षण अभियन्ता का पता | मुख्य अभियन्ता का पता |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| | (नवीनीकरण का कार्य) | | | | | | | |
| 1. | पीढी जयसिंहपुर दियरा बाजार मार्ग | 12.53 | 1.25 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 2. | ढेमा श्रीरामपुर लमौली मैनेपारा पाण्डेय बाबा मार्ग | 21.11 | 2.11 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 3. | पडेला भदैंया सम्पर्क मार्ग | 18.33 | 1.83 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 4. | चन्दौली सम्पर्क मार्ग | 1.82 | 0.18 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 5. | नरहरपुरवा सम्पर्क मार्ग। | 3.30 | 0.33 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 6. | नेवरा सम्पर्क मार्ग। | 4.58 | 0.46 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 7. | मियामी पुरवा सम्पर्क मार्ग। | 2.77 | 0.28 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 8. | दलित बस्ती सम्पर्क मार्ग। | 2.46 | 0.25 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 9. | पूरे तिवारी (पसियान का पुरवा) सम्पर्क मार्ग | 1.38 | 0.14 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 10. | नरायनपुर मार्ग से श्री रामचंद्र दलित बस्ती तक सम्पर्क मार्ग | 2.77 | 0.28 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 11. | चन्दौली उसरा सम्पर्क मार्ग | 0.90 | 0.09 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 12. | गोसैसिंहपुर दोस्तपुर मार्ग से मुस्तफाबादकला सम्पर्क मार्ग। | 5.44 | 0.54 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 13. | ऊँचे का पुरवा (भरौटा तुलसीपट्टी) सम्पर्क मार्ग | 5.76 | 0.58 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 14. | चकरपुर मार्ग के कि.मी.-01 से झालापुर सम्पर्क मार्ग | 3.63 | 0.36 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 15. | नऊआं का टोला (नकरही) सम्पर्क मार्ग | 1.71 | 0.17 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 16. | बहेलिया का पुरवा (अमेठा) सम्पर्क मार्ग | 6.82 | 0.68 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 17. | भवानीपुर इब्राहिमपुर मार्ग कि0मी0-2 से रामचनपुर (बिजेथुआ राजापुर) सम्पर्क मार्ग | 4.05 | 0.41 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 18. | बक्सरा ठाकुर बस्ती सम्पर्क मार्ग | 1.83 | 0.18 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 19. | मरूई किशुनदासपुर सम्पर्क मार्ग | 3.94 | 0.39 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 20. | अहदा-कालीगंज- बिरसिंहपुर-हालापुर मार्ग के कि0मी0-2 से रामबरन डिग्री कालेज होते हुए अनुसूचित बस्ती विभारपुर तक सम्पर्क मार्ग। | 6.39 | 0.64 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 21. | एच0बी0 मार्ग कि0मी0-85 से ससना सम्पर्क मार्ग | 3.02 | 0.30 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 22. | रोहियावां जलालपुर पिच रोड के आगे 1.00 कि0मी0 सम्पर्क मार्ग। | 2.88 | 0.29 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 23. | रवनिया संपर्क मार्ग | 18.33 | 1.83 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 24. | ढकवा में पूरे राजकुमार सम्पर्क मार्ग | 5.12 | 0.51 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 25. | ढकवा में खेतहरा सम्पर्क मार्ग से तिवारी का पुरवा सम्पर्क मार्ग | 5.03 | 0.50 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 26. | अहिरौटी (भभोट) सम्पर्क मार्ग | 6.82 | 0.68 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 27. | नटौलिया सम्पर्क मार्ग | 1.83 | 0.18 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 28. | झलियहवा वर्मा बस्ती सम्पर्क मार्ग। | 3.20 | 0.32 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 29. | मसूदन सम्पर्क मार्ग | 2.25 | 0.23 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| 30. | सराय सुभागा सम्पर्क मार्ग | 10.13 | 1.01 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |
| | (प्रथम आमंत्रण) | | | | | | | |
| 31. | खालिसपुर गोपालपुर ताहिरपुर सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य। | 14.26 | 1.43 | 944.00 | 02 माह | प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर | सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर | अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या |

- विल आफ क्वान्टिटी में लगाई गयी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुए लगाई गयी है।

निविदा आनलाइन दिनाँक 28.03.2026 की पूर्वाहन 9:00 बजे से दिनाँक 02.04.2026 की अपराह्व 12.00 बजे तक डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 02.04.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनाँक 02.04.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी। शासनादेश संख्या 1/2018/3070/78-2-2018-42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रुप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरुप कार्यवाही की जायेगी।.

निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साप्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेंट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्तें https://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

**UP-248955 दिनांक 25.03.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।**

**(अरूण कुमार) अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर**

## न्यूज ब्रीफ

### एनएच पर ई-रिक्शा पलटा, युवक घायल

**शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** चिल्हियां थाना क्षेत्र में एनएच हाईवे पर एक ई-रिक्शा पलटने से ढेबरूवा निवासी 35 वर्षीय सलीम गम्भीर रूप से घायल हो गये। यह हादसा गुरुवार दोपहर बरगदवा गांव के पास हुआ। युवक सलीम ई-रिक्शा में दो बैटरी लेकर जा रहे थे। बरगदवा गांव के समीप अचानक ई-रिक्शा का शॉकर टूट गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। वहीं हादसा इतना भीषण था कि सलीम के सिर में गम्भीर चोट आयी और काफी खून बहने लगा। स्थानीय लोगों ने तुरन्त मदद की और घायल सलीम को निजी वाहन से नजदीकी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां उनकी हालत गम्भीर बनी हुई है।

### अंग्रेजी शराब बरामद, आरोपी फरार

**कुशीनगर, अमृत विचार :** थाना खड्डा पुलिस ने सालिकपुर बैरियर पुलिस चौकी पर चेकिंग के दौरान चण्डीगढ़ व हरियाणा निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने एक अदद बोलरो पिकअप वाहन भी बरामद किया है। हालाकि कि पुलिस को देखते ही वाहन में सवार अभियुक्त मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार वाहन नंबर के आधार पर अभियुक्तों की पहचान कर ली गई है तथा उनकी शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा रही है।

# अफवाहों व अनिश्चितता के बीच पेट्रोल पंपों पर लग रहीं लाइनें

## ओवर स्टॉकिंग से हो रही समस्या, पेट्रोल पंपों पर गहराया संकट

**जिला संवाददाता, संतकबीरनगर।**

**अमृत विचार।** मिडिल ईस्ट में बढ़ते युद्ध और वैश्विक तेल संकट का असर अब जिले में भी साफ दिखने लगा है। अफवाहों और अनिश्चितता के माहौल में लोगों के बीच पैनिक बाइंग (घबराहट में खरीदारी) और ओवर स्टॉकिंग तेजी से बढ़ी है, जिससे पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई है।

खलीलाबाद समेत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पेट्रोल पंपों पर अचानक भीड़ बढ़ने से ईंधन की खपत सामान्य दिनों की तुलना में दो से तीन गुना तक पहुंच गई है। हालात यह हैं कि कई पेट्रोल पंप पूरी तरह ड्राई हो चुके हैं, जबकि कुछ स्थानों पर सीमित मात्रा में ही पेट्रोल-डीजल दिए जा रहे हैं। इससे आम उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, सीएनजी आपूर्ति पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ा है। खलीलाबाद स्थित शेखर फिलिंग सेंटर के संचालक शेखर सिंह बताते हैं कि जनपद में हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड के 22 पेट्रोल पंप हैं, जहां सामान्य दिनों में उनके पेट्रोल पंप पर प्रतिदिन औसतन 2500 लीटर पेट्रोल और करीब 6000 लीटर डीजल की बिक्री होती थी। लेकिन, पिछले दो दिनों में यह बिक्री अचानक दो से तीन गुना हो गई है।

गौरतलब है कि जनपद में विभिन्न कंपनियों के कुल 72 पेट्रोल पंप संचालित हैं, जिनमें इंडियन ऑयल के 34, एचपीसीएल के 22, भारत पेट्रोलियम के 14 और अन्य कंपनियों के दो पेट्रोल पंप शामिल हैं। इन सभी पर मांग औसत से दो से तीन गुना तक बढ़ गई है।

खलीलाबाद के मेंहदावल बाईपास स्थित पेट्रोल पंप पर लाइन लगाकर पेट्रोल डलवाते ग्राहक।

### ऐसे बढ़ी बिक्री

आंकड़ों के अनुसार, जिले के एचपीसीएल के फीलिंग सेंटर्स पर 23 मार्च को पेट्रोल की बिक्री करीब 35 हजार लीटर और डीजल 54 हजार लीटर रही। वहीं, 24 मार्च को पेट्रोल 35 हजार लीटर और डीजल 51 हजार लीटर बिका, जबकि 25 मार्च को पेट्रोल की बिक्री बढ़कर 48 हजार लीटर और डीजल 95 हजार लीटर तक पहुंच गई।

"आवश्यकता से अधिक पेट्रोल और डीजल की खरीदारी से भीड़ की समस्या उत्पन्न हुई है। जबकि, पेट्रोल पंपों पर सप्लाई में कोई समस्या नहीं है। जिला प्रशासन स्तर से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और पुलिस को भी तैनात कर वितरण सुनिश्चित कराया जा रहा है। लोगों से अपील है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल जरूरत के अनुसार ही ईंधन खरीदें, ताकि आपूर्ति व्यवस्था सामान्य बनी रहे।"
**-आलोक कुमार,** डीएम, संतकबीर नगर।

"यह स्थिति आपूर्ति में कमी से नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं की जरूरत से ज्यादा खरीदारी और स्टॉक करने की प्रवृत्ति के कारण पैदा हुई है। सुबह से ही पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग रही हैं और कई जगहों पर उपभोक्ताओं के बीच नोंक-झोंक की भी स्थिति बन रही है। स्टॉक रखने वालों के खिलाफ नियम बनाकर जिला प्रशासन के स्तर से कार्रवाई भी करना आवश्यक है। जिसे जरूरतमंदों को ईंधन सुनिश्चित हो सके।"
**-राम कुमार सिंह,** अध्यक्ष, पेट्रोलियम एसोसिएशन संतकबीर नगर

## कुशीनगर में पेट्रोल पंपों पर दिनभर लगी रहीं लंबी कतारें

**कुशीनगर, अमृत विचार :** पेट्रोल व डीजल की कमी की अफवाहों के बाद बुधवार देर रात से जिले के अधिकतर पेट्रोल पंप पर भारी भीड़ उमड़ी। जहाँ एक तरफ लोग रामनवमी का त्यौहार धूमधाम से मना रहे है तो वही पेट्रोल पंपों पर लोग चार पहिया वाहन, दो पहिया वाहन के साथ-साथ गैलन व ड्रम में डीजल और पेट्रोल लेने के लिए पूरे दिन लंबी कतारे लगी रही। हाटा, कसया, पडरौना, रामकोला कप्तानगंज, खड्डा, तमकुही राज सहित जिले के सभी पेट्रोल पंप पर सैकड़ो की संख्या में वाहनों में लोग डीजल पेट्रोल भरवाते हुए देखे गए। इस भारी भीड़ को देखते हुए कुछ पेट्रोल पंप संचालकों ने कुछ समय के लिए पेट्रोल और डीजल न मिलने का बोर्ड भी लटका दिया है। लोगों में अफरातफरी और डीजल पेट्रोल संकट की बात भी सुनी जा रही है जबकि एक दिन पहले सरकार ने एक एडवाइजरी जारी करते हुए बताया था कि देश में डीजल पेट्रोल की कोई कमी नहीं है। फिर भी सुबह से पेट्रोल पंपों पर लोगों की भीड़ देखी जा रही है। वाहन स्वामी अपनी गाड़ियां, गैलन और बाइकों में तेल भरवाने के लिए पेट्रोल पंप पर घंटो इंतजार करते रहे। वहीं कुछ पेट्रोल पंपों भारी भीड को देख पुलिस की मौजूदगी में पेट्रोल पंप संचालित होते दिखे। वही गैस की समस्या को लेकर कसया नहर बाईपास पर गैस नहीं मिलने के कारण बीच सड़क पर लेटकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

कुशीनगर में पेट्रोल पंप पर उमड़ी डीजल और पेट्रोल लेने के लिए भीड़। अमृत विचार

### अफवाहों पर ध्यान न दें लोग, पर्याप्त स्टॉक : डीएम

**कुशीनगर, अमृत विचार :** जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने गुरुवार को जिले में पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भीड़ और तेल समाप्त होने की अफवाहो के बाद पडरौना में रिलायंस जियो और इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर पहुंच निरीक्षण किया और जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि जिले में 173 पेट्रोल पंप है यहां सभी पेट्रोल पंप पर पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है। जहां पेट्रोल व डीजल समाप्त हुआ है वहां देर शाम तक पहुंच जाएगा। कहा कि जरूरत के हिसाब से पेट्रोल डीजल खरीदें इसका भंडारण न करे अफवाहों पर ध्यान न दें।

### वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन को निर्देश जारी

**कुशीनगर, अमृत विचार :** जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के निर्देशानुसार जनपद के समस्त विक्रय अधिकारी (एलपीजी) को वाणिज्यिक एलपीजी के आवंटन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों के अनुसार अतिरिक्त आवंटन प्राथमिकता के आधार पर रेस्टोरेंट, ढाबा, होटल, औद्योगिक कैंटीन, खाद्य प्रसंस्करण एवं डेयरी इकाइयों, राज्य सरकार अथवा स्थानीय निकायों द्वारा संचालित रियायती कैंटीन/आउटलेट, सामुदायिक रसोई तथा प्रवासी श्रमिकों हेतु 5 किलोग्राम एफटीएल श्रेणी को प्रदान किया जाएगा। सभी वाणिज्यिक एवं औद्योगिक एलपीजी उपभोक्ताओं को वाणिज्यिक एलपीजी प्राप्त करने से पूर्व संबंधित ऑयल मार्केटिंग कंपनी (ओएमसी) के साथ पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

# नाबालिग से दो किशोरों ने किया कुकर्म

**संवाददाता, संतकबीरनगर।**

- परिजन ने आरोपियों पर पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कराया
- दोनों आरोपी किशोरों को बाल सुधार गृह बस्ती भेजा गया

**अमृत विचार।** दुधारा क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ दो किशोर ने सामूहिक कुकर्म किया। बुधवार की देर शाम मामला थाने पहुंचा तो पुलिस ने आरोपी दोनों किशोर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। गुरुवार को पुलिस ने दोनों आरोपी किशोर को अभिरक्षा में लेकर कोर्ट में पेश किया,जहां से बाल सुधार गृह बस्ती भेज दिया।

आरोप है कि दुधारा क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले 09 वर्षीय बालक को 25 मार्च को उसी गांव के दो किशोर पकड़कर एकांत जगह ले गए और उसके साथ गलत काम किए। बालक घर पहुंच कर अपने परिजनों को मामले की जानकारी दी। पीड़ित दादी जब आरोपी किशोर के घर जब उलाहना देने गई तो लोग अनसुनी कर दिए और कहे कि जो करना है कर लो। यह लोग काफी मनबढ़ प्रवृत्ति के लोग है। पीड़ित पोते को लेकर दादी देर शाम दुधारा थाने पर पहुंची और तहरीर देककर कार्रवाई की मांग की। एसओ अरविंद शर्मा ने बताया कि आरोपी किशोर के खिलाफ पॉक्सों एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। गुरुवार को सूचना मिली कि दोनों आरोपी किशोर गांव के बाहर कब्रिस्तान के पास सड़क पर आपस में बातचीत क रहे है। उसी के आधार पर तत्परता के साथ बाघनगर चौकी इंचार्ज सचिन्द्रनाथ राय,हेड कांस्टेबल दुर्गेश कुमार,हेड कांस्टेबल अरुण प्रजापति ने दोनों आरोपी किशोर को अभिरक्षा में लिया। दोनों आरोपी किशोर के परिजनों को सूचना दी गई। इसके बाद दोनों आरोपी किशोर को किशोर न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उन्हें बाल सुधार गृह बस्ती भेज दिया गया।

## आज निकलेगी श्री साईं नाथ पालकी

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** बांसी क्षेत्र के सियरापार स्थित साईं नाथ मंदिर से प्रत्येक वर्ष चैत्र राम नवमी को निकलने वाली पालकी यात्रा की तैयारियां पूर्ण हो गई हैं। उल्लेखनीय है कि लगातार 16वें वर्ष में निकलने वाली पालकी यात्रा सियरापार साईं नाथ मंदिर से निकलकर पंच शिखा मंदिर होते हुए कोतवाली मोड़, बस स्टेशन से पेट्रोल पंप तिराहा होते हुए वापस सियरा पार मंदिर पर आकर पूर्ण हो जाएगा। इसके पश्चात प्रसाद वितरण का कार्य किया जाएगा। इस विषय में मंदिर के संचालक व महंत संजय तिवारी ने कहा कि साईं नाथ की कृपा से मंदिर की व्यवस्था सुचारू रूप से चल रहा है।

# डीएम ने कन्याओं का पूजन कर दिए उपहार

**संवाददाता, सिद्धार्थनगर**

**अमृत विचार।** जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने नवरात्र अवसर पर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के अंतर्गत विकास खंड नौगढ़ के आंगनबाड़ी केंद्र, साड़ी प्रथम में कन्या पूजन किया। जिलाधिकारी ने पारंपरिक विधि-विधान से बालिकाओं का पूजन कर उनके प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त किया। उन्होंने कन्याओं के चरण धोकर, तिलक लगाकर तथा पुष्प अर्पित कर उन्हें प्रसाद वितरित किया। साथ ही, सभी बालिकाओं को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कन्या पूजन कर भोजन कराते डीएम शिवशरणप्पा जीएन। अमृत विचार

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नवरात्रि का पर्व नारी शक्ति के सम्मान और उनकी महत्ता को दर्शाने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान का उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना तथा उनके शिक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित करना है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को शिक्षा के अवसर प्रदान करें और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्र की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों को दी जा रही पोषण सेवाओं, शिक्षण सामग्री एवं साफ-सफाई की स्थिति की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के समग्र विकास का आधार हैं, इसलिए यहां की व्यवस्थाएं सुदृढ़ और प्रभावी होनी चाहिए।

# विशिष्ट मामलों में डीएनए परीक्षण के बिना अंतिम निर्णय संभव नहीं

**विधि संवाददाता,प्रयागराज**

- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, पितृत्व विवाद से जुड़े मामलों में जैविक सत्य का निर्धारण आवश्यक

**अमृत विचार।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की को सीआरपीसी की धारा 125 के तहत भरण-पोषण देने संबंधी परिवार न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पितृत्व विवाद से जुड़े मामलों में जैविक सत्य का निर्धारण आवश्यक है और पिता तथा पुत्री दोनों को सत्य जानने का अधिकार है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकलपीठ ने सोनभद्र के परिवार न्यायालय द्वारा मार्च, 2025 में पारित निर्णय के विरुद्ध दाखिल आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया।

मालूम हो कि निचली अदालत ने नाबालिग लड़की की अर्जी स्वीकार करते हुए याची/पिता को आवेदन की तिथि से तीन हजार रुपये तथा आदेश की तिथि से उसकी शादी तक छह हजार रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण देने का निर्देश दिया था और डीएनए परीक्षण की मांग खारिज कर दी थी। याची ने हाईकोर्ट के समक्ष तर्क दिया कि उसका विवाह वर्ष 1994 में हुआ था, लेकिन उसकी पत्नी फरवरी 2000 में घर छोड़कर चली गई और बाद में किसी अन्य व्यक्ति के साथ रहने लगी, जिससे वर्ष 2011 में एक बच्ची का जन्म हुआ। उसका कहना था कि वर्ष 2000 के बाद पत्नी के साथ कोई वैवाहिक संबंध नहीं रहा, इसलिए वह बच्ची का जैविक पिता नहीं हो सकता। इस आधार पर डीएनए परीक्षण आवश्यक बताया गया। मामले के तथ्यों को देखते हुए कोर्ट ने पाया कि भरण-पोषण आवेदन में किए गए दावों और चिकित्सा अभिलेखों में गंभीर विरोधाभास है। कोर्ट ने उल्लेख किया कि जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार 20 नवंबर 2009 को बच्चे का जन्म दर्शाया गया है, जबकि अन्य चिकित्सीय दस्तावेजों से यह भी स्पष्ट हुआ कि वर्ष 2017 में महिला ने दूसरे बच्चे को जन्म दिया, जिसमें कथित साथी को पिता के रूप में दर्ज किया गया था। सुनवाई के दौरान लड़की के अधिवक्ता ने भी स्वीकार किया कि महिला 2011 के बाद से अपने कथित साथी के साथ रह रही थी। इस पर कोर्ट ने कहा कि उपलब्ध अभिलेखों से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा कि वर्ष 2000 के बाद पत्नी कब और कितनी अवधि तक पति के साथ रही, गर्भधारण कब हुआ तथा वास्तविक जैविक पिता कौन है। ऐसे में बिना ठोस साक्ष्य के भरण-पोषण आदेश पारित करना उचित नहीं था। कोर्ट ने टिप्पणी की कि यदि जैविक पिता का निर्धारण नहीं होता, तो यह प्रश्न दोनों पक्षों को जीवन भर प्रभावित करेगा। कोर्ट ने एक मामले का हवाला देते हुए कहा कि विशिष्ट परिस्थितियों में पितृत्व विवाद का समाधान न्यायहित में आवश्यक है। अतः कोर्ट ने परिवार न्यायालय का आदेश निरस्त कर याची और नाबालिग लड़की का डीएनए परीक्षण कराने का निर्देश दिया।

## युवक की पिटाई मामले में दो सगे भाई समेत तीन गिरफ्तार

**संतकबीरनगर, अमृत विचार।** कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के पड़ोखर गांव में एक युवक को पेड़ से बांधकर पिटाई करने के दो दिन पूर्व वायरल हुए वीडियो के मामले में पुलिस ने गुरुवार को दो सगे भाई समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने तीनों आरोपियों से पूछताछ की और फिर शांतिभंग की आशंका में चालान कर दिया।

इंस्पेक्टर क्राइम राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पेड़ से बांधकर युवक की पिटाई मामले का वीडियो दो दिन पूर्व वायरल हुआ था। जिसमें कुछ लोगों की पहचान कराई गई। पहचान के आधार पर तीन आरोपियों को एसआई प्रमोद कुमार पाठक, कांस्टेबल प्रशांत विक्रम सिंह, कांस्टेबल भूपेन्द्र सिंह ने गुरुवार को पडोखर गांव के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों की पहचान बृजेश और सगे भाई विजय प्रकाश व ओंमकार निवासी पड़ोखर के रूप में हुई। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने बताया कि 19 मार्च को छेडछांड के संदेह में परदेशवा के रहने वाले युवक को पकड़ कर पिटाई की गई थी। पकड़े गए तीनों आरोपियों के खिलाफ शांति भंग की आशंका में कार्रवाई करते हुए एसडीएम कोर्ट रवाना किया गया,जहां से जमानत पर तीनो आरोपी छोड़े गए।

# श्रीराम का राजतिलक केवल सत्ता प्राप्ति का प्रतीक नहीं : गौरव कृष्ण शास्त्री

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** शहर के अवेद्यनाथ सभागार में आयोजित श्रीराम कथा महोत्सव के सातवें दिन का दृश्य अत्यंत भावपूर्ण और अलौकिक रहा। कथा के दौरान भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक का प्रसंग जैसे ही प्रस्तुत हुआ, पूरा सभागार जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति में सराबोर होकर इस दिव्य क्षण का आनंद लेते नजर आए और वातावरण पूरी तरह राममय हो गया।

अयोध्या धाम से आए अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक संत गौरव कृष्ण शास्त्री ने अपनी मधुर और प्रभावशाली वाणी में श्रीराम के राज्याभिषेक प्रसंग का सजीव चित्रण किया। उन्होंने बताया कि श्रीराम का राजतिलक केवल सत्ता प्राप्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि धर्म, सत्य और न्याय पर आधारित आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना का संदेश है। रामराज्य में सभी को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त था, जहां जनकल्याण सर्वोपरि था। उन्होंने आगे कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों को अपनाकर ही समाज में समरसता, शांति और विकास संभव है। कथा के दौरान उन्होंने श्रोताओं को मर्यादा, त्याग और कर्तव्य पालन के महत्व से भी अवगत कराया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन, तालियों और जयकारों से सभागार गूंजता रहा। श्रद्धालु भावविभोर होकर कथा का रसपान करते रहे, वहीं कई लोग भक्ति में लीन होकर झूमते भी नजर आए।

श्रीराम कथा महोत्सव का सातवां दिन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम बनकर सभी के मन में गहरी छाप छोड़ गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मनीष शुक्ला, महेश्वर अग्रहरी, संतोष श्रीवास्तव, शिवदत्त अग्रहरि, नीरज श्रीवास्तव, शुभम श्रीवास्तव, संदीप जायसवाल, राघवेंद्र यादव, रमेश गुप्त, रजनीश उपाध्याय, सुनील त्रिपाठी, राकेश त्रिपाठी, अनिल वर्मा, सुनील श्रीवास्तव, श्रीश श्रीवास्तव, पंकज पासवान, देव अग्रहरि आदि की भूमिका रही। बताते चले कि कथावाचक का संगत देने वालों में वतन उपाध्याय आरंगन बादक, आदित्य गोस्वामी तबला वादक व रवि उपाध्याय पैड बादक के साथ पूजन कराने में शेखर दास, अंब्रीश नारायण पांडेय, रामायणी, अगस्त मिश्र आदि की भूमिका अहम रही।

अवेद्यनाथ सभागार में आयोजित श्रीराम कथा महोत्सव में यज्ञ हवन करते श्रद्धालु।

### यजमान ने किया हवन पूजन

श्रीराम कथा महोत्सव के सातवें दिन हवन पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें मुख्य यजमान महेश्वर अग्रहरी समेत मिट्ठू कसौंधन, सुनील त्रिपाठी, राकेश त्रिपाठी, विनोद कसौंधन, विजय त्रिपाठी, कुसुम कसौंधन, रमेश गुप्ता, अनिल वर्मा आदि रहे।

# विशेष गाड़ियों के संचलन अवधि में विस्तार का लिया गया निर्णय

**गोरखपुर, अमृत विचार।** रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्व से चलाई जा रही विशेष गाड़ियों के संचलन अवधि का विस्तार करने का निर्णय लिया है। ये सभी विशेष गाड़ियां पूर्ववत निर्धारित ठहराव, समय एवं मार्ग पर चलाई जायेंगी। 09111 वडोदरा-गोरखपुर साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 30 मार्च से 27 जुलाई, 2026 तक किया गया है। 09112 गोरखपुर-वडोदरा साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 01 अप्रैल से 29 जुलाई, 2026 तक किया गया है। 09195 वडोदरा-मऊ साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 04 अप्रैल से 25 जुलाई, 2026 तक किया गया है। 09196 मऊ-वडोदरा साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 05 अप्रैल से 26 जुलाई, 2026 तक किया गया है।

### संचलन बहाल

**गोरखपुर, अमृत विचार।** रेलवे प्रशासन द्वारा गोरखपुर यार्ड में इंजीनियरिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में पूर्व में निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित गाड़ियों के संचलन को बहाल कर दिया गया है। ये गाड़ियां पूर्ववत चलाई जायेंगी। ये सभी विशेष गाड़ियां पूर्ववत निर्धारित ठहराव, समय एवं मार्ग पर चलाई जायेंगी। 3 अप्रैल से 05053 गोरखपुर-बान्द्रा टर्मिनस विशेष गाड़ी का संचलन बहाल कर दिया गया है। 4 अप्रैल से 05054 बान्द्रा टर्मिनस-गोरखपुर विशेष गाड़ी, 2 अप्रैल से 05057 गोरखपुर-दिल्ली विशेष गाड़ी और 3 अप्रैल से 05058 दिल्ली-गोरखपुर विशेष गाड़ी का संचलन बहाल कर दिया गया है।

**मांग** ककरहवा कस्बे के लिए रोडवेज बस सेवा पिछले एक वर्ष से लगभग ठप

# बस सेवा शुरू हो तो यात्रियों को मिले राहत

**ककरहवा, सिद्धार्थनगर**

**अमृत विचार।** भारत-नेपाल सीमा से सटे ककरहवा कस्बे के लिए रोडवेज बस सेवा पिछले एक वर्ष से लगभग ठप पड़ी है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में बस सेवा केवल कभी-कभार नौगढ़ से ककरहवा तक सीमित रूप से संचालित होती है, जिससे यात्रियों को आगे का सफर निजी वाहनों के सहारे तय करना पड़ता है। बस सेवा बंद होने का सीधा असर यात्रियों की जेब पर पड़ रहा है। जहां पहले रोडवेज बस से ककरहवा से नौगढ़ तक महज 20-25 रुपये में सफर पूरा हो जाता था, वहीं अब प्राइवेट वाहनों से यात्रा करने पर 40 से 50 रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। इसके अलावा सफर भी असुविधाजनक और जोखिम भरा हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ककरहवा, जो नेपाल सीमा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण व्यापारिक और आवागमन का केंद्र है, वहां रोजाना हजारों लोगों की आवाजाही होती है। इसके बावजूद नियमित बस सेवा का न होना लापरवाही को दर्शाता है।

फाइल फोटो।

गौरतलब है कि पहले ककरहवा से सिद्धार्थनगर मुख्यालय तक रोडवेज बसें नियमित चलती थीं, लेकिन अब यह सेवा पूरी तरह बंद हो चुकी है। वहीं ककरहवा-गोरखपुर आदि रूट की बस सेवा भी कई वर्षों से ठप पड़ी है, जिससे क्षेत्र के लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। हालांकि शासन स्तर पर "मुख्यमंत्री जन सेवा बस योजना" के तहत बसें संचालित करने की बात कही जा रही है, लेकिन सीमा क्षेत्र के इस महत्वपूर्ण रूट पर अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। इससे स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों में निराशा व्याप्त है। क्षेत्र के ककरहवा व्यापार मंडल अध्यक्ष अमन जायसवाल, प्रधान प्रतिनिधि दिलीप पांडेय, हजरत अली,फखरूल इस्लाम, और नागरिकों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि ककरहवा बॉर्डर रूट को प्राथमिकता में रखते हुए जल्द से जल्द नियमित बस सेवा शुरू की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

# सुविधाजनक पुलियाएं बनाकर दुर्घटनाओं को अब मिशन मोड में रोकेगा भारतीय रेलवे

**नई दिल्ली, अमृत विचार।** रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं को अब रेलवे मिशन मोड में रोकेगा। सुविधाजनक पुलियाएं बनाकर इसे सुनिश्चित किया जाएगा। इसकी व्यापक तैयारियों के रूप में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली में संबंधित अधिकारियों की एक व्हाट्सएप की। जहां रेल पटरी के एक तरफ बस्ती है और दूसरी तरफ़ खेत, विद्यालय, श्मशान या अन्य उपयोगी एवं महत्वपूर्ण स्थान, ऐसे स्थानों पर ये रेल पुलियाएँ बनाई जायेंगी। रेल मंत्री ने देशभर में ऐसी रेल पुलियाओं को बनाने का निर्देश दिया, जहाँ अपने रोजमर्रा के जीवन में बड़ी संख्या में लोग पटरियों को पार करते हैं। रेल मंत्री ने अधिकारियों को एक ऐसी सुविधाजनक रेल पुलिया बनाने को कहा जो पटरी पार करने वाले लोगों के लिए एक जीवनदायिनी विकल्प के रूप में उभरे।

### समय से पूर्व हासिल किया लक्ष्य

**गोरखपुर, अमृत विचार।** पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन स्क्रैप निस्तारण के क्षेत्र में निरन्तर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है। स्क्रैप निस्तारण से रेल राजस्व की प्राप्ति के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को गति मिली है। स्क्रैप निस्तारण के परिणामस्वरूप रेल परिसर एवं रेल लाइनों के किनारे पड़ी निराकृत सामग्रियों के निस्तारण से, ये स्थल स्वच्छ एवं साफ-सुथरे हो रहे हैं। पूर्वोत्तर रेलवे ने वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 के अन्तिम तिमाही में माह मार्च, 2026 में अभी तक 'मिशन ज़ीरो स्क्रैप' के तहत स्क्रैप निस्तारण के निर्धारित लक्ष्य को पूरा करते हुये रू. 215 करोड़ से अधिक की आय की है तथा माह मार्च, 2026 में अभी तक स्क्रैप निस्तारण से रू. 26 करोड़ से अधिक की आय हुई है।

## न्यूज ब्रीफ

### भारतीय कंपनियां गर्मियों में 10 प्रतिशत कम करेंगी उड़ानें

**नई दिल्ली/मुंबई।** भारतीय एयरलाइन कंपनियां 29 मार्च से शुरू होने वाले ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान प्रति सप्ताह 23,000 से कुछ अधिक घरेलू उड़ानें संचालित करेंगी। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 10 प्रतिशत कम है। विमानन नियामक डीजीसीए ने नौ एयरलाइन कंपनियों के लिए 29 मार्च से 24 अक्टूबर तक चलने वाला घरेलू उड़ानों का ग्रीष्मकालीन सत्र प्रकाशित किया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एयरलाइंस 2026 के ग्रीष्मकालीन सत्र में पिछले साल की अवधि की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत कम उड़ानें संचालित करेंगी।

### महाराष्ट्र: ट्रांसवुमन के साथ मंत्री झिरवाल का वीडियो हुआ वायरल

**मुंबई।** महाराष्ट्र के मंत्री नरहरी झिरवाल ट्रांसवुमन के साथ उनके एक वीडियो के सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद विवादों में घिर गए हैं और विपक्षी दल कांग्रेस ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता को उनके अश्लील एवं अनैतिक आचरण के कारण मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए जाने की मांग की है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मंत्री ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि यह एक छेड़छाड़ किया हुआ वीडियो था और कोई उन्हें ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रहा था।

# एआई से काल्पनिक फैसले बनाकर अदालतों की परीक्षा ले रहे पक्षकार

## सुप्रीम कोर्ट ने जताई गहरी चिंता, कहा- दुनिया भर में बढ़ रही है यह प्रवृत्ति

**नई दिल्ली, एजेंसी**

सुप्रीम कोर्ट ने वादियों और वकीलों के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा तैयार ऐसे फैसलों का हवाला देने की बढ़ती समस्या पर चिंता जताई, जो कभी दिए ही नहीं गए। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा कि यह प्रवृत्ति भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर की अदालतों में तेजी से बढ़ रही है।

यह टिप्पणी शीर्ष अदालत ने एक कंपनी के निदेशक की ओर से दायर याचिका पर बंबई हाईकोर्ट की टिप्पणी को हटाते हुए की। पीठ ने कहा, रियायत के तौर पर हम उक्त पैराग्राफ में की गई टिप्पणियों को हटाते हैं। हालांकि, सच्चाई यह है कि यह समस्या अब सभी अदालतों में व्यापक हो चुकी है सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में। इस पर सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। दरअसल, यह मामला पहले से ही न्यायिक स्तर पर इस अदालत के विचाराधीन है।

उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि अपीलकर्ता की दलीलें चैटजीपीटी की मदद से तैयार की गई, जिनमें एक ऐसा निर्णय भी शामिल था जिसका वास्तविक दुनिया में कोई अस्तित्व नहीं है। उच्च न्यायालय ने कहा था, प्रतिवादी ने फरवरी 2025 और अप्रैल 2025 में लिखित दलीलें दाखिल कीं। इन दलीलों के समग्र स्वर और कुछ स्पष्ट संकेत जैसे हरे रंग के टिक मार्क, बुलेट प्वॉइंट्स और बार-बार दोहराई गई बातों से यह प्रतीत होता है कि इन्हें चैटजीपीटी जैसे एआई टूल से तैयार किया गया है। उसने कहा, एक बड़ा संकेत 'ज्योति पत्नी दिनेश तुलसियानी बनाम एलीगेंट एसोसिएट्स' नामक कथित मामले का हवाला है। न तो उसका कोई संदर्भ दिया गया और न ही फैसले की प्रति प्रस्तुत की गई। अदालत और उसके विधि सहायक इस मामले को खोजने में परेशान रहे, लेकिन यह कहीं नहीं मिला। इससे अदालत का कीमती समय बर्बाद हुआ। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा था कि शोध कार्य में एआई टूल का उपयोग किया जा सकता है, लेकिन पक्षकारों की यह बड़ी जिम्मेदारी है कि वे उससे प्राप्त सामग्री और संदर्भों का सही तरीके से सत्यापन करें।

### उप्र गैंगस्टर कानून के विरुद्ध याचिकाओं को संलग्न किया, तीन जजों की पीठ को भेजा

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली सभी लंबित याचिकाओं को सुनवाई के लिए तीन न्यायाधीशों की एक पीठ को भेजने का आदेश दिया है। उत्तर प्रदेश में संगठित अपराध, डकैती और लोक व्यवस्था एवं सुरक्षा को खतरे में डालने वाली असामाजिक गतिविधियों से निपटने के लिए यह कानून बनाया गया था। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने सभी संबंधित मामलों को संलग्न करने का आदेश दिया और केंद्र को भी कार्यवाही में पक्षकार बनाया। कार्यवाही के दौरान, याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील शोएब आलम ने विभिन्न पीठों में मामलों के दोहराव को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ भारतीय न्याय संहिता की धारा 111 की जांच कर रही है, जो संगठित अपराध से संबंधित है, वहीं दूसरी ओर इस याचिका में उत्तर प्रदेश गिरोहबंद (गैंगस्टर) अधिनियम के प्रावधानों को चुनौती दी गई है। सीजेआई ने कहा कि उत्तर प्रदेश का यह कानून देश भर में संगठित आपराधिक नेटवर्क से निपटने के उद्देश्य से अपनाई जा रही व्यापक विधायी प्रवृत्ति का हिस्सा है। संगठित अपराध से निपटने के लिए महाराष्ट्र (मकोका), गुजरात (गुजरात आतंकवाद और संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम) और दिल्ली जैसे राज्यों में समान कानून हैं। इनका उद्देश्य विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वित सहायता के जरिए प्रवर्तन मजबूत करना है।

### चीनी सीमा पर 29 नई आईटीबीपी चौकियां

**नई दिल्ली।** भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने वर्ष 2020 से 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 29 नई सीमा चौकियां स्थापित करके अपनी उपस्थिति मजबूत की है।

गृह मंत्रालय की बुधवार को जारी 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, लद्दाख के काराकोरम दर्रे से लेकर अरुणाचल प्रदेश के जाचेप ला तक नियंत्रण रेखा पर ये नई सीमा चौकियां (बीओपी) हिमालय के पश्चिमी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में 9,000 फुट से 18,750 फुट तक की ऊंचाई पर हैं। आईटीबीपी कुल 209 ऐसी चौकियों का प्रबंधन करती है। मंत्रालय की 2020-21 की पिछली रिपोर्ट के अनुसार, आईटीबीपी पहले 180 चौकियों का प्रबंधन करती थी। गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच 2020 में हुई झड़प के बाद बीओपी की संख्या में वृद्धि हुई है।, जो दशकों में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था।

# जनगणना : आपत्तिजनक प्रश्न पूछे तो तीन साल कैद

**नई दिल्ली, एजेंसी**

- आयुक्त ने जनगणना अधिकारियों के लिए जारी किए निर्देश

जनगणना के दौरान जानबूझकर कोई भी आपत्तिजनक या अनुचित प्रश्न पूछने वाले अधिकारी को दोषी पाए जाने पर तीन साल तक की सजा हो सकती है। जनगणना आयुक्त की ओर से जारी नवीनतम परिपत्र में यह कहा गया है।

सभी राज्यों को भेजे गए एक पत्र में, जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 11 के तहत निर्धारित दंडों की सूची दी है, जिसमें दोषी पाए जाने पर 1,000 रुपये के जुर्माने से लेकर तीन साल तक का कारावास या दोनों हो सकता है। इस आदेश में कहा गया है कि यदि कोई जनगणना अधिकारी जानबूझकर कोई आपत्तिजनक या अनुचित प्रश्न पूछता है या जानबूझकर कोई गलत जानकारी देता है अथवा केंद्र सरकार या राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के बिना जनगणना के दौरान प्राप्त किसी भी जानकारी का खुलासा करता है, तो उसे दोषी पाए जाने पर तीन साल तक की सजा हो सकती है।

आदेश के मुताबिक, जनगणना के दौरान किसी भी कर्तव्य का पालन करते समय उचित सावधानी बरतने में लापरवाही करने वाला, किसी आदेश की अवहेलना करने वाला या किसी अन्य व्यक्ति को ऐसे किसी कर्तव्य का पालन करने में बाधा डालने वाला या अवरोध उत्पन्न करने वाला अधिकारी भी दोषी पाए जाने पर दंड का सामना करेगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत की जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है, जिसमें पहली बार जातिगत गणना भी शामिल होगी।

## मिलावटी दूध: 16 मौतों का एनएचआरसी ने लिया स्वतः संज्ञान

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध के सेवन से 16 लोगों की मौत के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है।

आयोग ने इस घटना को गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन बताते हुए राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी को नोटिस जारी पूरे मामले की दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट तलब की है। रिपोर्ट में मृतकों की स्वास्थ्य स्थिति, इलाज की जानकारी, जांच की प्रगति और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे का विवरण शामिल करने को कहा गया है। पूर्वी गोदावरी जिले के लालाचेरुवु, चौदेश्वरनगर और स्वरूपनगर इलाकों में फरवरी 2026 के मध्य से दूध पीने से लोगों की तबीयत बिगड़नी शुरू हुई। अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है, चार लोग अस्पताल में हैं। जांच में सामने आया है कि दूध में एथिलीन ग्लाइकॉल जैसा विषैला रसायन मिलाया गया था।

## खरात के पीड़ितों के वीडियो वायरल, दो गिरफ्तार

**मुंबई, एजेंसी**

- कई महिलाओं से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया था खरात

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में स्वयंभू बाबा अशोक खरात से जुड़े मामलों में महिला पीड़ितों के अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर फैलाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया और नासिक में छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। खरात को 18 मार्च को एक महिला से पिछले तीन वर्षों में बार-बार दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मामले की जांच में महिलाओं का शोषण करते हुए उसके कई वीडियो मिले हैं। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच कर रही एसआईटी को 'व्हाट्सएप ग्रुप' सहित सोशल मीडिया पर इनमें से कुछ वीडियो मिलने के बाद कार्रवाई की गई।

उन्होंने बताया कि अहिल्यानगर के कोपरगांव निवासी राहुल गंगाधर शिंदे ने 25 मार्च को एक पीड़ित का वीडियो व्हाट्सएप ग्रुप पर साझा किया था जिसे कोपरगांव के ही एक अन्य निवासी योगेश पंढरीनाथ आधव ने बीड के माजलगांव निवासी अपने मित्र संदीप गर्जे को भेज दिया था।

अधिकारी ने बताया कि कोपरगांव थाने में भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर शिंदे व आधव को गिरफ्तार कर लिया गया जबकि गर्जे की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

### संकट की आहट

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के दावों के बावजूद उसके कई पंप ड्राई हो गए हैं और लोगों को पेट्रोल और डीजल नहीं मिल पा रहा है। इसे लोग आने वाले संकट की आहट मान रहे हैं। बृहस्पतिवार को गुवाहाटी में बंद पड़ा एक पेट्रोल पंप।

# ऑटिज्म के इलाज को स्टेम सेल थेरेपी अवैध

**नई दिल्ली, एजेंसी**

- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दी चेतावनी

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर' के उपचार के लिए 'स्टेम सेल थेरेपी' को अवैध घोषित करते हुए एक परामर्श जारी किया है।

बताया जा रहा है कि इस कदम का उद्देश्य महानगरों और टियर-2 शहरों में स्थित उन निजी क्लीनिकों के अवैध तौर-तरीकों पर अंकुश लगाना है, जो 'स्टेम सेल थेरेपी' के माध्यम से 'ऑटिज्म' और 'सेरेब्रल पाल्सी' का इलाज करने का दावा करते हैं। 'स्टेम सेल थेरेपी' एक आधुनिक चिकित्सा तकनीक है, जिसमें शरीर की खास कोशिकाओं का उपयोग बीमार या क्षतिग्रस्त ऊतकों को ठीक करने या बदलने के लिए किया जाता है।

सभी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों और पंजीकृत चिकित्सकों को जारी परामर्श के अनुसार, 'स्टेम सेल थेरेपी' का उपयोग अब केवल 32 अनुमोदित रोगों के लिए किया जा सकता है, जिनमें एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया, मल्टीपल स्केलैरोसिस, थैलेसीमिया, ऑस्टियोपेट्रोसिस, मल्टीपल मायलोमा, एप्लास्टिक एनीमिया/पैरोक्सिस्मल हीमो ग्लोबिनुरिया, जर्म सेल ट्यूमर और मायलोफाइब्रोसिस शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी को 'स्टेम सेल थेरेपी' के संबंध में फैसला सुनाया था जिसके बाद आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने 10 मार्च को एनएमसी अध्यक्ष डॉ. अभिजात शेथ को पत्र लिखकर 32 बीमारियों की सूची साझा की थी।, जिनमें स्टेम सेल थेरेपी का उपयोग किया जा सकता है।

## रांची में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान का सक्रिय नहीं हुआ था ईएलटी

- एएआईबी की जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा, 7 की हुई थी मौत

**नई दिल्ली।** विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के अनुसार झारखंड में 23 फरवरी को 17 मिनट तक उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हुए रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड के लगभग 40 साल पुराने विमान का आपातकालीन लोकेशन ट्रांसमीटर (ईएलटी) सक्रिय नहीं हो पाया था।

इस हादसे में विमान में सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई थी, विमान पूरी तरह नष्ट हो गया था और उसका मलबा झारखंड के चतरा जिला में सिमरिया के पास जंगल क्षेत्र में बिखरा पाया गया था। रांची से दिल्ली जाने के लिए एयर एम्बुलेंस के तौर पर इस्तेमाल किए गए विमान में दो पायलट, दो चिकित्साकर्मी, एक मरीज और दो सहायक सवार थे। एएआईबी के अनुसार विमान ने 23 फरवरी को शाम 7:07 बजे रांची हवाई अड्डे से 830 लीटर ईंधन के साथ उड़ान भरी और 7:24 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एएआईबी ने बताया कि विमान का आपातकालीन लोकेशन ट्रांसमीटर सक्रिय नहीं हो पाया था।

## लश्कर-ए-तैयबा के अंतर्राष्ट्रीय भर्ती मॉड्यूल का भंडाफोड़

**श्रीनगर, एजेंसी**

- सीआके को कश्मीर के तीन जिलों में छापों के बाद मिली सफलता

जम्मू कश्मीर पुलिस की 'काउंटर इंटेलिजेंस विंग' ने गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामले में बृहस्पतिवार को घाटी के कई स्थानों पर छापेमारी कर प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी भर्ती मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया।

काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने तीन जिलों श्रीनगर, गंदेरबल और शोपियां में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया, जिसके तहत इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ। यह मॉड्यूल सीमा पार स्थित आतंकियों के आकाओं के साथ समन्वय और बांग्लादेश में स्थित नेटवर्क से साठगांठ के तहत काम कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि यूएपीए के तहत सीआईके थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 01/2026 के संबंध में श्रीनगर में एनआईए अधिनियम के तहत गठित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने तलाशी वारंट जारी किया था, जिसपर अमल करते हुए घाटी में 10 स्थान पर छापे मारे गए।

उन्होंने कहा कि जांच के दौरान पता चला कि यह मॉड्यूल लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी शब्बीर अहमद लोन संभाल रहा है, जो मूल रूप से मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले के कंगन क्षेत्र से है और विभिन्न उपनामों जैसे राजू और जफर सादिक का इस्तेमाल करता है। लोन 2000 के दशक में लश्कर में शामिल हुआ था। इसके बाद वह बांग्लादेश सीमा के रास्ते घुसपैठ करके भारत आया और बड़े हमलों की साजिश रचने समेत आतंकवाद संबंधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा।

### उच्चस्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त है सरगना शब्बीर

एक अधिकारी ने कहा, आतंकियों का आका शब्बीर अहमद लोन अत्यंत कट्टर और प्रशिक्षित है और इसने पीओके में हथियार चलाने का प्रशिक्षण दौरा-ए-आम और दौरा-ए-खास हासिल किया है। दौरा-ए-आम में, आतंकवादी संगठन के सदस्यों को 21 दिन तक छोटे हथियार और ग्रेनेड फेंकने का बुनियादी प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके बाद तीन महीने की विशेष प्रशिक्षण अवधि होती है, जिसे दौरा-ए-खास कहा जाता है, जिसमें उन्हें एके राइफल, हल्की मशीन गन, रॉकेट लॉन्चर चलाना और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

## छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में प्रोफेसर गिरफ्तार

**सीहोर।** मध्यप्रदेश के सीहोर जिला मुख्यालय स्थित शासकीय कन्या महाविद्यालय में पदस्थ एक प्रोफेसर को छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी प्रोफेसर राम विकास प्रजापति पर एक छात्रा ने 23 मार्च को छेड़छाड़ करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली थाने में आवेदन दिया था। घटना के विरोध में छात्रा ने आज आत्महत्या का प्रयास करते हुए अपने हाथ की नस काट ली, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

**पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम**

# पश्चिम बंगाल में चुनाव के बीच रामनवमी के बहाने तृणमूल और भाजपा का शक्ति प्रदर्शन

## कोलकाता समेत कई शहरों में सड़कों पर लहराए भगवा ध्वज, तृणमूल नेता भी जुलूसों में हुए शामिल

**कोलकाता, एजेंसी**

पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार को राम नवमी के अवसर पर एक ओर जहां भाजपा हिंदुत्व के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाती हुई दिखी, वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल (टीएमसी) कांग्रेस ने भी विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा को धार्मिक विमर्श पर एकाधिकार स्थापित करने से रोकने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी।

राज्य की राजधानी कोलकाता और कई जिलों में राम नवमी के अवसर पर भगवा ध्वज लहरा रहे थे, भीड़ भरी सड़कों पर 'जय श्री राम' के नारे गूंज रहे थे और सैकड़ों की संख्या में झांकियां निकाली गईं। कोलकाता शहर में 60 से अधिक छोटी-बड़ी रैलियां निकाली गईं, जबकि हावड़ा, हुगली, बीरभूम और उत्तर दिनाजपुर जैसे जिलों में भी इसी तरह की झांकी निकाली गईं। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भवानीपुर में राम नवमी के जुलूस में शामिल हुए, जहां वह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में कई तृणमूल नेताओं ने राम नवमी कार्यक्रमों में भाग लेना या स्वयं स्थानीय झांकी का आयोजन करना शुरू कर दिया है, जिसे राजनीतिक विश्लेषक भाजपा के हिंदुत्ववादी दृष्टिकोण का मुकाबला करने के लिए पार्टी (तृणमूल) के प्रयास के हिस्से के रूप में देखते हैं। तृणमूल के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष कई स्थानीय नेताओं के साथ उत्तरी कोलकाता में राम नवमी रैली में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल में कहा था, राम किसी राजनीतिक दल के नहीं हैं। वह सबके हैं। बनर्जी की इस टिप्पणी को हिंदू विमर्श पर भाजपा को एकाधिकार स्थापित करने से रोकने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है।

रामनवमी के एक जुलूस में शामिल भाजपा के भवानीपुर से प्रत्याशी शुभेंदु अधिकारी।

### दूसरी पूरक मतदाता सूची आज या कल

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में एसआईआर के तहत दूसरी पूरक सूची के 27-28 मार्च तक प्रकाशित होने की संभावना जताई गई है। सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि लंबित सूची से अब तक लगभग 36 लाख मतदाता प्रविष्टियों का निपटारा किया जा चुका है।

### भाजपा की मदद को तैनात किए दागी अधिकारी, एक आठ हजार के घोटाले का आरोपी: तृणमूल

**चुनाव आयोग पर आरोप**

**कोलकाता।** तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग ने विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में दागी अधिकारियों को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया है ताकि चुनाव में भाजपा को लाभ पहुंचाया जा सके।

तृणमूल कांग्रेस नेता एवं राज्य के मंत्री ब्रात्य बसु ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार देते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन जिन अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, उनका पिछला रिकॉर्ड संदिग्ध रहा है। बसु ने आरोप लगाया कि गाजोल विधानसभा क्षेत्र में नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक महाराष्ट्र में अपने कार्यकाल के दौरान 8000 करोड़ रुपये के एंबुलेंस घोटाले में आरोपी रह चुका है। उन्होंने कहा कि बोंगांव दक्षिण सीट के लिए नियुक्त अधिकारी सतना में कलेक्टर रहते हुए 40 एकड़ सरकारी जमीन के अवैध हस्तांतरण के मामले में आरोपी था। एक जांच समिति ने उसे दोषी पाया था। बालीगंज के पर्यवेक्षक पर दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज हो चुका है, जबकि मध्यग्राम सीट के पर्यवेक्षक अरिंदम डकुआ ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के निजी सचिव रह चुके हैं।

## अगर मतदाता सूची में 30 लाख नाम शामिल होते हैं तो इसका श्रेय तृणमूल कांग्रेस को मिलेगा : ममता बनर्जी

**दुबराजपुर में चुनावी रैली**

**दुबराजपुर।** तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि अगर विचाराधीन 60 लाख से अधिक लोगों के नामों में से लगभग 30 लाख नाम मतदाता सूची में शामिल हो जाते हैं तो यह उनकी उपलब्धि है और इसका श्रेय उनकी पार्टी को मिलेगा।

मुख्यमंत्री बनर्जी ने बीरभूम जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस उन सभी लोगों के लिए कानूनी उपाय सुनिश्चित करेगी जिनके नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा, हमारे अभियान और संघर्ष के कारण ही 29 से 30 लाख नाम सूची में आ पाए हैं, लेकिन मैं चाहती हूं कि सूची में 100 प्रतिशत नाम हों क्योंकि वे सभी वास्तविक मतदाता हैं। ममता ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के वकील उन लोगों की मदद करेंगे जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, ताकि वे इस उद्देश्य से गठित न्यायाधिकरणों के समक्ष अपना पक्ष रख सकें। उन्होंने भाजपा पर एसआईआर के जरिये लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया।

## केरल: 2.7 करोड़ वोटरों के जनादेश के लिए 890 उम्मीदवार मैदान में

**तिरुवनंतपुरम।** केरल में नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों के 890 उम्मीदवार राज्य के 2.7 करोड़ से अधिक मतदाताओं का जनादेश प्राप्त करने के लिए मैदान में उतरेंगे।

निर्वाचन आयोग ने बताया कि उसे 2,125 नामांकनों प्राप्त हुए जिनकी जांच और अन्य उम्मीदवारों द्वारा नामांकन वापस लेने के बाद बृहस्पतिवार को 890 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं। राज्य में 2021 के विधानसभा चुनाव में 957 उम्मीदवार थे। आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कोझिकोड जिले के कोडुवल्ली निर्वाचन क्षेत्र में सबसे अधिक 13 उम्मीदवार हैं। ईसीआई ने मतदाता आंकड़े भी जारी किए हैं, जिनके अनुसार राज्य में 2,71,42,952 मतदाता हैं, जिनमें विदेशों में रहने वाले मतदाता भी शामिल हैं। मतदाता केरल भर में 30,471 मतदान केंद्रों पर अपना वोट डालेंगे। आयोग के आंकड़ों के अनुसार मतदाताओं में 1,38,84,001 महिलाएं और 1,30,16,593 पुरुष हैं।

### विजयन ने किया आरएसएस के साथ समझौता : वेणुगोपाल

**कन्नूर।** कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर तीखा हमला करते हुए उन पर अपने खिलाफ मामलों को सुलझाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ समझौता करने का आरोप लगाया। वेणुगोपाल ने दावा किया कि मुख्यमंत्री और संघ परिवार के बीच गोपनीय संबंध हैं, जिससे माकपा के भीतर असंतोष बढ़ रहा है और कैडर पार्टी छोड़ रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की प्रतिक्रियाएं चुनावी हार के डर को दर्शाती हैं और वे यूडीएफ को निशाना बनाने के लिए असंतुलित बयानबाजी कर रहे हैं।

# अमृत विचार

शुक्रवार, 27 मार्च 2026

कलियुग में रहना है या सतयुग में, यह हमें खुद चुनना चाहिए, हमारा युग हमारे पास ही है।
-आचार्य विनोबा भावे, संत



## दूरगामी ऊर्जा रणनीति

देश के शहरी और कस्बाई घरों में स्वच्छ ईंधन की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से जारी 'पेट्रोलियम वितरण आदेश अधिसूचना 2026' के तहत पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी को लेकर सरकार का नया रुख तत्काल और दूरगामी दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण संकेत देता है। मौजूदा समय में एलपीजी सिलेंडरों की कीमत, आपूर्ति की अनिश्चितता तथा वैश्विक ऊर्जा संकट के दबाव के बीच यह कदम घरेलू ईंधन की समस्या पर आंशिक राहत दे सकता है। तात्कालिक प्रभाव के रूप में यह आदेश शहरों में पीएनजी कनेक्शन की प्रक्रिया को सरल, तेज और अपेक्षाकृत सस्ता बनाने की दिशा में मदद करेगा। इससे उन क्षेत्रों में, जहां पाइपलाइन नेटवर्क पहले से मौजूद है, एलपीजी पर निर्भरता कम करने का सहज विकल्प मिलेगा।

पीएनजी औसतन 25 से 30 प्रतिशत सस्ती और अधिक सुरक्षित मानी जाती है, इसलिए मध्यमवर्गीय परिवारों को इसका तुरंत लाभ मिल सकता है। अधिसूचना 2026 के तहत पाइपलाइन बिछाने, एलएनजी यानी लिक्विफाइड नेचुरल गैस को पीएनजी में परिवर्तित करने के संयंत्र, वितरण लाइसेंसिंग और निजी-सरकारी साझेदारी को अधिक सुव्यवस्थित किया गया है। एकल-विंडो क्लियरेंस, भूमि अधिग्रहण में सहूलियत और शहरी स्थानीय निकायों के साथ समन्वय जैसे प्रावधान इस क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित कर सकते हैं। यह घरेलू ईंधन में गैस की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत तक बढ़ाने की दिशा में एक ठोस कदम साबित होगा, हालांकि अवसंरचना के विस्तार में चुनौती रहेगी। देश के अधिकांश हिस्सों में पाइपलाइन नेटवर्क सीमित है। इसके पीछे भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं, पर्यावरणीय मंजूरियां, ऊंची लागत और राज्यों के बीच समन्वय की कमी प्रमुख कारण हैं। पाइपलाइन बिछाना केवल तकनीकी कार्य नहीं, बल्कि प्रशासनिक और सामाजिक सहमति का भी प्रश्न है। दिलचस्प यह है कि जहां पाइपलाइन उपलब्ध है, वहां भी प्रारंभिक कनेक्शन लागत, जागरूकता की कमी और एलपीजी की सरकारी सब्सिडी के चलते कई उपभोक्ता पीएनजी नहीं अपनाते। इसी कारण एक ओर सरकार पीएनजी को बढ़ावा देती है, दूसरी ओर उज्ज्वला योजना और मुफ्त सिलेंडरों की घोषणा करती है। यह ऊर्जा संक्रमण की एक 'हाइब्रिड रणनीति' है, जहां गरीब तबके के लिए एलपीजी सुरक्षा कवच है, जबकि शहरी क्षेत्रों में पीएनजी को प्रोत्साहन देना जरूरी। सरकार का लक्ष्य 2034 तक पीएनजी कनेक्शन को दो करोड़ से बढ़ाकर 13 करोड़ करना है, लेकिन मौजूदा अवसंरचना विस्तार की गति, गैस की उपलब्धता और निवेश के स्तर को देखते हुए यह लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है। भारत अपनी गैस आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में खपत बढ़ने का अर्थ आयात निर्भरता का और बढ़ना है। पश्चिम एशिया में अस्थिरता भारत की आपूर्ति श्रृंखला के लिए जोखिम पैदा करती है। ऐसे में अमेरिका, रूस और मोजाम्बिक जैसे वैकल्पिक स्रोतों से एलएनजी आयात बढ़ाना अनिवार्य होगा।

कुल मिलाकर यह प्रयास परिस्थितिजन्य प्रतिक्रिया नहीं, एक दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। नीतिगत निरंतरता, निवेश और क्रियान्वयन में गति बनी रही, तो पीएनजी भारत के ऊर्जा परिदृश्य में एक निर्णायक बदलाव ला सकती है।

### प्रसंगवश

## मर्यादा, करुणा और धर्म के दिव्य प्रतीक प्रभु श्रीराम

'पिता दीन्ह मोहि कानन राजू', ऐसा कहकर पिता का बचाव करने का साहस केवल राम जैसा पुत्र ही दिखा सकता है। पिता दशरथ की वचनबद्धता की विवशता को समझते हुए, जिस तरह से प्रभु राम ने माता कौशल्या के सामने उनका बचाव किया, वह किसकी आंखों में आंसू नहीं ला देगा? पिता दशरथ की बेचैनी और बेबसी को अपनी मुस्कुराहट से धूमिल करने का यत्न जो श्रीराम के जीवन दर्शन में देखने को मिला, उसने पुत्र धर्म की उत्कृष्टता की गाढ़ी लकीर ही खींच दी। धर्म और वात्सल्य के बीच फंसी कौशल्या को जिन-जिन तर्कों से प्रभु ने हल्का किया वह देखने योग्य है।

एक पुत्र का यही धर्म है कि वह अपने मां-बाप को असमंजस में न रहने दे। पुत्र रूप में प्रभु श्रीराम ने यह बखूबी करके दिखाया है। श्रीराम ने अपने जीवन में तमाम मुश्किलों का सामना किया, लेकिन अपने स्वाभाविक चरित्र में वे हमेशा अवस्थित रहे। मर्यादाओं की राह पर जीवन भर चलते रहकर मर्यादा पुरुषोत्तम हो गए। जीवन जीने की अद्भुत कला उनके जीवन प्रसंगों से सीखी जा सकती है। जिंदगी सुख और दुख दोनों अवसरों को दिखाती है। सुख पाकर मनुष्य अतिप्रसन्नता में और दुख पाकर विषाद में अपनी सहजता और निजता से कहीं दूर जाकर अपने सहज स्वभाव से विचलित हो जाता है।

रमा निवास तिवारी
लेखक

प्रभु श्रीराम के स्वभाव का यही वैशिष्ट्य है कि सुख और दुख में समता का पुट बना ही रहा। आज वे जगतपूज्य हैं, तो उसके पीछे यही कारण है कि लोग उनके स्वभाव और चरित्र के पुजारी हैं। माता, पिता, गुरु, शिष्य, भाई आदि तमाम संबंधों को मर्यादा के साथ उन्होंने जिया है। उनके जीवन की प्रत्येक घटना समाज के लिए प्रेरक हैं। वर्तमान में सामाजिक सौहार्द और पारिवारिक मधुरता का जो लोप दृष्टिगोचर होता दिख रहा है, उसकी पुनर्स्थापना केवल और केवल श्रीराम के चरित्रों को आत्मसात करके ही संभव दिखाई देता है।

भाई-भाई में झगड़े आज की कड़वी हकीकत है। अधिकतर विवाद संपत्ति के बंटवारे को लेकर ही चलते दिखाई देते हैं। थोड़ी-थोड़ी जमीन और संपत्ति की खातिर नौबत हिंसा और अदालतों तक जा पहुंचती है, लेकिन प्रभु श्रीराम ने तो भाई भरत को अयोध्या की गद्दी हंसते हंसते सौप दी थी। जिन राम को राजतिलक देने की तैयारी चल रही थी, उन्हें अगले ही दिन वनवासी होना पड़ा हो तो कितना कष्ट हुआ होगा, लेकिन बावजूद इसके उनके चेहरे पर खिन्नता की लेशमात्र भी उपस्थिति न दिखी।

गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्रीराम चरित मानस में यह वर्णन किया है कि जिनकी श्वास प्रति श्वास में वेद के मंत्रों उनकी ऋचाओं का स्पंदन सहज ही होता था, ऐसे अखिल कोटि ब्रह्माण्ड नायक प्रभु श्रीराम गुरु के आश्रम में विद्याध्ययन करने जाते हैं। ऐसा करके वह जगत के लोगों को मानो यह उपदेश देते हैं कि विद्या प्राप्त करने के लिए गुरु चरणों में निमग्न होने की आवश्यकता है। साथ ही शीलता और विनम्रता के गुणों को धारण करके अकिंचन सी स्थिति में जब व्यक्ति गुरुचरणों में बैठेगा, तो गुरु कृपा का वर्षण होने में देर नहीं होगी। जगतपति जब गुरु वशिष्ठ और विश्वामित्र के अंगुल्यानिर्देश पर चलता है, तो कदाचित हम संसारियों को यह शिक्षा देना चाहता होगा कि ज्ञान, विज्ञान से लबालब भरे होने के बावजूद भी गुरु के लखाए मार्ग का अनुसरण ही कल्याणकारी होता है। प्रभु श्री राम ने जिंदगी भर विपत्तियों का सामना किया, किंतु अंदर की प्रसन्नता हमेशा बनाए रखी, इसीलिए कष्ट के क्षणों में लोग हे राम या हाय राम कहकर प्रभु श्रीराम का स्मरण करते हैं, जिससे उन्हें संबल प्राप्त होता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

# मध्य-पूर्व संघर्ष के बीच भी भारत की ग्रोथ रेट बेहतर

विवेक सक्सेना
अयोध्या

एसएंडपी ग्लोबल की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की जीडीपी वृद्धि दर को वित्त वर्ष 2027 के लिए 7.1% तक रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछली रिपोर्टों से अधिक है। जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मजबूत निजी खपत, निजी निवेश में मध्यम सुधार और ठोस निर्यात इसके मुख्य चालक होंगे। यह साबित करता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों के बावजूद अपनी मजबूती बनाए हुए है। यह रिपोर्ट न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को रेखांकित करती है, बल्कि यह भी संकेत देती है कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के बीच कई देशों की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। ग्रोथ रेट धीमी हो गई है, लेकिन भारत रफ्तार के साथ भाग रहा है। अगले वित्त वर्ष भी यही रफ्तार जारी रहेगी। ऐसा वैश्विक रेटिंग एजेंसी (एसएंडपी ग्लोबल) की रिपोर्ट कह रही है। एसएंडपी ग्लोबल ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 40 बेसिस पॉइंट्स बढ़ाकर 7.1% कर दिया है। एजेंसी ने 2025-26 के वृद्धि अनुमान को 0.4 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत और 2026-27 के लिए 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। यह वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश की आर्थिक गति पर उसके भरोसे का संकेत है। ये अनुमान कहीं न कहीं भारत की ताकत को भी दर्शा रहे हैं।

रेटिंग एजेंसी के अनुसार प्राइवेट कंजंप्शन, निवेश एवं एक्सपोर्ट ग्रोथ के सबसे बड़े ट्रिगर रहेंगे। एशियाई सेक्टर पर हर तिमाही में जारी की जाने वाली इकोनॉमिक कमेंट्री में एसएंडपी ने कहा कि नए भू-राजनीतिक तनाव और लगातार बने व्यापार संबंधी अनिश्चितता के जोखिम से भारत पर वस्तु कीमतों, व्यापार मात्रा एवं कैपिटल फ्लो में उतार-चढ़ाव के चलते असर पड़ सकता है। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी युद्ध के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था की रफ्तार अब तक इससे ज्यादा बाधित नहीं हुई है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अपने अनुमानों को भी बेहतर किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से घरेलू मांग और सेवाओं पर आधारित है, जो इसे वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल से सुरक्षा प्रदान करती है, हालांकि रिपोर्ट में सकारात्मक बातें हैं, लेकिन यह तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक तनावों से जुड़े जोखिमों के प्रति आगाह भी करती है, हालांकॉ एसएंडपी ने ईंधन की बढ़ती कीमतों और कच्चे तेल के ऊंचे स्तरों से पैदा होने वाले उभरते जोखिमों की ओर इशारा किया है, जो महंगाई को और बढ़ा सकते हैं। अगर कच्चे तेल में तेजी जारी रही, तो इसका सीधा असर महंगाई पर पड़ेगा। उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 26 में 2.5% से बढ़कर वित्त वर्ष 27 में 4.3% तक पहुंचने का अनुमान है, जो इन दबावों को दर्शाता है। एजेंसी ने राजकोषीय सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया है, जिसका अर्थ है कि सरकार को अपने खर्चों और राजस्व के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत है।

एक तरफ जहां एसएंडपी ग्लोबल ने भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान बढ़ा दिया है, वहीं दूसरी ओर मूडीज एनालिटिक्स ने चेतावनी दी है कि अगर मध्य-पूर्व में चल रहा संघर्ष जारी रहता है, तो भारत को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे बड़े आर्थिक झटकों में से एक का सामना करना पड़ सकता है। इस संघर्ष भारत का उत्पादन अपने मूल अनुमानित स्तर से लगभग चार फीसदी तक गिर सकता है। मूडीज एनालिटिक्स की रिपोर्ट भारत को इस क्षेत्र की सबसे सबसे ज्यादा जोखिम वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक मानती है। इसमें दक्षिण कोरिया और चीन भी शामिल है। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच तनावों के कारण ऊर्जा की आपूर्ति बाधित होने और कमोडिटी की कीमतें बढ़ने का खतरा है।

एजेंसी का अनुमान है कि भारतीय रिजर्व बैंक फिलहाल नीतिगत दरों को स्थिर रखेगा और रुख 'न्यूट्रल' बनाए रखेगा। पश्चिम एशिया का संघर्ष एशिया-प्रशांत क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं पर असर डालेगा, क्योंकि इनमें से कई देश ऊर्जा के बड़े आयातक हैं और पश्चिम एशिया की आपूर्ति पर काफी हद तक निर्भर हैं। ऊंची ऊर्जा कीमतें खर्चे करने की शक्ति को कम करती हैं और घरेलू मांग को कमजोर करती हैं। भारत, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया और थाईलैंड जैसे देशों में ऊंची कीमतों के कारण सब्सिडी पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है, जिससे वित्तीय स्थिति पर दबाव बढ़ेगा।

रेटिंग एजेंसी का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था घरेलू मांग, सार्वजनिक बुनियादी ढांचा निवेश और निजी क्षेत्र के निवेश चक्र के विस्तार से समर्थित रहेगी, हालांकि भू-राजनीतिक संघर्ष, प्रौद्योगिकी-आधारित व्यवधान, सार्वजनिक ऋण स्तर और जलवायु जोखिमों पर करीबी नजर रखने की जरूरत होगी। भारत में ऊर्जा कीमतों से उत्पन्न होने वाली महंगाई के आकलन के बाद आरबीआई नीतिगत सख्ती कर सकता है। एसएंडपी के अनुसार, ऐसी स्थिति में वर्ष की दूसरी छमाही में ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जा सकती है।

सरकार की अवसंरचना, प्रौद्योगिकी अपनाने, कौशल विकास और बाजार पहुंच को बढ़ाने की रणनीति के कारण भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा भी बेहतर हो रही है। वित्त वर्ष 2031 तक निर्यात के लगभग 80 लाख करोड़ रुपये तक दोगुना होने की उम्मीद है। निर्यात को वैश्विक मांग, सेवाओं के मजबूत निर्यात और हाल ही में हुए व्यापार समझौतों से मिलने वाले अवसरों से समर्थन मिलेगा। औद्योगिक पूंजीगत खर्च में तेजी आने का अनुमान है। औद्योगिक जगत में तेजी आने की संभावना है, क्योंकि निवेश चक्र सार्वजनिक अवसंरचना से आगे बढ़कर विनिर्माण और नए क्षेत्रों तक फैल रहा है।

मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष के बीच कई देशों की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। ग्रोथ रेट धीमी हो गई है, लेकिन भारत की आर्थिक रफ्तार जारी है। एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है।

### आमने सामने

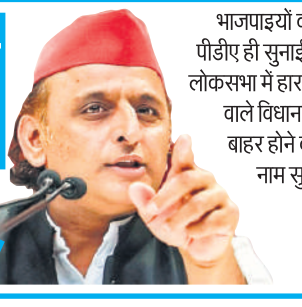

भाजपाइयों को सोते-जागते सिर्फ पीडीए ही सुनाई और दिखाई देता है। लोकसभा में हार की हताशा और आने वाले विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर होने के डर से ये पीडीए का नाम सुनते ही कांपने लगे हैं।

-अखिलेश यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष
समाजवादी पार्टी

पीडीए का राग अलापने वाले सपाइयों को सच सुनने की आदत डालनी चाहिए। सपा का तथाकथित पीडीए सामाजिक न्याय का अभियान नहीं, बल्कि परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है। इसका मकसद सिर्फ एक परिवार के राजनीतिक हितों और वंशवादी राजनीति को आगे बढ़ाना है।

-पंकज चौधरी
प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा

# पड़ोसी नेपाल में 'उम्मीदों की बालेन सरकार'

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में आज 27 मार्च को गठन होने जा रही नई सरकार को लेकर नेपाली जनता में उत्सुकता का माहौल है। इसी के साथ हर वर्ग में आशा और विश्वास भी है। चारों ओर चर्चा है कि अब नेपाल को परिवर्तन की अनुभूति होगी। मायूसी और निराशा के बादल छटेंगे। राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल, नवनियुक्त प्रधानमंत्री और मंत्रियों को शपथ ग्रहण कराएंगे। काठमांडू में जगह जगह बालेन शाह, रवि लामी छाने और सुडान गुरुंग के पोस्टर लगाए गए हैं। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की नई सरकार को सत्ता सौंपने की तैयारी में व्यस्त हैं। प्रधानमंत्री और मंत्रियों के शपथ से पहले 26 मार्च को सभी सांसदों का शपथ ग्रहण होगा।

नेपाल करीब 400 सालों तक राजशाही के अधीन था। पृथ्वी नारायण शाह को नेपाल का जनक माना जाता है। राजशाही से मुक्ति के लिए राजनीतिक दलों ने यदा-कदा आंदोलन जरूर चलाया, लेकिन इसमें कामयाबी 2008 में जनयुद्ध नाम से चले हिंसक आंदोलन के बाद मिली। माओइस्ट नेता प्रचंड और उनके सहयोगियों के नेतृत्व में सालों साल चले इस आंदोलन में करीब पांच हजार लोग मारे गए। राजा समर्थक राजनेताओं और जमींदारों के घर जलाए गए, उनकी हत्याएं की गई। इस भारी खून-खराबा से घबराए तत्कालीन नरेश ज्ञानेंद्र ने सत्ता त्यागने की घोषणा की। कहना न होगा नेपाल को लोकतंत्र के सूर्योदय के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ी।

2008 में हुए संविधान सभा के चुनाव में अपूर्ण बहुमत के बावजूद प्रचंड प्रधानमंत्री बने, लेकिन नौ माह बाद ही उन्हें सत्ता छोड़ने को मजबूर होना पड़ा। 2026 में संपन्न हुए चुनाव तक नेपाल को अस्थिर और गठबंधन सरकार का बोझ ढोने को मजबूर होना पड़ा। इस दौरान करीब 13 प्रधानमंत्री आए-गए, लेकिन नेपाल जस का तस रहा। भ्रष्टाचार इस स्तर तक चरम पर पहुंच गया कि सत्ता और विपक्ष के शीर्ष नेताओं तक के हाथ इसमें सने हुए मिले। नेपाली जनता खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगी। केपी शर्मा ओली अंतिम प्रधानमंत्री साबित हुए, जिसे दुनिया ने देखा कि किस तरह जेन जी आंदोलनकारियों ने भारी अपमान के बीच सत्ता छोड़ने को मजबूर किया। इसके अलावा अन्य दूसरी पार्टियों के वरिष्ठ नेता भी किस कदर खेत-खेत भागकर अपनी जान बचा पाए, यह भी दुनिया ने देखा।

किसी सरकार के प्रति जनता जब गुस्सा होती है, तो उसका क्या हश्र होता है, नेपाली जनता ने यह कर दिखाया, बहरहाल उसके बाद नेपाल में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। फिर छः महीने बाद चुनाव हुए और इस चुनाव में सर्वथा पहली बार नेपाल को पूर्ण बहुमत की सरकार नसीब हुई, दरअसल नेपाली जनता को राजशाही से असल मुक्ति अब महसूस हुई, लेकिन अनुभूति होना अभी बाकी है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी यानी जिस पार्टी की सरकार सत्तारूढ़ होने जा रही है, उससे जनता को बहुत ज्यादा उम्मीदें है। इन उम्मीदों पर खरा उतरना यद्यपि आसान नहीं है, लेकिन नई सरकार यदि पचास प्रतिशत ही जनता की अपेक्षा पर खरा उतर पाई तो यह बड़ी कामयाबी होगी।

नई सरकार का मुखिया बालेन शाह का ही बनना तय है। इस पद को लेकर चल रही कयासबाजी और शंका-आशंका सब निर्मूल हैं। बालेन मंत्रिमंडल में फिलहाल उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामी छाने होंगे। जेन जी आंदोलन के नायक सुडान गुरूंग का भी मंत्री बनना तय माना जा रहा है। तराई, जो सरकार में अहम भागीदारी से अछूता रह जाता रहा है, यहां से भी कम से कम चार मंत्री होंगे। काफी संभावना है, भारत सीमा से सटे नेपाल के कपिलवस्तु जिले से सांसद चुने गए पूर्व पुलिस अधिकारी विक्रम सिंह थापा को बालेन शाह सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय मिल सकता है। विक्रम सिंह थापा राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी से सांसद चुने गए हैं। बालेन मंत्रिमंडल में क्षेत्र और जाति संतुलन पर विशेष ध्यान होगा। बालेन मंत्रिमंडल में अपेक्षाकृत युवा चेहरे भी होंगे।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का जन्म अभी पिछले चुनाव में ही हुआ है। पहली मर्तबा चुनाव में उतरी इस पार्टी को 20 सीटें हासिल हुईं थीं। इस बार के चुनाव में इस पार्टी की सुनामी थी, जिसमें पुरानी पार्टियों के सारे धुरंधर धराशाई हो गए। देखा जाए तो नेपाल के लोकतांत्रिक इतिहास में सर्वथा पहली बार किसी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। बालेन सरकार के मंत्रिमंडल को लेकर नेपाल के पड़ोसी देशों में भी उत्सुकता देखी जा रही है। अपेक्षाकृत राजनीतिक रूप से बिल्कुल ही अपरिपक्व बालेन सरकार नेपाल के लिए क्या कुछ कर पाती है, यह देखना दिलचस्प होगा।

प्रधानमंत्री बनने जा रहे बालेन शाह को कुछ साल तक महज एक नगर निगम को चलाने का अनुभव है, जबकि संभावित गृहमंत्री रवि लामी छाने ओली सरकार में कुछ माह तक गृहमंत्री रहे हैं। अपेक्षाकृत कम अनुभवी इस सरकार के कामकाज के तरीकों, विदेश नीति, पड़ोसी देशों से रिश्ते को लेकर नेपाल से मोहब्बत करने वाले देशों में भारी उत्सुकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना यद्यपि आसान नहीं है, लेकिन नई सरकार यदि 50 फीसदी ही जनता की अपेक्षा पर खरा उतर पाई, तो यह बड़ी कामयाबी होगी।

### सोशल फोरम

## युद्ध व बाजार के बीच जीवन

आज से 40 या 50 साल पहले ऐसे युद्धों से भारत की जनता को कोई खास फ़र्क नहीं पड़ता था.. और महज़ 100 साल पहले तो लोगों को पता भी नहीं चलता था कि उनके गांव से दूर, दूसरी दुनिया में क्या हो रहा है और चाहे डीज़ल और एलपीजी के जहाज़ आएं या न आएं, सबकी ज़िंदगी वैसे ही चलती थी, जैसी चल रही थी। किसान अपने खेतों और बारिश पर निर्भर था न कि बिजली और डीज़ल पर। लोगों का जीवन प्रकृति पर निर्भर था।

सिद्धार्थ ताबिश
ब्लॉगर

आज हम मनुष्यों की तरक्की दरअसल हवा का एक बुलबुला है। पूरी तरह से बाज़ार और साम्राज्यवाद पर निर्भर जीवन को हम मनुष्य तरक्की बोलते हैं और फिर चाहे कितने बड़े साहित्यकार हों या लेखक या कितने भी बड़े आधुनिक दार्शनिक, ये सब इसी तरक्की के गुण गाते फिरते हैं।

दिल्ली, मुंबई और इस जैसे तमाम शहर पूरी तरह से अप्राकृतिक हैं और गुलामों की बस्तियां हैं। ठीक वैसे, जैसे मिस्र के पिरामिड के समय सालों तक गुलामों की बस्तियां पिरामिड के पास बनी रहती थीं। दिल्ली में बिजली भेजने वाले अगर किसी संयंत्र पर हमला हो जाए और मात्र दस दिनों के लिए ही बिजली बंद हो जाए, तो आपके जो करोड़ों के घर हैं, वहां आपको पानी तक नहीं मिलेगा और कुछ ही दिनों में हजारों जाने चली जाएंगी। ये आपकी तरक्की का बुलबुला है। आप कितनी भी बड़ी कंपनी में नौकरी कर रहे हैं, कितने भी पैसे कमा रहे हैं, कितने भी ऐश से रह रहे हैं, आपकी नस्लें बिना बिजली और एलपीजी के विलुप्त हो जाएंगी और अंत में बचेंगे सिर्फ़ वो जो आपकी 'तरक्की' के पैमानों पर निर्भर नहीं होते हैं।

हमारे लिए अभी सवेरा है। हमेशा ऐसा विकल्प ले कर चलिए, जहां आप और आपकी नस्लें प्राकृतिक रूप से जीवन जी सकें। पचासों हज़ार और लाखों की ईएमआई भरते रहते हैं आप इन दिल्ली और मुंबई के 'कूड़ा' जैसे घरों के लिए और आप उसी में से जोड़कर दो चार बीघे खेत कहीं दूर गांव में नहीं खरीदते हैं, जबकि इन बेकार के घरों के मुकाबले खेत खरीदना कहीं आसान और सस्ता होता है।

सिर्फ़ खेत मत खरीदिए, खेत खरीदने के दो चार साल के भीतर ही वहां रहने लायक एक बिल्कुल छोटा सा आशियाना बना लीजिए जो बड़ी छोटी सी लागत से बन जाएगा और अपने बच्चों को वहां लंबी छुट्टी पर ले जाइए। लाखों खर्च करके मालदीव्स और दूसरी जगहों पर जाने से कहीं बेहतर है अपने बच्चों को अपने खेत में प्रकृति के साथ जीना, बोना और खाना सिखाइए। ये उनके सर्वाइवल के लिए काम आएगा।

-फेसबुक वॉल से

### सामयिकी

## महिला उद्यमिता के साथ ही विकास को मिलेगी गति

भारत में आर्थिक प्रगति के लिए सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक है। इस संदर्भ में महिला उद्यमिता एक ऐसी शक्ति के रूप में उभर कर सामने आई है, जो न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दे रही है। आज महिलाएं पारंपरिक भूमिकाओं की सीमाओं को तोड़कर व्यापार, उद्योग, सेवा क्षेत्र और स्टार्टअप में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। छोटे घरेलू व्यवसायों से लेकर बड़े उद्योगों तक, महिलाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि वे किसी भी क्षेत्र में पुरुषों के समकक्ष खड़ी हो सकती हैं। उनके द्वारा स्थापित उद्योग न केवल उनके परिवार की आय को बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में रोजगार के अवसर भी सृजित करते हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं, जैसे- स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और स्टैंड-अप इंडिया महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही, डिजिटल प्लेटफॉर्म और ई-कॉमर्स ने महिलाओं को वैश्विक बाजार तक पहुंचने का अवसर प्रदान किया है।

डॉ. वंदना शर्मा
प्रिंसिपल

महिला उद्यमी वही हैं, जो अपना उद्यम शुरू करे। उसकी व्यवस्था संभालें और उसके लिए वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी निभाती हैं। भारत सरकार के अनुसार महिला उद्यमी होने के लिए उद्यम की वित्तीय भागीदारी में कम से कम 50 प्रतिशत योगदान होना आवश्यक है। इस तरह, प्रमुख वित्तीय भागीदारी होने पर ही एक महिला उद्यमी की श्रेणी में मानी जाएगी। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के अनुसार देश के कुल उद्यमियों में से केवल 15 प्रतिशत ही महिलाएं हैं। इनमें से अधिकांश व्यापार या विनिर्माण में छोटे पैमाने पर चलाए जा रहे हैं। महिला उद्यमियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है और विभिन्न उद्योगों में उन्हें पहचान और मान्यता भी मिल रही है।

महिला उद्यमिता के मार्ग में कई चुनौतियां भी हैं। सामाजिक रूढ़ियां, वित्तीय संसाधनों की कमी, तकनीकी ज्ञान का अभाव और पारिवारिक जिम्मेदारियां महिलाओं की प्रगति में बाधा बनती हैं। महिलाओं को पुरुष प्रधान मानसिकता वाले माहौल में काम करना होता है, जहां उन्हें लैंगिक भेदभाव और पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ता है। यह भी देखा गया है कि कानूनों और नीतियों के बावजूद महिलाओं के लिए व्यापार करना कई बार मुश्किल हो जाता है। अभी भी ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां महिलाओं की भागीदारी सीमित है। महिला उद्यमियों के समक्ष एक चुनौती यह भी है कि सामाजिक बंधनों और पारंपरिक सोच के कारण उनका व्यापार नेटवर्क इतना मजबूत नहीं हो पाता और उन्हें हर प्रयास स्वयं ही करना पड़ता है। इसी कारण महिलाओं को पर्याप्त मार्गदर्शन और समर्थन की आवश्यकता होती है।

इन समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक है कि समाज में जागरूकता बढ़ाई जाए और महिलाओं को शिक्षा, प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। यह न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को सुधार रहा है, बल्कि उन्हें सामाजिक सम्मान भी दिला रहा है। अतः महिला उद्यमिता केवल व्यक्तिगत सशक्तिकरण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के समग्र विकास की आधारशिला है। यदि महिलाओं को उचित अवसर और समर्थन मिले, तो वे भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

# ऐसे हुआ एलपीजी का आविष्कार

बीसवीं सदी की शुरुआत में पेट्रोल सिर्फ ईंधन नहीं, बल्कि एक बड़ी पहेली भी था। उस दौर में इसे संभालना आसान नहीं था- जरा-सी लापरवाही और पेट्रोल हवा में उड़ जाता। भंडारण और परिवहन के दौरान इसका तेजी से वाष्प में बदल जाना ईंधन विक्रेताओं के लिए भारी नुकसान और खतरनाक हादसों की वजह बन रहा था। कंटेनरों के अंदर बनने वाली गैसें कभी भी विस्फोट का कारण बन सकती थीं। इसी समस्या ने अमेरिकी वैज्ञानिक वाल्टर ओ. स्नेलिंग को सोचने पर मजबूर किया। 1910 में उनकी जांच एक साधारण शिकायत से शुरू हुई। एक व्यक्ति ने बताया कि घर पहुंचते-पहुंचते उसका आधा पेट्रोल गायब हो गया। यह सुनकर स्नेलिंग ने पेट्रोल के व्यवहार को समझने का फैसला किया। अपने प्रयोगों में उन्होंने पाया कि पेट्रोल के भीतर प्रोपेन और ब्यूटेन जैसी गैसें मौजूद होती हैं, जो सामान्य तापमान पर तेजी से उड़ जाती हैं। जहां बाकी लोग इन्हें बेकार समझते थे, वहीं स्नेलिंग ने इन्हें एक अवसर के रूप में देखा। उन्होंने साधारण उपकरणों की मदद से इन गैसों को अलग किया और दबाव में लाकर तरल रूप में बदल दिया। यहीं से जन्म हुआ एलपीजी यानी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस का। स्नेलिंग ने पाया कि यह गैस न केवल आसानी से जलती है, बल्कि खाना पकाने, हीटिंग और रोशनी के लिए बेहद उपयोगी भी है। 1912 में इसका पहला घरेलू उपयोग हुआ और 1913 में उन्होंने इस प्रक्रिया का पेटेंट भी करवा लिया। आज एलपीजी दुनियाभर में रसोई से लेकर उद्योगों तक हर जगह इस्तेमाल हो रही है। एक छोटी-सी समस्या से शुरू हुई यह खोज आज करोड़ों लोगों की जिंदगी आसान बना रही है।

## वैज्ञानिक के बारे में

वाल्टर ओ. स्नेलिंग का जन्म 1880 में अमेरिका में हुआ था। वे पेशे से रसायनशास्त्री थे और ईंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध किए। उन्होंने हार्वर्ड, येल और जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय से शिक्षा हासिल की। 1907 में उन्होंने पानी के नीचे डेटोनेटर का आविष्कार किया, जो पनामा नहर निर्माण में अमेरिकी सरकार को सालाना 5 लाख डॉलर बचाने में सहायक रहा। 1910 में यूएस ब्यूरो ऑफ माइंस के विस्फोटक प्रयोगशाला के प्रमुख बने। उन्होंने विस्फोटकों पर 179 पेटेंट कराए। उनका निधन 1965 में हुआ।

# एजेंटिक ब्राउजर

## इंटरनेट का नया 'स्मार्ट सारथी'

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

कल्पना कीजिए कि आप अपने मोबाइल या कंप्यूटर से बस इतना कहें- "अगले महीने मुंबई जाने के लिए सबसे सस्ती फ्लाइट ढूंढकर टिकट बुक कर दो" और आपका ब्राउजर खुद अलग-अलग वेबसाइटों पर जाए, कीमतों की तुलना करे और आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प चुन ले। कुछ समय पहले तक इस तरह की बातें साइंस-फिक्शन जैसी लगती थीं, लेकिन आज की डिजिटल दुनिया में यह तेजी से वास्तविकता बन रही है। इस तकनीक को "एजेंटिक ब्राउजर" कहा जा रहा है- ऐसे ब्राउजर जो केवल वेबसाइट दिखाते नहीं, बल्कि उपयोगकर्ता की ओर से इंटरनेट पर काम भी कर सकते हैं। अब तक ब्राउजर एक खिड़की की तरह थे, जिनसे हम वेब देखते थे, लेकिन अब वे एक तरह के डिजिटल सहायक या प्रतिनिधि बनने की ओर बढ़ते दिखने लगे हैं। इंटरनेट का अनुभव 'खुद खोजने और क्लिक करने' से बदलकर 'लक्ष्य बताने और काम करवाने' की दिशा में बढ़ रहा है।

### क्लिक से उद्देश्य तक ब्राउजिंग का नया मॉडल

अब तक हम क्रोम, मोजिला फायर फॉक्स, सफारी, एज जैसे ब्राउजर का इस्तेमाल मुख्यत: वेबसाइट देखने के लिए करते रहे हैं। कोई जानकारी चाहिए तो सर्च करना पड़ता है, कई लिंक खोलने पड़ते हैं और जरूरी फॉर्म या भुगतान जैसी प्रक्रियाएं खुद पूरी करनी पड़ती हैं। एजेंटिक ब्राउजर इस पूरी प्रक्रिया को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। इनमें लगे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित एजेंट उपयोगकर्ता के उद्देश्य को समझते हैं और फिर उसी के आधार पर इंटरनेट पर काम करते हैं। वे वेबसाइट खोलते हैं, जानकारी इकट्ठा करते हैं, तुलना करते हैं और कई बार पूरी प्रक्रिया भी पूरी कर देते हैं। सरल शब्दों में कहें, तो इंटरनेट का अनुभव अब केवल जानकारी खोजने तक सीमित नहीं रह रहा, बल्कि डिजिटल काम करवाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

### रोजमर्रा के काम कैसे बदलेंगे

अभी इंटरनेट पर किसी साधारण काम के लिए भी उपयोगकर्ता को कई चरणों से गुजरना पड़ता है। वेबसाइट ढूंढना, अलग-अलग विकल्प देखना, जानकारी पढ़ना और फिर निर्णय लेना। एजेंटिक ब्राउजर इंटरनेट पर बिखरे हुए कामों को एक क्रम में जोड़कर इस पूरी प्रक्रिया को सरल और संगठित बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर कोई उपयोगकर्ता ब्राउजर से कहे कि "मुझे 2000 रुपये से कम कीमत के नीले रंग के रनिंग शूज चाहिए, जिनकी रेटिंग चार स्टार से ऊपर हो," तो एजेंटिक ब्राउज़र अलग-अलग ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर जाकर विकल्प खोज सकता है और सबसे उपयुक्त उत्पाद सामने रख सकता है। इसी तरह यात्रा की योजना बनाते समय यह विभिन्न एयरलाइन और होटल वेबसाइटों से जानकारी लेकर कीमतों और सुविधाओं की तुलना कर सकता है। किसी लंबी रिपोर्ट या शोधपत्र को पढ़ने के बजाय ब्राउजर उसका सार और मुख्य बिंदु तैयार कर सकता है। सरकारी सेवाओं या ऑनलाइन प्रक्रियाओं में भी यह तकनीक मददगार हो सकती है- जैसे ट्रेन टिकट बुक करना, बिल जमा करना या किसी आवेदन की प्रक्रिया पूरी करना, जिनमें अक्सर कई चरण होते हैं। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़ती है, तो इंटरनेट का अनुभव भी बदल सकता है। उपयोगकर्ता हर क्लिक खुद करने के बजाय केवल अपना लक्ष्य बताएगा और ब्राउजर उस तक पहुंचने के लिए जरूरी डिजिटल प्रक्रियाओं को क्रमबद्ध कर देगा। इस तरह वेब धीरे-धीरे केवल वेबसाइटों का संग्रह नहीं रहेगा, बल्कि एक ऐसेडिजिटल कार्य-परिसरमें बदल सकता है, जहां खोज, विश्लेषण और कार्रवाई एक ही जगह पर संभव हों।

### भारत के लिए इसका महत्व

भारत जैसे देश में एजेंटिक ब्राउजर का महत्व और भी बढ़ सकता है। यहां करोड़ों लोग इंटरनेट का उपयोग तो करते हैं, लेकिन जटिल वेबसाइटों और ऑनलाइन प्रक्रियाओं से अक्सर घबराते हैं। यदि ब्राउजर उपयोगकर्ता की भाषा में बातचीत कर सके और उसके लिए आवश्यक काम कर सके, तो यह डिजिटल सेवाओं को अधिक सुलभ बना सकता है। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में बातचीत करने वाले एजेंटिक ब्राउजर उन लोगों के लिए इंटरनेट को आसान बना सकते हैं, जो अभी तकनीकी रूप से बहुत सहज नहीं हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के नए इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के लिए यह तकनीक एक तरह का डिजिटल साथी बन सकती है।

### तकनीकी कंपनियों के बीच नई दौड़

- एजेंटिक ब्राउजर ने टेक कंपनियों के बीच एक नई होड़ छेड़ दी है। ब्राउजर अब केवल इंटरफेस नहीं, बल्कि एक्जीक्यूशन लेयर बन रहा है, जो आपकी डिजिटल पहचान के नाम पर फैसले ले सकता है और लेन-देन भी कर सकता है।
- कुछ साल पहले तक ब्राउज़र बाज़ार में क्रोम, मोजिला फायर फॉक्स, सफारी और एज जैसे नाम ही हावी थे, अब हर दिग्गज कंपनी चाहती है कि इंटरनेट पर उपयोगकर्ता जो भी करे, उसका पहला और आखिरी साथी वही ब्राउजर हो। ओपेन एआई का चैट-जीपीटी एटलस एड्रेस बार की जगह एआई को बैठाकर ब्राउजर की पारंपरिक परिभाषा बदल देता है। यह एजेंट मोड में खुद वेबसाइटों पर जाकर जानकारी जुटा सकता है, तुलना कर सकता है और कई मामलों में फॉर्म भरने व बुकिंग तक की प्रक्रिया संभाल सकता है। गूगल क्रोम अपने उपयोगकर्ताओं तक जेमिनी आधारित आटो ब्राउज के जरिए यह दिखाना चाहता है कि वही पुराना ब्राउजर अब नए दिमाग के साथ लौट आया है, जहां सारांश, शोध और डेटा विश्लेषण सब कुछ ब्राउजर के भीतर होता है।
- इसी दौड़ में Perplexity का Comet भी है। एआई नेटिव यह ब्राउजर Comet Assistant के माध्यम से अलग-अलग वेबसाइटों के बीच नेविगेट कर जानकारी इकट्ठा करता है, कई स्रोतों से डेटा जोड़कर सुझाव देता है और हाल के अपडेट्स के बाद उपयोगकर्ता की अनुमति लेकर कुछ बहुचरणीय ऑनलाइन प्रक्रियाओं को भी अपने आप व्यवस्थित कर सकता है। Microsoft Edge का Copilot Mode Windows, Office और क्लाउड सेवाओं को जोड़कर ब्राउजर को पूरे डिजिटल कार्यप्रवाह का सहायक बनाने की दिशा में काम कर रहा है।
- Opera Neon और The Browser Company का Dia जैसे नए खिलाड़ी पूरी तरह एआई संचालित इंटरफेस, ऑटोमेटेड टैब मैनेजमेंट और संदर्भ आधारित नेविगेशन जैसे प्रयोगों के जरिए इस दौड़ को और तेज कर रहे हैं। चेहरे भले अलग-अलग हों, लक्ष्य एक ही है। आपके रोजमर्रा के डिजिटल कामों की रस्सियां अपने हाथ में लेना।

### सुविधा के साथ चुनौतियां भी

हर नई तकनीक की तरह एजेंटिक ब्राउजर के साथ भी कुछ चिंताएं जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ा सवाल डेटा गोपनीयता का है। क्योंकि ब्राउजर उपयोगकर्ता की ओर से काम करेगा, उसे उसकी पसंद, व्यवहार और कई बार संवेदनशील जानकारी तक पहुंच हो सकती है। इसलिए सुरक्षा और पारदर्शिता बेहद महत्वपूर्ण होंगी। जितना अधिक अधिकार हम ब्राउजर एजेंट को देंगे, उतनी ही गहरी हमारी निर्भरता और जोखिम दोनों होंगे। चूंकि ये एजेंट हमारी पहचान के नाम पर वेबसाइटों पर कार्रवाई करते हैं, गलत कॉन्फ़िगरेशन या साइबर हमले की स्थिति में आर्थिक धोखाधड़ी, डेटा चोरी और "स्वचालित" दुरुपयोग की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। एजेंटिक ब्राउजर यदि स्कैमर्स के नियंत्रण में आ गए, तो बड़े पैमाने पर ठगी के उपकरण भी बन सकते हैं, खासकर प्रॉम्प्ट इंजेक्शन, मेमोरी मैनिप्युलेशन और क्रॉस सेशन अटैक जैसे बड़े खतरे दरकिनार नहीं किए जा सकते। इसके अलावा यह भी सवाल उठता है कि क्या हम धीरे-धीरे इतनी स्वचालित तकनीक पर निर्भर हो जाएंगे कि खुद जानकारी खोजने की आदत कम हो जाएगी। भारत के संदर्भ में एजेंटिक ब्राउजर का उभार एक नई नीतिगत चुनौती भी प्रस्तुत करता है। भारत सरकार का डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) अधिनियम 2023 अभी पूरी तरह लागू हो रहा है और एजेंटिक ब्राउजर जैसी तकनीक इसकी सीमाओं को परीक्षण में डालेगी। जब कोई एआई ब्राउजर उपयोगकर्ता की ओर से स्वचालित रूप से फॉर्म भरता है, सेवाएं बुक करता है और डेटा साझा करता है, तो "सहमति" की अवधारणा धुंधली हो जाती है। डीपीडीपी अधिनियम के अंतर्गत डेटा फिड्यूशरी की जवाबदेही स्पष्ट है, लेकिन एजेंटिक ब्राउजर इस जवाबदेही की श्रृंखला को जटिल बनाते हैं। भारतीय नीति-निर्माताओं को इस तकनीक के व्यापक प्रसार से पहले स्पष्ट नियामक ढांचा तैयार करना होगा।

### भविष्य की दिशा

यह स्पष्ट है कि ब्राउजर तकनीक एक नए चरण में प्रवेश कर चुकी है। जिस प्रकार सर्च इंजन ने वेब को व्यवस्थित किया और स्मार्टफोन ने इंटरनेट को हर व्यक्ति की जेब तक पहुंचाया, उसी प्रकार एजेंटिक ब्राउजर इंटरनेट को अधिक बुद्धिमान और अधिक स्वचालित अनुभव में बदल सकते हैं। भविष्य में ब्राउजर केवल वेबसाइट देखने का माध्यम नहीं रहेंगे, बल्कि वे ऐसे प्लेटफॉर्म बनेंगे, जहां खोज, विश्लेषण, संवाद और निर्णय के साथ सहायता एक ही स्थान पर उपलब्ध हों, लेकिन इस परिवर्तन की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि तकनीकी कंपनियां, नीति-निर्माता और उपयोगकर्ता मिलकर इस नई तकनीक को किस प्रकार आकार देते हैं। क्योंकि इंटरनेट का अगला इंटरफेस निश्चित रूप से एजेंटिक होगा, पर यह अभी तय होना बाकी है कि वह उपयोगकर्ता को अधिक स्वतंत्र बनाएगा या डिजिटल दुनिया के नए द्वारपाल तैयार करेगा।

रोचक फैक्ट

# पेड़ों की संख्या हमारी आकाशगंगा के तारों से अधिक

पृथ्वी और अंतरिक्ष के बीच तुलना हमेशा से मानव जिज्ञासा का विषय रही है, लेकिन एक रोचक तथ्य यह है कि हमारे ग्रह पर मौजूद पेड़ों की संख्या हमारी आकाशगंगा के तारों से भी अधिक हो सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, Milky Way Galaxy में लगभग 100 अरब से 400 अरब तारे मौजूद हैं। यह आंकड़ा विशाल है, लेकिन जब बात पृथ्वी पर पेड़ों की आती है, तो यह संख्या और भी चौंकाने वाली हो जाती है। वर्ष 2015 में प्रतिष्ठित जर्नल नेचर में प्रकाशित एक वैश्विक अध्ययन ने अनुमान लगाया कि दुनिया में लगभग 3.04 ट्रिलियन पेड़ हैं। यह शोध येल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किया गया था, जिसमें सैटेलाइट इमेजरी और फील्ड डेटा का उपयोग कर अब तक का सबसे व्यापक वृक्ष गणना विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। हालांकि यह संख्या प्रभावशाली है, वैज्ञानिकों ने यह भी चेतावनी दी है कि मानव गतिविधियों के कारण हर साल लगभग 15 अरब पेड़ नष्ट हो रहे हैं। वनों की कटाई, शहरीकरण और कृषि विस्तार इसके प्रमुख कारण हैं। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार, पृथ्वी का हरित आवरण न केवल जलवायु संतुलन बनाए रखने में मदद करता है, बल्कि यह कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ग्लोबल वार्मिंग को भी नियंत्रित करता है। हाल के वर्षों में नई तकनीकों, जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हाई-रेजोल्यूशन सैटेलाइट मैपिंग, ने वृक्षों की गणना और उनके स्वास्थ्य का विश्लेषण और अधिक सटीक बना दिया है। 2021 के बाद के अध्ययनों में यह पाया गया है कि कुछ क्षेत्रों में वृक्षारोपण और संरक्षण प्रयासों के कारण हरित क्षेत्र में सुधार हुआ है, लेकिन कुल मिलाकर वैश्विक स्तर पर वृक्षों की संख्या अब भी घटती प्रवृत्ति में है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वर्तमान दर से पेड़ों की कटाई जारी रही, तो आने वाले दशकों में यह संख्या और तेजी से घट सकती है, जिससे जैव विविधता, जल चक्र और जलवायु पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। इसलिए "एक पेड़ लगाओ" जैसे अभियानों से आगे बढ़कर बड़े पैमाने पर वन संरक्षण नीतियों और सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता है। यह तथ्य न केवल हमें पृथ्वी की जैविक समृद्धि का एहसास कराता है, बल्कि यह भी बताता है कि हमारी जिम्मेदारी कितनी बड़ी है। जहां एक ओर हम अंतरिक्ष के रहस्यों को समझने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हमें अपने ही ग्रह की इस अनमोल संपदा पेड़ों की रक्षा करना भी उतना ही जरूरी है।

वाइल्ड लाइफ

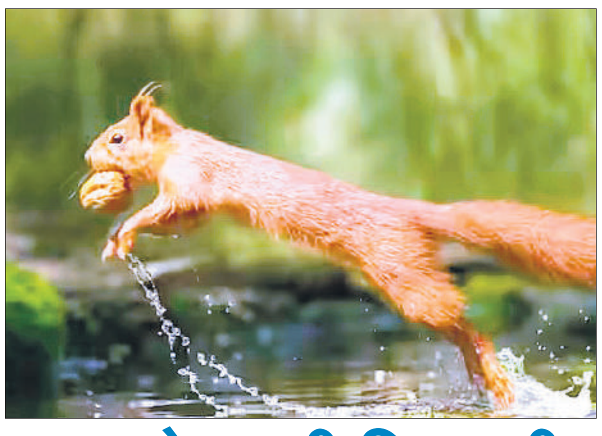

# उड़ने वाली गिलहरी

अरुणाचल प्रदेश के घने जंगलों में स्थित नामदफा नेशनल पार्क जैव विविधता का अनमोल खजाना है। इसी समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र में एक बेहद रोचक और दुर्लभ जीव पाया जाता है- उड़ने वाली गिलहरी। यह अनोखा स्तनधारी वास्तव में उड़ता नहीं, बल्कि अपने शरीर की विशेष झिल्ली (पैटाजियम) की मदद से एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक आसानी से फिसल (ग्लाइड) करता है। उड़ने वाली गिलहरी की यह क्षमता उसे जंगल में जीवित रहने में महत्वपूर्ण बढ़त देती है। ऊंचे-ऊंचे पेड़ों के बीच यह बिना जमीन पर उतरे लंबी दूरी तय कर लेती है, जिससे वह जमीन पर मौजूद शिकारी जीवों जैसे सांप या जंगली बिल्ली से खुद को सुरक्षित रखती है। यह प्रजाति मुख्यतः निशाचर होती है यानी रात के समय सक्रिय रहती है और दिन में पेड़ों की खोखली शाखाओं या घोंसलों में छिपी रहती है। उत्तर-पूर्व भारत में पाई जाने वाली प्रमुख प्रजातियों में रेड जाइंट फ्लाइंग स्क्विरल और नामदफा फ्लाइंग स्क्विरल शामिल हैं। इनमें से नामदफा फ्लाइंग स्क्विरल अत्यंत दुर्लभ मानी जाती है और इसके बारे में वैज्ञानिक जानकारी भी सीमित है। इसकी खोज ने इस क्षेत्र के पारिस्थितिक महत्व को और अधिक उजागर किया है।

हाल के वर्षों में वैज्ञानिकों ने पाया है कि उड़ने वाली गिलहरियां बीज फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे फल और बीज खाकर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं, जिससे जंगलों के पुनर्जीवन और संतुलन में मदद मिलती है। इस तरह यह छोटा-सा जीव पूरे वन तंत्र के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी कड़ी बन जाता है। हालांकि वनों की कटाई और मानव हस्तक्षेप के कारण इनका प्राकृतिक आवास लगातार सिकुड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन भी इनके जीवन चक्र और भोजन की उपलब्धता को प्रभावित कर रहा है। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) के अनुसार, कई उड़ने वाली गिलहरी प्रजातियां संकटग्रस्त या डेटा-अभाव श्रेणी में आती हैं, जिससे इनके संरक्षण की आवश्यकता और बढ़ जाती है। नामदफा नेशनल पार्क जैसे संरक्षित क्षेत्र इन जीवों के लिए सुरक्षित आश्रय प्रदान करते हैं, लेकिन केवल संरक्षित क्षेत्र ही पर्याप्त नहीं हैं। स्थानीय समुदायों की भागीदारी, जागरूकता और सतत विकास नीतियां भी उतनी ही जरूरी हैं। यह शर्मीला और सुंदर जीव न केवल उत्तर-पूर्व भारत की प्राकृतिक विरासत का प्रतीक है, बल्कि हमें यह भी याद दिलाता है कि प्रकृति के हर छोटे-बड़े जीव का अपना महत्व है। उड़ने वाली गिलहरी हमें सिखाती है कि संतुलन और अनुकूलन ही जंगल के जीवन का आधार है और इसकी रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है।

# जंगल से सड़क तक मानव-वन्य जीव संघर्ष

रवीन्द्र त्रिपाठी

शिक्षक

पिछले दिनों खीरी जिले में घटित तीन प्रमुख मानव वन्य जीव संघर्ष ने मानव जीवन में हलचल मचा दी है। पहली घटना धौरहरा वन रेंज की है, जहां खेत में घुसे तेंदुए ने किसान को लहू लुहान कर दिया। दूसरी घटना भी खीरी जिले के कोतवाली तिकुनिया के बनवीरपुर गांव की है, जहां युवक को तेंदुए ने घायल कर दिया। तीसरी घटना महेशपुर वनरेंज के नंदलालपुर गांव की है, जहां बाघ के हमले में युवक की मौत हो गई और यह तीनों घटनाएं एक ही दिन में घटित हुई है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मानव वन्य जीव संघर्ष कितना घातक रूप से बढ़ता ही जा रहा है। स्थिति यह है कि लोग खेतों में जाने से कतरा रहे हैं। आशंका है किसी समय तेंदुए या वन्य जीव हमले की, लेकिन क्या? यह सब स्थितियां एक दिन में पैदा हो गईं तो इसका उत्तर है नहीं, बल्कि अनुचित एवं अनवरत मानवीय क्रियाकलापों ने यह स्थिति पैदा की है, जिससे मानव-वन्य जीव संघर्ष की यह नई इबादत तैयार हो रही है और दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। वस्तुतः मानव-वन्य जीव संघर्ष तब होता है, जब जंगली जानवरों और इंसानों के बीच नकारात्मक अंतः क्रिया होती है, आइए इसके कारणो का विश्लेषण करते हैं कि आखिरकार यह संघर्ष क्यों और कैसे पैदा हुआ?

पहला कारण है कि तेजी से बढ़ता हुआ शहरीकरण इसके लिए जिम्मेदार है, क्योंकि जहां पर शहर बस जाता है, वहां पर वन लगभग शून्य ही रहता है, ऐसे में इन वन्य जीवों के लिए रहना, भोजन, पानी इत्यादि आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं होती है, इससे वन्य जीव मानव बस्तियों में आना शुरू कर देते हैं, जिससे मानव वन्य जीव संघर्ष प्रारंभ होता है।

दूसरा प्रमुख कारण मानव वन्य जीव संघर्ष का है, कृषि विस्तार के लिए वनों की कटाई बढ़ता शहरीकरण खेतों को लीलता जा रहा है, वहीं उन्हीं खेतों की पूर्ति के लिए लगातार जंगल काटे जा रहे हैं। जंगलों के काटे जाने से जंगल लगातार सिकुड़ते जा रहे हैं, जिससे इन वन्य जीवों को मानव बस्तियों में आना पड़ रहा है, फलस्वरुप मानव वन्य जीव संघर्ष बढ़ता जा रहा है। तीसरा कारण है, बढ़ती जनसंख्या। बढ़ती जनसंख्या के कारण आज मानव बस्तियां जंगलों के काफी समीप पहुंच गई हैं। पहले वह जंगलों से बहुत दूर हुआ करती थीं। मानव का हस्तक्षेप वनों में अधिक हो रहा है। तमाम शिकारी वनों में शिकार करने चले जाते हैं, जिससे इन वन्य जीवो को वनों में शिकार नहीं मिल पाते हैं। जंगलों में शिकार न मिल पाने के कारण अपनी भूख मिटाने के लिए यह वन्य जीव मानव बस्तियों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे मानव-वन्य जीव संघर्ष बढ़ता ही जा रहा है।

बढ़ता विकास भी इसका एक कारण है। कुछ दिनों पूर्व मैंने अपने एक लेख में जिसका शीर्षक था 'खाली होते गांव और बड़े होते शहर' में मैंने बताया था किस प्रकार शहरों की जनसंख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे सरकार को विकास की गति देने के लिए अनेक नए राजमार्गों का निर्माण करना पड़ रहा है, ऐसा विकास शहरों में आवागमन के लिए जरूरी भी है, लेकिन यह विकास खेतों को लगातार छोटा कर रहा है। जब सड़कों का चौड़ीकरण होता है या नए राजमार्ग निकाल जाते हैं, तो बहुत बड़ी मात्रा में वनों की कटाई होती है, जिससे वन्य जीवों के प्राकृतिक आवास लगातार सिकुड़ रहे हैं, आवासों के सिकुड़ने से उनके संसाधनों में कमी आ रही है, जिससे वन्य जीवों का आवागमन मानव बस्तियों में लगातार बढ़ता जा रहा है। मानव-वन्य जीव संघर्ष का दुष्परिणाम आए दिन सामने आ रहे हैं। बाघ, तेंदुए मानव बस्तियों में घूमते नजर आ रहे हैं, जिससे मानव जीवन को खतरा है। मानव-वन्य जीव संघर्ष में मौत का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। दूसरा दुष्प्रभाव फसल और पशुधन पर पड़ रहा है। बाघ और तेंदुए गांवों में भैंसों एवं गायों का शिकार कर रहे हैं। पलिया वन रेंज में आधे से ज्यादा गन्ने की फसल हाथियों द्वारा रौद दी जाती है, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है इस प्रकार इस संघर्ष से फसल पशुधन मानव जाति सभी को गंभीर खतरा है।

इस समस्या के निराकरण में पहला कदम यह होना चाहिए कि वनों की कटाई पर रोक लगाई जाए, इससे उनके प्राकृतिक आवास बचे रहेंगे। दूसरा उपाय यह है कि राजमार्गों इत्यादि को वन क्षेत्र से न गुजारा जाए हो सके तो उन्हें, मानव बस्तियों से ले जाया जाए, इससे जहां एक ओर मानव को सुविधा होगी, वहीं दूसरी और जंगल सुरक्षित रहने से वन्य जीवों का आवागमन मानव बस्तियों की ओर रुकेगा। तीसरा उपाय है, यह है कि प्रभावित क्षेत्रों में वन विभाग सक्रिय रहे और ड्रोन कैमरे से इन पर नजर रखी जाए और वनों में उनके प्राकृतिक आवासों को प्राकृतिक तरीके से सुसज्जित किया जाए ताकि यह वन में रहे।

**वेडिंग एवं समर कलेक्शन का आयोजन :** लखनऊ। भारतीय टेक्सटाइल बाजार के प्रतिष्ठित ब्रांड कैडिनी इटली द्वारा आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए वेडिंग एवं समर कलेक्शन 2026 का लॉन्च कार्यक्रम राजधानी लखनऊ के एक होटल में की किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में प्रीमियम सूटिंग एवं शर्टिंग फैब्रिक्स के व्यापक पोर्टफोलियो का प्रदर्शन किया गया। यह जानकारी कैडिनी इटली के बिजनेस हेड श्रीधर सोनी ने दी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में करीब 500 से अधिक प्रीमियम रिटलर्स एवं प्रमुख होलसेलर्स ने भाग लिया।

अमृत विचार
लखनऊ, शुक्रवार, 27 मार्च 2026
www.amritvichar.com



## बिजनेस ब्रीफ

### ईरान से नहीं खरीदा कोई तेल: रिलायंस

**नयी दिल्ली।** पेट्रोलियम समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने गुरुवार को उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया जिनमें दावा किया गया था कि कंपनी ईरान का कच्चा तेल खरीद रही है। कंपनी ने एक बयान जारी कर इन खबरों को आधारहीन और गलत बताया। बयान में कहा गया है, रिलायंस इंडस्ट्रीज मीडिया में आयी इन खबरों को पूरी तरह खारिज करती है कि कंपनी ने मूल रूप से ईरान से आने वाले कच्चे तेल की खरीद की है। ये खबरें आधारहीन हैं और इनमें भ्रामक तथा गलत दावे किये गये हैं। रिलायंस ने मीडिया से अपील की है कि वह खबरों के प्रकाशन से पहले तथ्यों की जांच कर ले।

### सेबी और आईईपीएफए का निवेशक शिविर आज

**नयी दिल्ली।** पूंजी बाजार नियामक सेबी और निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए) 27 मार्च को भुवनेश्वर में छठे निवेशक शिविर का आयोजन करेंगे। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य निवेशकों को उनके रुके हुए लाभांश और बिना दावे वाले शेयरों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने में मदद करना है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत आने वाला आईईपीएफए और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) मिलकर शिविर को शेयर बाजार की प्रमुख संस्थाओं (बीएसई, एनएसई, सीडीएसएल और एनएसडीएल) के सहयोग से आयोजित कर रहे हैं।

### एयर इंडिया ने रोम के लिए शुरू की उड़ान

**नयी दिल्ली।** टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने छह साल के अंतराल के बाद इटली की राजधानी रोम के लिए उड़ान की शुरुआत की है। एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई123 बुधवार को दिल्ली से रोम के फिउमिचिनो हवाई अड्डे के रवाना हुई। यह नॉन स्टॉप उड़ान सप्ताह में चार बार है। रोम यूरोप की मुख्य भूमि में एयर इंडिया का आठवां और मिलान के बाद इटली का दूसरा गंतव्य बन गया है। एम्स्टर्डम, कोपेनहेगन, फ्रैंकफर्ट, मिलान, पेरिस, वियना और ज्यूरिख के लिए उसकी नॉन स्टॉप सेवाएं पहले से हैं।

### शहरों में दफ्तरों की मांग 15 प्रतिशत बढ़ी

**नयी दिल्ली।** देश के सात प्रमुख शहरों में दफ्तरों के लिए जगह पट्टे पर लेने की गतिविधि चालू वर्ष की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में 15 प्रतिशत बढ़ गई है। संपत्ति सलाहकार कंपनी कोलियर्स इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि इस दौरान सातों शहरों में कुल 1.83 करोड़ वर्ग फुट जगह किराए पर ली गई, जो पिछले साल इसी समय 1.59 करोड़ वर्ग फुट थी। इन सात शहरों में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता शामिल हैं।

# पश्चिम एशिया संकट: 80% तक महंगी हुई माल ढुलाई, पूर्वी भारत से आधा हुआ निर्यात

## जहाजों के रास्ता बदलकर अफ्रीका होकर जाने से भाड़े में हुई 40 प्रतिशत वृद्धि, बाकी युद्ध संबंधी शुल्क

**कोलकाता, एजेंसी**

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण यूरोप जाने वाले सामान की ढुलाई की लागत (भाड़ा) में 60 से 80 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे पूर्वी भारत से होने वाले निर्यात में 50 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। कोलकाता बंदरगाह पर सैकड़ों कंटेनर फंस गए हैं।

कलकत्ता कस्टम्स हाउस एजेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मन्नू चौधरी ने बताया कि जहाजों के रास्ता बदलकर अफ्रीका होकर जाने के कारण भाड़े में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, युद्ध के कारण लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को मिलाकर यूरोप और अमेरिका जाने वाले सामान की कुल लागत 80 प्रतिशत तक बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि पोत-परिवहन कंपनियां अब नया सामान लेने से मना कर रही हैं। इस वजह से लगभग 600 भरे हुए कंटेनर, जो जहाज पर लदने के लिए कोलकाता बंदरगाह के अंदर आ चुके थे, उन्हें वहां जगह न मिलने के कारण वापस शहर भेजना पड़ा है। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) इंडिया के पूर्व चेयरमैन राकेश शाह ने स्थिति को गंभीर बताते हुए कहा कि भाड़े में बढ़ोतरी और कंटेनर की कमी के साथ-साथ रसोई गैस (एलपीजी) की किल्लत ने भी उत्पादन को प्रभावित किया है। एलपीजी का उपयोग इंजीनियरिंग सामान को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में किया जाता है। शाह के अनुसार, इंजीनियरिंग उद्योग को इस साल 3.5 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद थी, लेकिन अब यह पिछले साल के स्तर पर ही रहने की संभावना है। पूर्वी क्षेत्र से होने वाले निर्यात में सबसे ज्यादा असर मछली, झींगा, इंजीनियरिंग सामान, कपड़े और दवाओं पर पड़ा है। निर्यातकों की मदद के लिए सरकार ने 497 करोड़ रुपये की 'रिलीफ' (निर्यात की सुविधा के लिए लचीलापन और माल ढुलाई हस्तक्षेप) योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत युद्ध के कारण होने वाले नुकसान और माल ढुलाई पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क की भरपाई में मदद दी जाएगी। सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्योगों (एमएसएमई) को माल ढुलाई और बीमा शुल्क पर 50 प्रतिशत तक की वापसी मिल सकेगी, जिसकी अधिकतम सीमा 50 लाख रुपये प्रति निर्यातक तय की गई है।

### घरेलू कोयला बाजार में बढ़ रही है मांग, कीमतों पर भी दबाव

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा क्षेत्र में पैदा हुए दबाव के बीच भारतीय कोयला बाजार में मांग और कीमतों में तेजी देखी जा रही है। एमजंक्शन सर्विसेज ने बृहस्पतिवार को कहा कि हालांकि कोयला और नवीकरणीय ऊर्जा के जरिये बिजली क्षेत्र में कोई दिक्कत नहीं है। टाटा स्टील और सेल के संयुक्त उद्यम एमजंक्शन के अनुसार, कोयला नीलामी के शुरुआती संकेत मांग और कीमतों में बढ़त दर्शा रहे हैं। हालांकि, यह बदलाव बहुत तीव्र न होकर एक नियंत्रित दायरे में है। एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक विनय वर्मा ने बताया कि भारत के कोयला नीलामी बाजार में मांग-आपूर्ति के समीकरणों में सख्ती और कीमतों के मजबूत होने के लक्षण दिख रहे हैं, हालांकि यह रुझान अभी धीरे-धीरे बढ़ रहा है। फरवरी में कोयले की बोलियां तय कीमतों से लगभग 35 प्रतिशत अधिक रहीं।

### एशियाई बाजारों में गिरावट, कच्चे तेल की कीमतों में फिर उछाल

**हांगकांग, एजेंसी।** ईरान युद्ध के टलने को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण बृहस्पतिवार को एशियाई शेयर बाजारों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की वजह से बाजार में यह अस्थिरता देखी जा रही है। अमेरिकी वायदा बाजारों में भी 0.1 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 0.3 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 1.9 प्रतिशत और हांगकांग के हैंगसेंग में 1.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। चीन के शंघाई कंपोजिट सूचकांक में भी 0.6 प्रतिशत की गिरावट रही। ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 सूचकांक में 0.2 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई, जबकि ताइवान के ताइएक्स में 0.4 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.3 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। वहीं, अमेरिकी बेंचमार्क कच्चा तेल भी 1.6 प्रतिशत चढ़कर 91.75 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

# संकट जारी रहा तो 10-15 प्रतिशत घटेगा उर्वरक उत्पादन : क्रिसिल

**मुंबई, एजेंसी**

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों की वजह से भारत में यूरिया और मिश्रित उर्वरकों का सालाना घरेलू उत्पादन 10-15 प्रतिशत तक घटने की आशंका है। क्रिसिल रेटिंग्स की बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक, आनंद कुलकर्णी ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रही समस्याओं से खरीफ मौसम के अहम समय पर उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट आ सकती है। एलएनजी और अमोनिया की आपूर्ति में करीब तीन महीने तक जारी रहने वाली रुकावट से घरेलू यूरिया और मिश्रित उर्वरक उत्पादन में 10-15 प्रतिशत की कमी आ सकती है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि उत्पादन पर पड़ने वाले इस असर को कुछ हद तक सरकार के हालिया निर्देश से कम किया जा सकेगा, जिसके तहत यूरिया बनाने वाली कंपनियों को 70 प्रतिशत गैस आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि करीब तीन महीने का उर्वरक स्टॉक, और साथ ही दूसरे स्रोतों से होने वाले संभावित आयात से, आपूर्ति में तत्काल कमी आने का जोखिम कम हो जाएगा।

इसके अलावा, क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा कि कच्चे माल और आयातित उर्वरकों की कीमतों में बढ़ोतरी से कंपनियों की कार्यशील पूंजी की ज़रूरतें बढ़ने की संभावना है, और साथ ही सरकार का सब्सिडी खर्च भी 20,000-25,000 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है।

भारत में उर्वरक की कुल खपत में यूरिया का हिस्सा 45 प्रतिशत है, मिश्रित उर्वरकों (डाई-अमोनियम फॉस्फेट, या डीएपी तथा नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम, या एनपीके') का हिस्सा एक-तिहाई है, और बाकी हिस्सा सिंगल सुपर फॉस्फेट' (एसएसपी) तथा म्यूरिएट ऑफ पोटाश (एमओपी) का है। उर्वरक क्षेत्र की आयात पर निर्भरता काफी ज़्यादा बनी हुई है। यूरिया का 20 प्रतिशत और मिश्रित उर्वरकों (मुख्य रूप से डीएपी) का एक-तिहाई हिस्सा आयात किया जाता है। यूरिया (प्राकृतिक गैस, जो कच्चे माल की कुल लागत का 80 प्रतिशत है) और मिश्रित उर्वरकों (अमोनिया और फॉस्फोरिक एसिड) के लिए ज़रूरी मुख्य कच्चा माल ज़्यादातर आयात ही किया जाता है, क्योंकि देश में इनके भंडार सीमित हैं। यूरिया और डीएपी, दोनों के आयात के लिए पश्चिम एशिया एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में कुल आयात का 40 प्रतिशत इसी क्षेत्र से हुआ है।

# भारत ने शुरू की चीन और इंडोनेशिया से आयातित सस्ते पेपरबोर्ड मामले की जांच

**नयी दिल्ली,एजेंसी**

भारत ने चीन और इंडोनेशिया से आयातित सस्ते पेपरबोर्ड मामले की जांच शुरू की है। सस्ते आयात से घरेलू कंपनियों पर असर पड़ने की सूचना के बाद यह कदम उठाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई, व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने घरेलू उद्योग की ओर से भारतीय पेपर विनिर्माता संघ की शिकायत के बाद यह प्रक्रिया शुरू की है।

उद्योग संगठन का आरोप है कि चीनी और इंडोनेशियाई कंपनियों द्वारा कम दाम पर निर्यात किए जा रहे विभिन्न स्तर वाले पेपरबोर्ड से भारतीय कंपनियों के लाभ पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। शिकायत में इन दोनों देशों से आयातित बोर्ड पर सब्सिडी दिये जाने की जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

आवेदक का आरोप है कि इन दोनों देशों के उत्पादकों/निर्यातकों को उनकी संबंधित सरकारों द्वारा विभिन्न स्तरों पर अनुदान, ऋण, गारंटी, कर, निर्यात ऋण, वस्तुओं और सेवाओं या इक्विटी निवेश के रूप में दी जाने वाली सब्सिडी से लाभ हुआ है।

डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा कि घरेलू उद्योग के लिखित आवेदन और उत्पादन तथा निर्यात पर सब्सिडी को लेकर दिये गये साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकरण इस मामले में जांच शुरू कर रहा है। यह जांच कथित सब्सिडी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करेगी। इससे घरेलू उद्योगों को हो रहे नुकसान को दूर करने में मदद मिलेगी।

# चालकों के प्रशिक्षण को खुलेंगे स्कूल

## पांच साल में एक करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद: गडकरी

**नयी दिल्ली, एजेंसी**

सरकार उद्योग जगत के सहयोग से अगले पांच साल में 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए स्कूल खोलेगी। इस पहल से देश में एक करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी में आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता आमिर खान से बातचीत के दौरान कहा कि देश में 22 लाख चालकों की कमी है और सरकार ने 200 ड्राइविंग स्कूल खोले हैं।

हमने उद्योग जगत की मदद से 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। इससे एक करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेगा। सड़क सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से सड़क दुर्घटनाओं के मामले में भारत विश्व में शीर्ष पर है। देश में आज प्रति वर्ष पांच लाख से अधिक दुर्घटनाएं और उससे संबंधित 1.8 लाख लोगों की मौत होती है। कहा कि लगभग 66 प्रतिशत लोग 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के हैं। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के पांच मुख्य कारणों का जिक्र किया।

गडकरी ने कहा-पहला कारण सड़क डिजाइन और इंजीनियरिंग हैं। हमने कुछ खराब जगहों की पहचान की है और उन्हें ठीक करने के लिए 40,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। दुर्घटनाओं का दूसरा कारण पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन है। हमने ऐसी 350 जगहों की पहचान की है और लगभग 280 जगहों में सुधार किया गया है। एक अन्य कारण वाहन इंजीनियरिंग है। तीसरा कारण कानून का पालन न होना है। चौथा कारण मानवीय व्यवहार है। शराब पीकर वाहन चलाना भी एक कारण है। मंत्री ने कहा कि बाइक पर हेल्मेट और कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने से हजारों लोग बच सकते हैं।

**गिनाए हादसों के कारण**

- सड़क डिजाइन-इंजीनियरिंग
- पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन
- कानून का पालन न होना
- मानवीय व्यवहार और
- शराब पीकर वाहन चलाना

### वैश्विक संकट में भी भारत की वृद्धि दर, आंतरिक मांग की बदौलत ऊंची बनी रहेगी

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** भारत के प्रमुख उद्योग मंडल एसोचैम का अनुमान है कि वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक संकटों के चलते आपूर्ति श्रृंखलाओं के व्यवधान से वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर मंद हो सकती है पर भारत आंतरिक उपभोग और निवेश मांग की बदौलत अगले वित्त वर्ष 2026-27 सात प्रतिशत से ऊपर की तेज गति से वृद्धि की राह पर बना रहेगा। एसोचैम का मानना है कि 2026 में वैश्विक वृद्धि दर नरम पड़ कर 3 प्रतिशत से नीचे रह सकती है। संगठन ने आगाह किया है कि चूँकि रुपये के मूल्य में काफ़ी गिरावट आई है, इसलिए घरेलू बाजार में एलपीजी सिलेंडरों जैसे कुछ क्षेत्रों में ऊर्जा की कीमतें भी बढ़ी हैं और इसका असर आने वाले समय में महँगाई के रुझानों पर देखने को मिलेगा। उद्योग मंडल ने गुरूवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशिया युद्ध के असर को कम करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम असरदार और सही समय पर हैं। एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है और वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी में 7.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। श्री मिंडा ने कहा कि पिछले कई सालों से सुधारों के ज़रिए सरकार का मज़बूत समर्थन बिज़नेस के भरोसे को बढ़ाता है।

### 2025 में टैबलेट-पीसी बाजार दो प्रतिशत बढ़ा

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** भारत में टैबलेट पीसी बाजार 2025 में सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़ा, जिसमें सैमसंग सबसे अधिक बिक्री दर्ज करने वाली कंपनी रही। हालांकि, एप्पल और एसर की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट में यह बात कही गई। रिपोर्ट के अनुसार, 30,000 से 40,000 रुपये मूल्य वर्ग में सबसे तेजी से वृद्धि देखी गई, जहां बिक्री लगभग सात गुना बढ़ी।

## काम की बात

# ...कहीं दो पैन कार्ड तो नहीं?

भारत में आयकर अधिनियम की धारा 139A के तहत एक व्यक्ति के पास केवल एक ही पैन (परमानेंट अकाउंट नंबर) कार्ड होना चाहिए।

एक से अधिक पैन कार्ड रखना अवैध है और इसके लिए आयकर विभाग द्वारा 10,000 तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। यदि आपके पास गलती से दो पैन कार्ड आ गए हैं, तो एक को तत्काल सरेंडर/कैंसिल करा दें। इसके लिए आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से आवेदन कर सकते हैं। यहां इसे सरेंडर करने की प्रक्रिया दी जा रही है-

**तत्काल करें एक को सरेंडर**

### ऑनलाइन प्रक्रिया

आप घर बैठे Protean (NSDL) या UTIITSL की वेबसाइट से अतिरिक्त पैन कार्ड कैंसिल कर सकते हैं:

1-इसके लिए Protean (NSDL) या UTIITSL की वेबसाइट पर 'Changes or Correction in existing PAN data' विकल्प चुनें।

2-**विवरण भरें :** फॉर्म के शीर्ष पर वह पैन नंबर लिखें जिसे आप पास रखना चाहते हैं।

3-**अतिरिक्त पैन की जानकारी :** फॉर्म के कॉलम नंबर 11 में उस पैन नंबर का विवरण दें जिसे आप कैंसिल/सरेंडर करना चाहते हैं।

4-**दस्तावेज़ और भुगतान :** मांगे गए दस्तावेज़ (जैसे आधार कार्ड, पुराने पैन की कॉपी) अपलोड करें और शुल्क का भुगतान करें।

5-**सबमिशन :** आवेदन जमा करने के बाद आपको एक acknowledgment यानी आवेदन की पावती रसीद मिलेगी, जिसे भविष्य के लिए सुरक्षित रखें।

### ऑफलाइन प्रक्रिया

यह सबसे सुरक्षित तरीका माना जाता है क्योंकि इसमें आप आयकर अधिकारी को पत्र लिखकर सीधे विभाग को सूचित करते हैं:

**पत्र लिखें :** अपने क्षेत्र के असेसिंग ऑफिसर (AO) को एक पत्र लिखें। अपने AO का विवरण आप Income Tax e-Filing पोर्टल पर 'Know Your AO' विकल्प से देख सकते हैं।

**जानकारी दें :** पत्र में अपना पूरा नाम, जन्म तिथि और दोनों पैन कार्ड के विवरण दें। स्पष्ट करें कि आप किस पैन कार्ड को रखना चाहते हैं और किसे रद्द करना चाहते हैं।

**दस्तावेज़ जमा करें :** पत्र के साथ रद्द किए जाने वाले पैन कार्ड की एक कॉपी संलग्न करें और इसे स्थानीय आयकर कार्यालय में जमा कर दें।

**पावती लें :** पत्र जमा करने के बाद वहां से प्राप्ति रसीद जरूर लें।

### महत्वपूर्ण बातें:

**जल्द कार्रवाई :** कार्रवाई से बचने को इसे तुरंत सरेंडर कर दें।

**वित्तीय लेनदेन :** तय करें कि जो सरेंडर कर रहे हैं, उस पैन का उपयोग आपने किसी बैंक खाते या निवेश में तो नहीं किया है।

**पैन 2.0 :** सरकार पैन 2.0 प्रोजेक्ट लॉन्च कर रही है, जो क्यूआर कोड के जरिए डुप्लीकेट पैन कार्ड को पहचान कर स्वतः ब्लॉक करने में सक्षम होगा।

इनकम टैक्स एक्सपर्ट मुकेश कुमार मिश्रा कहते हैं कि दो पैन कार्ड रखने पर 10 हजार का जुर्माना है। एक को तत्काल सरेंडर करें। बेहतर होगा कि इसे आयकर अधिकारी को पत्र लिखकर सरेंडर करें। आपका पत्र मिलने के बाद विभाग उस कार्ड के वित्तीय रिकार्ड की जांच करके उसे निरस्त करने की कार्रवाई करता है।

# बीएसएनएल लगाएगी 60,000 नए मोबाइल टावर: सिंधिया

**नयी दिल्ली, एजेंसी**

केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) अगले वित्त वर्ष में 50 से 60 हजार और मोबाइल टावर जोड़कर मजबूत नेटवर्क तैयार करेगी।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि कंपनी का परिचालन लाभ चालू वित्त वर्ष में दहाई अंक में बढ़ने की उम्मीद है। सिंधिया ने बताया कि बीएसएनएल ने 4जी नेटवर्क बनाने में एक साल में अब तक का सबसे बड़ा पूंजीगत निवेश 20,000 करोड़ रुपये का किया है, जिसे जल्द ही 5जी नेटवर्क में अद्यतन किया जाएगा। उन्होंने एक समिट में कहा कि आज बीएसएनएल के एक लाख टावर काम कर रहे हैं, जो हमारी स्वदेशी और आत्मनिर्भर 4जी प्रौद्योगिकी से सिग्नल भेज रहे हैं। इसी आधार पर अब हम नेटवर्क का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। कुल 98,000 टावर लगभग तैयार हो चुके हैं। हम इसे 50,000 से 60,000 और टावर जोड़कर और मजबूत बनाना चाहते हैं, ताकि नेटवर्क पूरी तरह से टिकाऊ रहे और फिर इसे बहुत तेजी से 5जी में बदला जा सके।

# डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली को कार्यशील बनाने की जरूरत: गोयल

**नयी दिल्ली, एजेंसी**

भारत ने बृहस्पतिवार को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से कार्यशील बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। इसका कारण वर्तमान में यह व्यवस्था निष्क्रिय है जिससे देशों को विवादों के प्रभावी निपटान से वंचित होना पड़ रहा है।

कैमरून के याओन्डे में डब्ल्यूटीओ के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ई-कॉमर्स व्यापार पर सीमा शुल्क रोक को आगे बढ़ाने के संबंध में सावधानीपूर्वक पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एक निष्क्रिय विवाद निपटान प्रणाली ने सदस्य देशों को विवादों के प्रभावी निपटान से वंचित कर दिया है। हमें स्वचालित और बाध्यकारी विवाद निपटान प्रणाली को बहाल करना होगा। डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान व्यवस्था 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है क्योंकि अमेरिका ने अपीलीय निकाय में सदस्य देशों की नियुक्तियों में बाधा डाली है। डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों ने 1998 से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क नहीं लगाने पर सहमति व्यक्त की है। इस रोक को समय-समय पर मंत्रिस्तरीय सम्मेलनों (एमसी) में बढ़ाया गया है। डब्ल्यूटीओ का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 166 सदस्यों का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है।

## शुभ संकेत

### तेजी से आगे बढ़ रहा स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र

# स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में प्रीमियम 1.2 लाख करोड़ के पार

**नयी दिल्ली, एजेंसी**

देश में स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसमें लगभग नौ प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गयी है। वित्त वर्ष 2024-25 में कुल स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम की राशि 1.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक रही है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह वृद्धि बढ़ती जागरूकता, स्वास्थ्य देखभाल वित्तपोषण तक बेहतर पहुंच और चिकित्सा खर्चों को लेकर वित्तीय सुरक्षा की बढ़ती मांग को दर्शाती है।

बयान के अनुसार, दक्षता बढ़ाने और पॉलिसीधारकों को समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने 'कैशलेस' यानी नकद रहित स्वास्थ्य बीमा दावों के निपटान के लिए विशिष्ट समयसीमा निर्धारित की है।

कैशलेस निपटान के तहत पूर्व-मंजूरी को एक घंटे के भीतर और अंतिम मंजूरी को तीन घंटे के भीतर स्वीकृत करना शामिल है। बयान में कहा गया है कि इन समयसीमा का उद्देश्य देरी को कम करना और यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को समय पर चिकित्सा देखभाल मिल सके। पॉलिसीधारकों की बढ़ती उम्र, उच्च कवरेज, उन्नत सुविधाओं आदि जैसे कारकों के कारण स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में वृद्धि हुई है।

- वित्त मंत्रालय ने कहा-यह वृद्धि बढ़ती जागरूकता, स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा खर्च को लेकर वित्तीय सुरक्षा की बढ़ती मांग का परिचायक है

बयान के अनुसार, इरडा के 2024 के नियमों में यह कहा किया गया है कि बीमा उत्पादों का मूल्य सभी प्रासंगिक जोखिम कारकों के आधार पर उचित होना चाहिए और वे व्यवहारिक और मूल्य-आधारित बने रहें। साथ ही भरोसेमंद आंकड़ों और ग्राहकों की प्रतिक्रिया का उपयोग करके समय-समय पर उनकी समीक्षा की जाए।

इसके अलावा, इरडा के बीमा भरोसा पोर्टल के अनुसार, 2024-25 के दौरान सामान्य और स्वास्थ्य बीमा से संबंधित 1,37,361 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 1,27,755 (93 प्रतिशत) का निपटान उसी वर्ष किया गया। इसमें कहा गया है कि दावों की अस्वीकृति या अस्वीकार किए जाने के मामले मुख्य रूप से विशिष्ट पॉलिसी शर्तों और सीमाओं के कारण होते हैं।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### इमरान खान के बेटे ने संयुक्त राष्ट्र में पिता की सेहत पर जताई चिंता

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के पुत्र कासिम खान ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में अपने पिता की हिरासत को लेकर चिंता जताई है। कासिम ने जिनेवा में मानवाधिकार परिषद में आरोप लगाया है कि जेल में अधिकारी उनके पिता के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपों में 2023 से जेल में बंद उनके पिता के साथ किया जा रहा बर्ताव पाकिस्तान में राजनीतिक दमन के एक व्यापक स्वरूप को दर्शाता है, जो 2022 में उनके पद से हटाए जाने के बाद से ही साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि इमरान खान सरकारी तोहफों से जुड़े एक कथित भ्रष्टाचार मामले में 14 साल की सजा काट रहे हैं और उन्हें अदियाला जेल में रखा गया है।

### सिंगापुर: भारतीय बच्चों को डिक्की पर बैठाकर कार चलाने पर फंसा

**सिंगापुर।** सिंगापुर की एक अदालत ने लग्जरी स्पोर्ट्स कार चलाते समय अपने दो बच्चों को डिक्की के कवर पर बैठाने के आरोप में भारतीय मूल के एक व्यक्ति के खिलाफ बृहस्पतिवार को मामला दर्ज किया। 'चैनल न्यूज एशिया' की रिपोर्ट के अनुसार प्रेम आनंद सुगुनकुमार पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया गया है, जिससे 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। रिपोर्ट के अनुसार 20 अक्टूबर 2025 को प्रेम ने एक पॉश रिहायशी इलाके में गाड़ी चलाते समय अपने आठ और सात साल के बच्चों को कार के पीछे डिक्की के ऊपर कवर पर बैठा रखा था। इस घटना का वीडियो पिछले साल सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

### चीनी राजदूत ने कहा, पाकिस्तान को समर्थन देता रहेगा चीन

**इस्लामाबाद।** चीन के राजदूत जियांग जेदोंग ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की और आश्वासन दिया कि चीन पाकिस्तान में व्यापार व निवेश के लिए निरंतर समर्थन देता रहेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बैठक में उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इस्हाक डार भी मौजूद थे। बैठक में जियांग ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिरता की सराहना की। शरीफ ने चीन के निरंतर आर्थिक समर्थन की सराहना करते हुए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई कि वह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा के दूसरे चरण को आगे बढ़ाते हुए कृषि, औद्योगिक सहयोग और प्राथमिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेगा।

# भीषण तूफान में एक घंटे फंसा रहा ममता बनर्जी का विमान

कोलकाता, एजेंसी

● हलक में अटकी रही अधिकारियों की जान, कई प्रयास के बाद उतरा

सांस रोक देने वाले एक घटनाक्रम में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का विमान बृहस्पतिवार को भीषण तूफान और भारी बारिश के कारण करीब एक घंटे तक हवा में फंसा रहा। कई प्रयासों के बाद पायलट जब उसे सुरक्षित नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारने में सफल हुआ तो अधिकारियों की जान में जान आई।

हवाई अड्डे के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ममता बनर्जी का विमान भीषण तूफान और भारी बारिश के कारण एक घंटे से भी ज्यादा समय तक हवा में फंसा रहा। खराब मौसम, भारी बारिश और हवाईअड्डा क्षेत्र के आसपास चल रही तेज हवाओं के कारण उसे उतरने की अनुमति नहीं दी गई थी। बताया गया कि पायलट ने विमान उतारने के कई प्रयास किए लेकिन सफल नहीं हुआ। एक समय जब तूफान थोड़ा कम हुआ तो विमान कोलकाता हवाई अड्डे के करीब पहुंचा था लेकिन मौसम फिर बिगड़ने के कारण उसे लैंडिंग किए बगैर उड़ना पड़ा। काफी देर बाद वह लैंड करने में सफल हो पाया। मुख्यमंत्री चुनाव रैलियां कर कोलकाता लौट रही थीं।

## दुनिया भर में आगे निकलने की होड़

# एआई की दौड़ में भारत

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आज के समय का नया सोना बन चुका है। दुनिया भर में इसे लेकर एक रणनीतिक युद्ध छिड़ा हुआ है, जहां हर देश अपनी अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति और गवर्नेंस को एआई के जरिए अपग्रेड करने में जुटा है। भारत भी एआई क्षेत्र के शीर्ष 10 देशों में शामिल है लेकिन तमाम दावों के बावजूद उसकी स्थिति विकसित देशों के मुकाबले काफी कमतर है। दुनिया में भारत को अब तक इस दौड़ में एक स्लीपिंग जायंट यानी सोता हुआ विशालकाय जीव बताया जा रहा था, हालांकि कहा जा रहा है कि अब भारत भी जाग चुका है। भारत सरकार ने इंडिया एआई मिशन के लिए 10,372 करोड़ रुपये का बजट भी आवंटित किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य स्वदेशी कंप्यूटिंग क्षमता को बढ़ाना है। भारत की कोशिशों के परिणाम अभी सामने आने बाकी हैं।

### संयुक्त राज्य अमेरिका नंबर वन

- अमेरिका फिलहाल एआई का निर्विवाद राजा है। ओपन एआई, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और मेटा जैसी कंपनियां वैश्विक मानक तय कर रही हैं।
- दुनिया के सबसे शक्तिशाली लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स और एआई चिप्स पर नियंत्रण है। रिसर्च-डेवलपमेंट में निजी निवेश खरबों डॉलर में है।

### चीन दौड़ में प्रमुख प्रतिद्वंद्वी

- फेसियल रिकग्नीशन, निगरानी तकनीक, स्मार्ट सिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर में चीन ने सबको पीछे छोड़ दिया है। एआई मॉडल पर तेजी से काम।
- चीन के पास डेटा का विशाल भंडार और सरकार का सख्त समर्थन है। लक्ष्य 2030 तक दुनिया का मुख्य एआई इनोवेशन सेंटर बनना है।

### यूके तीसरा दिग्गज

- ब्रिटेन यूरोप का एआई हब है। डीपमाइंड की यहीं से शुरुआत हुई थी जो अब गूगल का हिस्सा है।
- ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और एआई सुरक्षा पर नीतिगत कार्य देश को अग्रणी बनाते हैं।
- यह देश एआई क्षेत्र में दुनिया और एआई कंपनियों के बीच एक नियामक पुल का काम कर रहा है।

### चौथे नंबर पर यूएई

- यूएई ने दुनिया का पहला एआई मंत्री नियुक्त किया है। फाल्कन एलएलएम को दुनिया के बेहतरीन ओपन सोर्स मॉडल्स में गिना जाता है।
- तेल से परे अपनी अर्थव्यवस्था को ले जाने के लिए यूएई भारी निवेश कर रहा है और दुनिया भर के टैलेंट को अपनी ओर खींच रहा है।

### कहां पर भारत

- एआई के क्षेत्र में बढ़त हासिल करने के लिए डेटा चाहिए और भारत के पास दुनिया का सबसे विविध डेटा सेट है।
- यूपीआई और आधार जैसे डिजिटल ढांचे ने देश में एआई के कार्यान्वयन को ज्यादा आसान बना दिया है।
- हर बड़े वैश्विक एआई प्रोजेक्ट के पीछे भारतीय इंजीनियर्स हैं। अब इस टैलेंट को देश में ही रोकने की योजना है।

### भारतीय प्रतिभा के सभी मुरीद

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की एआई इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार, एआई कौशल के मामले में भारत दुनिया में नंबर 1 पर है।

ताइवान की कंपनी टीएसएमसी दुनिया के 90% से अधिक सबसे उन्नत एआई चिप्स बनाती है। इसके बिना एआई की रेस रुक सकती है।

### चुनौतियां और कोशिशें

- भारत सॉफ्टवेयर और एप्लीकेशन बनाने में तो आगे है, लेकिन एआई चिप्स के मामले में अमेरिका और ताइवान पर निर्भर है।
- भारत ने भाषा अनुवाद के लिए भाषिणी और क्रुत्रिम जैसे भारतीय परिवेश अनुकूल मॉडल विकसित करना शुरू कर दिया है।

चीन रेयर अर्थ एलिमेंट्स का पूरी दुनिया में सबसे बड़ा उत्पादक है। चिप के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले गैलियम और जर्मेनियम पर चीन का लगभग एकाधिकार है।

# लंबा चल सकता है ईरान से युद्ध, अमेरिका कर रहा है अपने आरक्षित तेल भंडार का इस्तेमाल

## ट्रंप के पूर्व सलाहकार जॉर्ज पापाडोपोलोस ने किया दावा, कहा- लंबे युद्ध के लिए बनाए गए थे ये भंडार

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका का अपने रणनीतिक भंडार से तेल का उपयोग करना इस जोखिम का संकेत करार दिया जा रहा है कि ईरान के साथ संघर्ष लंबा खिंच सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले अभियान के विदेश नीति सलाहकार जॉर्ज पापाडोपोलोस ने यह दावा किया है। पापाडोपोलोस ने कहा, इन भंडारों को केवल अत्यधिक संकट के दौरान उपयोग करने के लिए बनाया गया है, जैसे कि अमेरिका में या दुनिया भर में होने वाला लंबी अवधि का कोई भी संभावित युद्ध।

पापाडोपोलोस ने कहा कि अमेरिका का वर्तमान भंडार केवल लगभग एक महीने या उससे भी कम समय तक चल सकता है। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने इससे पहले मार्च में कहा था कि वॉशिंगटन अपने रणनीतिक भंडार से 17.2 करोड़ बैरल तेल निकालेगा और 2027 में इसमें 20 करोड़ बैरल तेल फिर से भरेगा। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को तेहरान सहित ईरान के कई ठिकानों पर हमले किए थे, जिससे काफी नुकसान हुआ और हजारों नागरिक हताहत हुए हैं।

तेहरान में बृहस्पतिवार को सरकार समर्थकों ने रैली निकालकर प्रदर्शन किया।

### अमेरिका चार गुना बढ़ाएगा अपना मिसाइल उत्पादन

**डलास।** अमेरिकी युद्ध विभाग ने रक्षा उत्पाद बनाने वाली कंपनी लॉकहीड मार्टिन के साथ प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल का उत्पादन चार गुना बढ़ाने के लिए समझौते की घोषणा की है ताकि दुश्मनों के मुकाबले सैन्य शक्ति को और मजबूत किया जा सके। यह समझौता पिछले साल अमेरिकी सेना के साथ हुए 4.94 अरब डॉलर (41,000 करोड़ रुपये) के अनुबंध पर आधारित है। अमेरिकी कांग्रेस से मंजूरी के बाद इस समझौते को सात साल के अनुबंध में बदला जा सकता है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड पुष्टि कर चुका है कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के दौरान पहली बार पीआरएसएम मिसाइलों का युद्ध में इस्तेमाल किया गया था।

### ईरान बाब-अल मंदेब में खोलेगा नया मोर्चा

**तेहरान।** ईरान ने अमेरिका का मुकाबला करने के लिए बाब-एल-मंडेब जलडमरूमध्य में एक नया मोर्चा खोलने की धमकी दी है। ईरान के नए सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई ने पहले ही कहा था कि यदि संघर्ष जारी रहता है तो ईरान अमेरिका और इजराइल के खिलाफ नए मोर्चे खोल सकता है। ईरानी समाचार एजेंसी तसनीम ने एक सैन्य स्रोत के हवाले से बताया कि ईरान लाल सागर में उस रणनीतिक जलमार्ग को खतरे में डालने में सक्षम है। यदि अमेरिका ईरान के दक्षिणी क्षेत्रों और ईरानी द्वीपों के खिलाफ कोई कार्रवाई करने का प्रयास करता है तो अमेरिका का मुकाबला करने के लिए यह नया मोर्चा खोला जाएगा।

### अलर्ट: अमेरिकी नागरिक फौरन छोड़ें इराक

**बगदाद।** इराक में ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों के बढ़ते हमलों के बीच इराक स्थित अमेरिकी दूतावास ने सुरक्षा अलर्ट जारी कर अपने सभी नागरिकों को तत्काल इराक छोड़ने का निर्देश दिया है। दूतावास की ओर से बृहस्पतिवार को जारी इस चेतावनी में कहा गया है कि अमेरिकी मिशन अभी खुला है, लेकिन मिसाइल, ड्रोन और रॉकेट हमलों के खतरे को देखते हुए नागरिकों को दूतावास या इरबिल स्थित वाणिज्य दूतावास के करीब न आने की सलाह दी गई है। अमेरिका ने इराक के लिए यात्रा नहीं करने की स्तर चार की चेतावनी जारी रखते हुए स्पष्ट कहा है कि नागरिक किसी भी कारण से इराक न जाएं और जो वहां मौजूद हैं, वे तुरंत निकल जाएं। परामर्श में कहा गया है कि इराक का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण व्यावसायिक उड़ानें संचालित नहीं हो रही हैं। नागरिक सड़क मार्ग से जॉर्डन, कुवैत, सऊदी अरब या तुर्की जाने का विकल्प चुन सकते हैं।

## पाकिस्तान के आग्रह पर इजराइल ने शीर्ष ईरानी अधिकारियों को हिट लिस्ट से हटाया

**वाशिंगटन।** पाकिस्तान के अनुरोध पर इजराइल ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघर गालिबाफ को अपनी हिट लिस्ट से हटा दिया है। इजराइली अखबार टाइम्स ऑफ इजराइल ने रॉयटर्स के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है।

एक पाकिस्तानी अधिकारी के अनुसार इजराइल के पास इन दोनों ईरानी हस्तियों को निशाना बनाने के लिए

**अराघची और गालिबाफ थे निशाने पर**

उनकी भौतिक स्थिति का पता लगाने वाले भौगोलिक आंकड़े थे, लेकिन पाकिस्तान ने तर्क दिया कि उन्हें खत्म कर देने से बातचीत के लिए कोई भी भरोसेमंद राजनयिक संपर्क नहीं बचेगा। इसी बात को ध्यान में रखते हुए अमेरिका ने इजराइल से पीछे हटने को कहा।

द यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इन दोनों ईरानी अधिकारियों को कुछ दिनों के लिए सूची से हटा दिया गया है, क्योंकि ट्रंप ने बातचीत का दरवाजा खोल दिया है। तुर्की, पाकिस्तान और मिस्र के मध्यस्थ अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच बातचीत कराने की कोशिशों में जुटे हैं। हालांकि, मतभेदों की खाई काफी गहरी होने के कारण किसी ठोस नतीजे पर पहुंचने की संभावनाएं कम ही हैं।

# भीषण युद्ध की कगार पर खड़ी है दुनिया: गुटेरेस

न्यूयॉर्क, एजेंसी

● संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बड़े वैश्विक आर्थिक संकट की आशंका जताई

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध बेकाबू हो गया है और युद्ध का विस्तार होने से नागरिकों की पीड़ा और वैश्विक आर्थिक संकट गहरा गया है। गुटेरेस ने कहा कि युद्ध शुरू होने के तीन सप्ताह से अधिक समय बाद यह लड़ाई सबसे खराब आशंकाओं से भी आगे निकल गई है। दुनिया एक व्यापक युद्ध के कगार पर खड़ी है। उन्होंने संबंधित पक्षों से युद्ध को तत्काल रोकने और कूटनीति एवं अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने का आह्वान किया।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए यूएन महासचिव ने कहा कि उन्होंने जीन अर्नोल्ट को अपना निजी दूत नियुक्त किया है, ताकि जमीनी स्तर पर दोनों पक्षों के साथ सीधे तौर पर जुड़ने और चल रही शांति पहलों का समर्थन करने सहित मध्यस्थता प्रयासों में तेजी लाई जा सके। उन्होंने हताहतों की बढ़ती संख्या और आर्थिक दुष्परिणामों का हवाला देते हुए अमेरिका और इजराइल से युद्ध समाप्त करने का आग्रह किया। उन्होंने ईरान से भी युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से शामिल न होने वाले पड़ोसी देशों पर हमले रोकने का आह्वान किया और कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ऐसे कृत्यों की निंदा की है।

महासचिव ने प्रमुख नौवहन मार्गों, विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधानों पर चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी कि लंबे समय तक बंद रहने से विश्व भर में कृषि के लिए महत्वपूर्ण समय में तेल, गैस एवं उर्वरकों का प्रवाह बाधित हो सकता है।

### गरीब-कमजोर लोग भुगत रहे खामियाजा

गुटेरेस ने लेबनान की स्थिति की भी चर्चा की, जहां उन्होंने हाल ही में दौरा किया था और हिजबुल्ला से इजराइल पर हमले रोकने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गाजा मॉडल को लेबनान में नहीं दोहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस युद्ध से वैश्विक बाजार अस्त-व्यस्त हो गए हैं, जबकि मानवीय सहायता अभियान गंभीर बाधाओं का सामना कर रहे हैं और इस संकट का सबसे अधिक खामियाजा सबसे गरीब एवं सबसे कमजोर लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

# जयशंकर फ्रांस दौरे पर रवाना हुए, जी 7 बैठक में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी

● पश्चिम एशिया संकट और होर्मुज को खुला रखने पर होगी चर्चा

विदेश मंत्री एस जयशंकर जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए बृहस्पतिवार को फ्रांस रवाना हो गए। इस बैठक में पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा होगी और होर्मुज जलडमरूमध्य को अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए खुला रखने के प्रयासों में समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

भारत हालांकि जी 7 का सदस्य नहीं है लेकिन इस प्रभावशाली समूह के मौजूदा अध्यक्ष फ्रांस ने उसे साझेदार देश के रूप में आमंत्रित किया है। इस बैठक में अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, इटली, फ्रांस, जापान और ब्रिटेन के शीर्ष राजनयिक हिस्सा ले रहे हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, विदेश मंत्री 26 और 27 मार्च को फ्रांस में एबे डेस-वॉक्स-डे-सेर्ने की यात्रा करेंगे, जहां वह साझेदार देशों के साथ जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। बयान में कहा गया कि जयशंकर जी7 बैठक से इतर अपने समकक्षों के साथ संभवतः द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। फ्रांस ने भारत के अलावा सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया और ब्राजील को भी आमंत्रित किया है।

फ्रांस के एक अधिकारी के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट पर एक अलग सत्र आयोजित किया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि मंत्री इस क्षेत्र में तनाव कम करने और समुद्री मार्ग फिर से खोलने के लिए विभिन्न वार्ता माध्यमों की तलाश करने पर विचार-विमर्श करेंगे।

### ईरान के परमाणु-बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम भी मुद्दा

अधिकारी ने कहा कि विदेश मंत्री इस बात पर भी चर्चा करेंगे कि ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक कार्यक्रम से कैसे निपटा जाए। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को लगभग अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है। पश्चिम एशिया, भारत की ऊर्जा खरीद का एक प्रमुख स्रोत रहा है।

## पाकिस्तान-अफगानिस्तान का युद्धविराम खत्म, शुरू हुए हमले

**काबुल।** अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर अस्थायी युद्धविराम खत्म होने के बाद बुधवार को एक बार फिर हमले शुरू हो गए। इस संघर्ष में अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हो गए।

अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में सूचना और संस्कृति विभाग के प्रवक्ता जिया-उर-रहमान स्पिंगहर ने बताया कि ईद-उल-फितर से पहले दोनों पक्षों ने संक्षिप्त संघर्षविराम की घोषणा की थी। इसके खत्म होते ही पाकिस्तानी बलों ने नराई और सरकानो जिलों में दर्जनों तोप के गोले दागे, जिससे दो की मौत हो गई और आठ घायल हो गए।

## दिल्ली के स्कूलों में रील बनाने पर सरकार ने लगाई पाबंदी

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार ने सभी विद्यालयों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी स्कूल के समय के दौरान रील या शॉर्ट वीडियो न बनाएं। सरकार ने जोर दिया कि ऐसी गतिविधियों से शैक्षणिक कार्य, अनुशासन या संस्थानों की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए।

शिक्षा निदेशालय ने जारी एक परिपत्र में कहा कि निदेशालय को जानकारी मिली है कि स्कूल परिसर में मनोरंजन के लिए शॉर्ट वीडियो बनाए जा रहे हैं और विद्यालय प्रमुखों को कक्षा के समय के दौरान ऐसी गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगानी चाहिए। कहा गया है कि शिक्षण प्रक्रिया को बाधित करने या विद्यार्थियों का ध्यान भटकाने वाली किसी भी गतिविधि पर रोक लगाई जानी चाहिए।

## बांग्लादेश : बस नदी में गिरने से 24 लोगों की मौत, कई लापता

● बस को नौका पर चढ़ाने के दौरान हुआ हादसा, लापता लोगों की तलाश जारी

**ढाका।** बांग्लादेश में एक बस के परिवहन नौका पर चढ़ने की कोशिश के दौरान नदी में गिर जाने से 24 लोगों की मौत हो गई, कई लोग लापता भी हैं। बस दक्षिण-पश्चिमी राजबारी जिले में दौलाडिया टर्मिनल पर बुधवार शाम करीब सवा पांच बजे पद्मा नदी में गिर गई। अनुमान है कि ढाका जा रही इस बस में बच्चों समेत करीब 40 यात्री सवार थे और उनमें से अधिकतर ईद की छुट्टियां मनाकर राजधानी लौट रहे थे।

स्थानीय अग्निशमन सेवा के अधिकारियों के अनुसार, बस के अंदर से 11 महिलाओं, छह पुरुषों और पांच बच्चों समेत 22 लोगों के शव मिले। उन्होंने कहा, हमजा (बचाव पोत) ने क्रेन की मदद से बस को बाहर निकाला। गोताखोरों ने इससे पहले दो महिलाओं के शव बरामद किए थे और शेष 22 शव खराब मौसम के बीच छह घंटे के प्रयास के बाद बस को नदी से बाहर निकाले जाने पर बुधवार मध्यरात्रि के करीब मिले। दमकल सेवा और तटरक्षक बल के गोताखोर सेना और पुलिस की मदद से लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने बचाव अभियान की जानकारी लेने के लिए उनसे फोन पर बात की और हादसे की जांच के आदेश दिए। करीब 11 यात्री तैरकर किनारे पहुंचने में सफल रहे या उन्हें बचा लिया गया।

## कैसा रहेगा आपका आज का दिन

**मेष** – आज व्यापार में नई योजनाएं बन सकती हैं। सफलता के रास्ते खुलेंगे। दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा।

**वृष** – आज का दिन नया काम शुरू करने के लिए अच्छा है। करियर में सकारात्मक बदलाव के संकेत हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी।

**मिथुन** – आज पुराने काम पूरे होने से राहत मिलेगी। थकान महसूस हो सकती है। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत है।

**कर्क** – आज संवाद आपके लिए फायदेमंद रहेंगे। घर-परिवार में किसी मुद्दे पर चर्चा हो सकती है। काम में धैर्य बनाए रखें।

**सिंह** – आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और काम में सफलता मिलेगी। नेतृत्व क्षमता की सराहना हो सकती है। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है।

**कन्या** – आज मेहनत के परिणाम अच्छे मिलेंगे। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेने से बचें।

**तुला** – आज आपकी गुप्त योजनाएं सफल हो सकती हैं। कारोबार में धन लाभ के संकेत हैं। सोच-समझकर निर्णय लें।

**वृश्चिक** – आज लंबी यात्रा का योग बन सकता है। काम में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। मन प्रसन्न रहेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

**धनु** – आज मेहनत का फल मिलने का समय है। करियर में स्थिरता व प्रगति के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलने से मन शांत रहेगा।

**मकर** – आज नई संभावनाएं मिलेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। नए विचार और रचनात्मकता बढ़ेगी।

**कुंभ** – आज व्यापार में बड़ी साझेदारी के प्रबल योग हैं। मेहमान का घर पर आगमन हो सकता है। संतान का विशेष ध्यान रखें।

**मीन** – आज उधार दिया हुआ धन वापस मिलेगा। मधुमेह के रोगी अपना विशेष ख्याल रखें। परीक्षार्थी को किसी परीक्षा में सफलता मिलेगी।

### आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

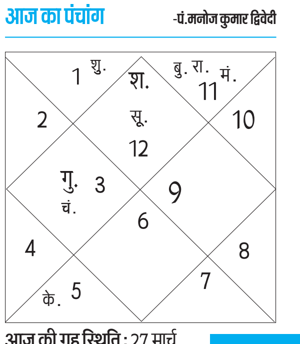


**आज की ग्रह स्थिति :** 27 मार्च, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 10.06 तक तत्पश्चात दशमी।

**दिशाशूल**- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
**चन्द्रबल**- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
**ताराबल**-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
**नक्षत्र**- पुनर्वसु 15.24 तक तत्पश्चात पुष्य।

### सुडोकू - 100 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 1 | 4 | 8 | 2 | 6 | 9 | 5 | 3 |
| 9 | 6 | 8 | 7 | 3 | 5 | 2 | 1 | 4 |
| 2 | 3 | 5 | 1 | 4 | 9 | 8 | 6 | 7 |
| 6 | 2 | 1 | 9 | 7 | 3 | 5 | 4 | 8 |
| 4 | 9 | 7 | 2 | 5 | 8 | 1 | 3 | 6 |
| 8 | 5 | 3 | 6 | 1 | 4 | 7 | 9 | 2 |
| 3 | 4 | 2 | 5 | 8 | 1 | 6 | 7 | 9 |
| 5 | 7 | 9 | 4 | 6 | 2 | 3 | 8 | 1 |
| 1 | 8 | 6 | 3 | 9 | 7 | 4 | 2 | 5 |

### सुडोकू -101

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 5 | | 7 | | | 2 | | |
| 8 | | | | 2 | | 6 | | |
| | 3 | | | | 6 | | | |
| 6 | | 8 | | | | | 2 | |
| | 2 | | | | | | 8 | |
| | | | 4 | | | 3 | | 9 |
| | 6 | 4 | | | | | 7 | |
| | | 1 | | 6 | | | | 2 |
| | | | | | 8 | | 5 | |

## मध्य प्रदेश: सीने में लगा एयरगन का पेलेट युवक की मौत

**नरसिंहपुर।** मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले के स्टेशनगंज थाना क्षेत्र के डांगीढाना गांव में एयरगन का पेलेट लगने से एक युवक की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार डांगीढाना निवासी आदित्य लोधी (18) घर में एयरगन रख रहा था, तभी अचानक ट्रिगर दबने से पेलेट उसके सीने में जा लगा। उसे तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी रही। सुधार न होने पर उसे जबलपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में तबीयत बिगड़ने पर वापस जिला अस्पताल लाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

**वैश्विक संकट** | अमेरिका-ईरान युद्ध ने बढ़ाई वैश्विक खाद्य सुरक्षा की चिंता, उर्वरक आपूर्ति शृंखला बाधित होने की आशंका

# देश में शुरू हुई कृषि व्यापार नियमों को बदलने की कवायद

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका -इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध ने न सिर्फ तेल बाजारों को प्रभावित किया है बल्कि वैश्विक खाद्य और उर्वरक आपूर्ति शृंखला में बड़ी बाधाएं पैदा कर भविष्य की खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर दिया है। इस संकट के कारण अर्थशास्त्री और विभिन्न सरकारें अब वैश्विक कृषि व्यापार नियमों को नए सिरे से तैयार करने का प्रस्ताव बना रहे हैं ताकि भविष्य में इस तरह के झटकों से निपटा जा सके।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के पूर्व डब्ल्यूटीओ चेयरमैन प्रोफेसर विश्वजीत धर के मुताबिक होर्मुज जलडमरूमध्य से यातायात संचालन में आई बाधा ने उजागर कर दिया है कि ऊर्जा, उर्वरक और खाद्य प्रणालियां एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। एलएनजी के प्रवाह में रुकावट और बढ़ती ऊर्जा लागत से भारत जैसे देशों में उर्वरक उत्पादन और कीमतों पर सीधा असर पड़ा है। प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने प्रस्तावित 'मॉडल ट्रीटी ऑन एग्रीकल्चरल ट्रेड' में तर्क दिया है कि विश्व व्यापार संगठन का मौजूदा ढांचा जलवायु परिवर्तन, महामारी और युद्ध जैसे झटकों से निपटने में अक्षम साबित हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह ढांचा शुरू से ही दोषपूर्ण था और अब इसे वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं के तनाव परीक्षण में विफल पाया गया है। भारत अपनी जरूरत का लगभग पांचवां हिस्सा यूरिया, आधा हिस्सा डीएपी और लगभग पूरी पोटाश मात्रा आयात करता है।

खाड़ी देशों से होने वाली आपूर्ति और समुद्री मार्गों में बढ़ते जोखिमों से बीमा प्रीमियम और माल ढुलाई की लागत में भारी वृद्धि हुई है, जिससे उर्वरकों की कीमतों में उछाल आया है। अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने फिलहाल इस झटके को किसानों तक पहुंचने से रोकने के लिए उच्च सब्सिडी के माध्यम से अवशोषित करने का निर्णय लिया है।

### स्थायी रह सकता है संकट, भारत ने शुरू की नए स्रोतों की तलाश

विशेषज्ञों का मानना है कि संघर्षविराम होने के बावजूद, होर्मुज से होने वाले व्यापार में युद्ध जोखिम प्रीमियम स्थायी रूप से जुड़ सकता है। इसका मतलब है कि भारत जैसे देशों के लिए ऊर्जा और उर्वरक की लागत संरचनात्मक रूप से हमेशा के लिए ऊंची बनी रह सकती है। बदलते हालात को देखते हुए भारत अब पोटाश और फॉस्फेट के लिए नए स्रोतों की तलाश कर रहा है और विदेशी खनिज संपत्तियों में निवेश बढ़ा रहा है। इसके साथ ही, घरेलू यूरिया उत्पादन विस्तार और खाड़ी क्षेत्र के बाहर से लंबी अवधि के एलएनजी अनुबंधों पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है ताकि बाहरी झटकों को कम किया जा सके। वर्तमान संकट ने यह भी साफ किया है कि जब आपूर्ति शृंखलाएं अत्यधिक केंद्रित होती हैं तो झटके केवल स्थानीय नहीं रहते बल्कि वैश्विक स्तर पर फैल जाते हैं।

> दिल्ली कैपिटल्स में वापसी के बाद मैंने अपने पुराने रूटीन पर तीन गुना ज्यादा मेहनत शुरू कर दी है, चाहे वह ट्रेनिंग हो या बल्लेबाजी। मेरे लिए यह ब्रेक बहुत जरूरी था। इसने मुझे दिमागी तौर पर और ताकतवर बनाया है।
> – पृथ्वी शॉ

## रोहित-कोहली को स्वदेश में नौ वनडे खेलने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बृहस्पतिवार को सीनियर पुरुष टीम के घरेलू सत्र का कैलेंडर जारी किया जिसमें पांच टेस्ट, नौ वनडे और आठ टी20 मैच शामिल हैं। वनडे मैचों पर निश्चित रूप से सबकी नजर रहेगी क्योंकि विराट कोहली और रोहित शर्मा की दिग्गज जोड़ी के उन सभी मैचों में खेलने की उम्मीद है। यह दोनों स्टार बल्लेबाज अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला जनवरी, फरवरी और मार्च 2027 में खेली जाएगी। इसकी शुरुआत 21 जनवरी को नागपुर में होगी। इसके बाद दूसरा टेस्ट मैच चेन्नई में (29 जनवरी से दो फरवरी) और आठ दिन के अंतराल के बाद तीसरा टेस्ट 11 से 15 फरवरी तक गुवाहाटी में खेला जाएगा।

रांची में चौथा टेस्ट 19 से 23 फरवरी के बीच खेला जाएगा, जबकि अहमदाबाद में अंतिम टेस्ट 27 फरवरी से शुरू होगा। पांच स्थानों में से नागपुर (जहां आखिरी बार 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था), चेन्नई (जहां आखिरी बार 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था), रांची (जहां आखिरी बार 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था) और अहमदाबाद (जहां आखिरी बार 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था) को रोटेशन नीति के अनुसार मेजबानी मिली है। लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि गुवाहाटी को फिर से मेजबानी कैसे मिली जबकि उसने नवंबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट मैच आयोजित किया था। भारत के घरेलू सत्र में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला आकर्षण का मुख्य केंद्र होगी। इसके अलावा भारत वेस्टइंडीज, श्रीलंका और जिम्बाब्वे की मेजबानी भी करेगा। जिम्बाब्वे 2002 के बाद पहली बार भारत में द्विपक्षीय श्रृंखला खेलेगा। जब उसने द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए आखरी बार भारत का दौरा किया था तब भारतीय टीम के कप्तान सौरव गांगुली थे।

- बीसीसीआई ने जारी किया 2026-27 के घरेलू सत्र का कैलेंडर
- कानपुर के हाथ खाली, लखनऊ को मिला एक मैच

**05** टेस्ट, नौ वनडे और आठ टी-20 मैच खेलेगा भारत

**17** शहरों में 22 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे

इस सत्र में 17 शहरों में 22 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे, जिनमें वेस्टइंडीज की टीम सबसे पहले भारत दौरे पर आएगी। उसका भारत दौरा इस साल 27 सितंबर से शुरू होगा। इस दौरे में तीन मैचों की वनडे और उसके बाद पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला शामिल होगी। वनडे मैच तिरुवनंतपुरम (27 सितंबर), गुवाहाटी (30 सितंबर) और न्यू चंडीगढ़ (03 अक्टूबर) में खेले जाएंगे। इसके बाद टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच लखनऊ (06 अक्टूबर), रांची (09 अक्टूबर), इंदौर (11 अक्टूबर), हैदराबाद (14 अक्टूबर) और बेंगलुरु (17 अक्टूबर) में खेले जाएंगे। इसके बाद भारत दिसंबर में श्रीलंका की मेजबानी करेगा, जिसमें तीन वनडे और तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। वनडे मैच दिल्ली (13 दिसंबर), बेंगलुरु (16 दिसंबर) और अहमदाबाद (19 दिसंबर) में जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच राजकोट (22 दिसंबर), कटक (24 दिसंबर) और पुणे (27 दिसंबर) में खेले जाएंगे।

### हाईलाइट

### विश्व कप फुटबॉल के अतिरिक्त टिकटों की बिक्री एक अप्रैल से

**लंदन।** विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने बुधवार को घोषणा की कि विश्व कप टिकटों के अंतिम दौर की बिक्री एक अप्रैल से शुरू होगी। फीफा ने कहा कि दिसंबर और फरवरी के बीच पिछली बिक्री के अंत तक दस लाख से अधिक टिकट बिक चुके थे और अतिरिक्त टिकट एक अप्रैल से टूर्नामेंट के अंत तक आम बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में आयोजित किया जाएगा। फीफा को टिकटों की कीमत को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दिसंबर में टिकटों की बिक्री आम जनता के लिए शुरू की गई थी और तब फुटबॉल प्रेमियों ने फीफा पर विश्वासघात का आरोप लगाया था क्योंकि ग्रुप चरण का सबसे कम कीमत वाला टिकट 140 डॉलर का था जबकि फाइनल के टिकटों की कीमत 8680 डॉलर तक थी।

### कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा स्कीट निशानेबाजों को

**टैंगियर (मोरक्को)।** भारत के स्कीट निशानेबाजों को शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले सत्र के पहले आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप के शुरुआती दिन कई मंझे हुए खिलाड़ियों का सामना करना पड़ेगा जिससे उनके लिए पदक हासिल करना आसान नहीं होगा। इस प्रतियोगिता में कई चोटी के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन की शुरुआत पुरुष और महिला दोनों वर्ग में 75 निशानों के साथ होगी। बाकी 50 निशाने और फाइनल रविवार को होगा। भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में अधिकतम छह खिलाड़ियों को रखने का कोटा पूरा किया है। इसके साथ ही पुरुष और महिला दोनों वर्गों में दो-दो ऐसे निशानेबाज भी शामिल हैं जो केवल रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

### लेग-स्पिनर राहुल चाहर सरे क्लब के लिए आठ मैच खेलेंगे

**नई दिल्ली।** भारत के लेग-स्पिनर राहुल चाहर इस साल सरे क्लब में वापसी करते हुए काउंटी चैम्पियनशिप के आठ मैच खेलेंगे। उनका पहला मुकाबला सात जून को ओवल में हैम्पशायर के खिलाफ होगा। चाहर ने पिछले साल सितंबर में सरे के लिए पदार्पण किया था और क्लब के लिए अपने एकमात्र मैच में हैम्पशायर के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट लिए थे। उन्होंने इस दौरान दूसरी पारी में 51 रन देकर आठ विकेट झटके, जो क्लब पदार्पण पर प्रथम श्रेणी में अब तक का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा है।

### शटलर कैरोलिना मारिन ने संन्यास की घोषणा की

**नई दिल्ली।** बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी कैरोलिना मारिन ने घुटने की चोट से लंबे समय तक परेशान रहने के बाद बृहस्पतिवार को अपने पेशेवर करियर से संन्यास लेने की घोषणा की। उनके करियर में ओलंपिक स्वर्ण पदक और तीन विश्व चैंपियनशिप खिताब शामिल हैं। मारिन ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश साझा कर कहा मेरा सफर यहीं समाप्त होता है। उन्होंने बताया कि चोट के कारण उन्होंने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए प्रतियोगिता से दूर रहने का कठिन निर्णय लिया।

## 10 नए खिलाड़ी, जो दिखा सकते हैं जलवा

### आईपीएल में इन खिलाड़ियों ने अब तक पदार्पण नहीं किया या पांच से कम मैच खेले

नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले सत्र में अपने शानदार प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरी थी तथा इस टी-20 टूर्नामेंट के आगामी सत्र में भी कुछ युवा खिलाड़ी अपना जलवा दिखा सकते हैं। पीटीआई ने सभी 10 फ्रेंचाइजी टीम में से एक ऐसे खिलाड़ी को चुना है जो अगले आठ सप्ताह में क्रिकेट जगत में सितारा बनकर उभर सकता है। इस सूची में उन भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं जिन्होंने या तो अभी तक आईपीएल में पदार्पण नहीं किया है या अब तक पांच से कम मैच खेले हैं।

**अशोक शर्मा (गुजरात टाइटन्स) :** अशोक भारत के सबसे तेज युवा गेंदबाजों में से एक हैं। वह पहले राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिला है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि इस 23 वर्षीय खिलाड़ी को इस सत्र में गुजरात से खेलने का मौका मिलेगा, क्योंकि उसकी टीम में मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ-साथ कैगिसो रबाडा जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं। हालांकि बैकअप के तौर पर उपलब्ध भारतीय तेज गेंदबाजों में गुजरात टाइटन्स के मुख्य कोच आशीष नेहरा अशोक पर नजर डाल सकते हैं, क्योंकि उन्होंने इस साल के एसएमएटी में 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल की थी।

**प्रशांत वीर (चेन्नई सुपर किंग्स) :** भारत में ऐसे कई क्रिकेटर हैं जो धीमी गति से बाएं हाथ से गेंदबाजी करते हैं और बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। लेकिन अमेठी में जन्मे 20 वर्षीय प्रशांत वीर की तरह रवींद्र जडेजा की जगह भरने की चुनौती का सामना कोई नहीं कर रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स ने इससे पहले युवा खिलाड़ियों पर इतना अधिक भरोसा कभी नहीं दिखाया था। इस फ्रेंचाइजी ने ट्रायल के दौरान प्रशांत वीर का खेल देखा और इस आधार पर 14 .20 करोड़ रुपये की बोली लगाकर उन्हें अपने साथ जोड़ा। प्रशांत वीर ने अब तक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) में केवल नौ मैच खेले हैं, लेकिन 6 .45 की गेंदबाजी इकॉनमी रेट और 167 से अधिक के बल्लेबाजी स्ट्राइक रेट के साथ उम्मीद जगा दी है कि आईपीएल के इस सत्र में वह अपनी विशेष छाप छोड़ सकते हैं।

**अल्लाह गजनफर (मुंबई इंडियंस) :** अगर आईपीएल के प्रशंसक किसी एक गेंदबाज को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो वह निश्चित रूप से 20 वर्षीय ग़ज़नफ़र हैं, जो अफगानिस्तान के 'मिस्ट्री स्पिनरों' में नया नाम हैं। ग़ज़नफ़र को पिछले सत्र में केकेआर के लिए खेलना था, लेकिन उन्होंने खेलने से मना कर दिया था। इस सत्र में मुख्य कोच माहेला जयवर्धने चार विदेशी खिलाड़ियों में से एक के रूप में इस्तेमाल करने पर विचार कर सकते हैं।

**जेकब बेथेल (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) :** इस 22 वर्षीय खिलाड़ी को पिछले सत्र में जिन दो मैचों में खेलने का मौका मिला था, उनमें से एक में उन्होंने अर्धशतक बनाया था। इस बार बेथेल को अधिक मैच खेलने का मौका मिलना तय है क्योंकि वह वानखेड़े में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में शानदार शतक लगाने के बाद आईपीएल में वापसी कर रहे हैं। चिन्नास्वामी की पिच वह जितेश शर्मा के साथ मिलकर विपक्षी टीमों के लिए बुरा सपना साबित हो सकते हैं।

**औकिब नबी (दिल्ली कैपिटल्स) :** औकिब नबी की उम्र 29 साल है और उन्हें युवा खिलाड़ी नहीं कहा जा सकता है लेकिन उनके प्रदर्शन पर सभी की नजर रहेगी। उनके पास घरेलू क्रिकेट का आठ साल का अच्छा खासा अनुभव है। नबी ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम जम्मू कश्मीर को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 60 से अधिक विकेट लिए। उनके लिए आईपीएल काफी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इससे वह भारतीय टीम में जगह बनाने के दावेदार भी बन जाएंगे।

**शिवांग कुमार (सनराइजर्स हैदराबाद)**

: मध्य प्रदेश के 23 वर्षीय खिलाड़ी शिवांग बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर हैं, जो उन्हें एक दुर्लभ प्रतिभा बनाता है। भारतीय टीम में कुलदीप यादव ऐसे गेंदबाज हैं। कुलदीप हालांकि क्रीज तक पहुंचने के लिए कोणीय रन-अप लेते हैं, शिवांग का रन-अप अधिक पारंपरिक और सीधा होता है। वह निचले क्रम के उपयोगी बल्लेबाज भी हैं, लेकिन यह देखना बाकी है कि सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल वेटोरी अंतिम एकादश में उनके लिए कोई जगह बना पाते हैं या नहीं।

**नमन तिवारी (लखनऊ सुपर जाइंट्स) :** भारत में बाएं हाथ के अच्छे तेज गेंदबाज बहुत कम हैं और 2024 में अंडर-19 विश्व कप में खेलने वाले नमन तिवारी ने ट्रायल के दौरान सभी को प्रभावित किया है। यह 20 वर्षीय खिलाड़ी नियमित रूप से 140 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करता है। उन्होंने 2024 में यूपी टी20 लीग में नोएडा किंग्स के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था और जरूरत पड़ने पर वह एक उपयोगी विकल्प हो सकते हैं।

**रवि सिंह (राजस्थान रॉयल्स) :** रेलवे का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी घरेलू स्तर पर अपनी क्षमता दिखा चुका है। उन्होंने पिछले साल एसएमएटी में अपनी टीम के लिए 173 के स्ट्राइक रेट से 218 रन बनाए थे। विदर्भ के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी 38 गेंदों में खेली गई 68 रन की पारी निस्संदेह सबसे यादगार रही। विदर्भ के गेंदबाजी आक्रमण में आईपीएल खिलाड़ी यश ठाकुर, हर्ष दुबे और दर्शन नालकंडे शामिल थे। इस पारी के चलते उन्हें राजस्थान रॉयल्स से 95 लाख रुपये का करार मिला और इस सत्र में उनके प्रदर्शन को देखना दिलचस्प होगा।

**तेजस्वी दहिया (कोलकाता नाइट राइडर्स) :** कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य कोच अभिषेक नायर के शिष्य अंगकृष रघुवंशी को बल्लेबाज-विकेटकीपर के रूप में तैयार किया जा रहा है क्योंकि वह पहले ही आईपीएल के कुछ सत्र में खेल चुके हैं। लेकिन दिल्ली के रहने वाले 23 वर्षीय दहिया भी एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिन्हें अगर लगातार मौका मिले तो वह अच्छे परिणाम दे सकते हैं। उन्होंने पिछले एसएमएटी टूर्नामेंट में दिल्ली के लिए अर्धशतक बनाया था।

**मिशेल ओवेन (पंजाब किंग्स) :** पिछले सत्र में ओवेन को एक मैच में केवल दो गेंदों का सामना करने का मौका मिला, पर इस बार तस्मानिया का यह खिलाड़ी होबार्ट हरिकेंस की तरफ से शानदार प्रदर्शन करके यहां पहुंच रहा है। उन्होंने बिग बैश लीग के 36 मैचों में 187 का स्ट्राइक रेट और अपने करियर के 75 टी20 मैचों में 180 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी में गेंद को जोरदार तरीके से मारने की क्षमता है। इसके अलावा वह मध्यम गति से एक या दो ओवर भी फेंक सकता है।

आपस में मजाक करते अक्षर पटेल, रियान पराग, ईशान किशन और हार्दिक पंड्या।

### आईपीएल के दूसरे चरण का कार्यक्रम जारी 13 अप्रैल से 24 मई तक होंगे मुकाबले

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बृहस्पतिवार को आईपीएल 2026 के लीग चरण का कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि टूर्नामेंट का दूसरा चरण 13 अप्रैल से 24 मई तक होगा। शुरुआती चरण 28 मार्च से 12 अप्रैल तक चलेगा और इसके कार्यक्रम पहले ही जारी कर दिये गये हैं। इसका आगाज शनिवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद की भिड़ंत से होगा। फाइनल 31 मई को बेंगलुरु में खेला जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवाजित सैकिया ने कहा लीग चरण के दूसरे हिस्से में 50 मैच खेले जाएंगे। इसका आयोजन 13 अप्रैल से 24 मई 2026 तक भारत के 12 स्थलों पर होगा। इस चरण में मुकाबले बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, जयपुर, धर्मशाला, रायपुर और न्यू चंडीगढ़ में होंगे। टूर्नामेंट के इस अहम चरण में टीमें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी जिससे मुकाबले और अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे। दूसरे चरण का पहला मैच 13 अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा। इस चरण में आठ 'डबल-हेडर' (एक दिन में दो मुकाबले) होंगे। पंजाब किंग्स की टीम अपने घरेलू मैच न्यू चंडीगढ़ और धर्मशाला में खेलेगी, जिसमें धर्मशाला में तीन मैच होंगे। राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने चार घरेलू मुकाबले जयपुर में खेलेगी। रॉयल चैलेंजर्स तीन मैच बेंगलुरु और दो मैच रायपुर में खेलेगी। प्लेऑफ के लिए मैचों के स्थानों की घोषणा बाद में की जाएगी।

### इस आईपीएल में मुझे कुछ साबित करने की आवश्यकता नहीं : शुभमन गिल

**अहमदाबाद।** गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि 2026 टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद उन्हें आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में किसी को कुछ साबित करने की आवश्यकता नहीं है। गिल टी20 विश्व कप से पहले भारत के उप-कप्तान थे, लेकिन संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में जगह देने के लिए उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। भारत ने इस बार रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीता। गिल भारत की टेस्ट और वनडे टीमों के कप्तान होने के साथ-साथ आईपीएल में गुजरात टाइटंस का नेतृत्व भी कर रहे हैं। सत्र पूर्व संवाददाता सम्मेलन में जब इस सलामी बल्लेबाज से पूछा गया कि क्या विश्व कप में नजरअंदाज किए जाने के बाद उन्हें कुछ साबित करना है, तो गिल ने कहा पिछले तीन-चार सत्रों को देखें तो मुझे लगता है कि आईपीएल में मेरे सबसे ज्यादा रन हैं। इस सत्र में मुझे किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। पिछले चार साल में हमने टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है और मैंने एक बल्लेबाज के रूप में भी अच्छा किया है। गिल लगातार आईपीएल में रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हैं। उन्होंने पिछले सत्र में 650 रन, उससे पहले 426 रन और 2023 में 890 रन बनाए थे। उन्होंने कहा मुझे वही करना है जो मैं पिछले चार साल से कर रहा हूं। टीम को लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

## सैमसन और गायकवाड करेंगे सीएसके के लिए ओपनिंग

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए सबसे बड़ा सवाल यही था कि उनके लिए ओपनिंग कौन करेगा। उन्होंने सीजन से पहले ही संजू सैमसन को अपने साथ जोड़ा था और टीम में पहले से ही कप्तान ॠतुराज गायकवाड तथा अंडर-19 स्टार आयुष म्हात्रे मौजूद थे। बुधवार को मुंबई में कप्तानों के इवेंट में गायकवाड ने बताया कि सीएसके ने अपनी ओपनिंग जोड़ी को फ़ाइनल कर लिया है।

गायकवाड तीनों बल्लेबाज़ों को लेकर बात कर रहे थे और उस दौरान उन्होंने कहा, रुतु और संजू। आईपीएल 2025 में ओपनिंग करते हुए सात पारियों में 188.97 की स्ट्राइक रेट से 240 रन बनाने वाले 18 साल के म्हात्रे को अब नीचे खेलना होगा। गायकवाड के इंज़री रिप्लेसमेंट के तौर पर आने वाले म्हात्रे पिछले सीजन सीएसके की खोज साबित हुए थे। आईपीएल 2026 से पहले फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन किया था।

### उम्मीद

### भारोत्तोलक मीराबाई ने तय किया इस साल का सबसे बड़ा लक्ष्य

## एशियाई खेलों में पदक जीतने का सपना पूरा करना चाहती हैं चानू

रायपुर, एजेंसी

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा कि एशियाई खेलों में पदक जीतना इस साल उनका सबसे बड़ा लक्ष्य है। पिछले एक दशक से अधिक समय से मीराबाई चानू भारतीय भारोत्तोलन का चेहरा रही हैं। उनके शानदार करियर में एशियाई खेलों का पदक ही एकमात्र ऐसी उपलब्धि है, जो अभी तक उनके खाते में नहीं जुड़ पाई है।

उनके पास टोक्यो ओलंपिक का रजत, विश्व चैंपियनशिप के तीन पदक और राष्ट्रमंडल खेलों में भी तीन पदक हैं। चानू ने यहां खेलो इंडिया जनजातीय खेलों (केआईटीजी) के उद्घाटन समारोह के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, "एशियाई खेल मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वहां मेरा काम पूरा नहीं हुआ है।

एशियाई खेलों में प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत ऊंचा होता है, जिससे यह और चुनौतीपूर्ण और रोमांचक बन जाता है। एशियाई खेलों में चानू का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने 2014 एशियाई खेलों में पदार्पण करते हुए नौवां स्थान हासिल किया था, जबकि पीठ की चोट के कारण उन्हें 2018 संस्करण से बाहर रहना पड़ा। वह 2022 एशियाई खेलों में पदक के सबसे करीब पहुंची थीं, लेकिन कूल्हे की चोट के कारण अहम समय पर उनका अभियान प्रभावित हुआ और वह पदक से मामूली अंतर से चूक गईं। अब 31 वर्षीय चानू महाद्वीपीय प्रतियोगिता में संभवतः अपने अंतिम प्रयास की तैयारी कर रही हैं और उनका लक्ष्य अपने शानदार करियर में

इस एकमात्र कमी को पूरा करना है। इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों और 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों के बीच वजन संतुलन बनाना उनके लिए बड़ी चुनौती होगा। वह राष्ट्रमंडल खेलों में 48 किग्रा वर्ग में हिस्सा लेंगी, जबकि एशियाई खेलों के लिए फिर से 49 किग्रा वर्ग में वापसी करेंगी।

उन्होंने कहा मैं राष्ट्रमंडल खेलों तक अपना वजन 48 किग्रा के भीतर रखूंगी, लेकिन इसके दो महीने बाद ही एशियाई खेल हैं जो 49 किग्रा वर्ग में हैं, इसलिए मुझे फिर से बदलाव करना होगा। चानू ने खेलो इंडिया जनजातीय खेलों की शुरुआत की सराहना करते हुए इसे दूरदराज के इलाकों के खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने कहा एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे लिए यह गर्व का क्षण है कि सरकार केआईटीजी जैसी पहल को प्राथमिकता दे रही है। यह प्रतियोगिता दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच देगी।

### भारतीय दल में निजी कोच की भारी मांग

**नई दिल्ली।** एशियाई खेलों में भारत के दल में निजी कोच रखने की भारी मांग को देखते हुए खेल मंत्रालय ने यह अनिवार्य कर दिया है कि सूची में निजी कोच को शामिल करने के लिए उनका 'स्पष्ट योगदान' और खिलाड़ियों के साथ 'नियमित संपर्क' होना जरूरी है। एशियाई खेल जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे। इसमें भारत के 700 से अधिक खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के नियमों के अनुसार, सहायक स्टाफ की संख्या दल के कुल आकार के 33 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती।